ಶುಭ್ ಲಾಭ್

खबरें जो सोच बदल दे

शुभ लाभ

DAILY

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

नशे के खतरे को रोकने के लिए विशेष टास्क फोर्स का गठन: सीएम @ नम्मा बेंगलूरु

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 । गुरुवार, 19 सितंबर, 2024 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । epaper.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 14 ।✻। मूल्य-6 रु.। वर्ष-6 । अंक-260

भारत में आतंकवाद को बढ़ावा देना बंद करे पाकिस्तान

अन्यथा सिंधु जल समझौता समाप्त कर देगा भारत

नई दिल्ली, 18 सितंबर (एजेंसियां)।

भारत सरकार ने सिंधु जल संधि की समीक्षा के लिए पाकिस्तान की सरकार को कड़े शब्दों में नोटिस दिया है। भारत ने पाकिस्तान को भेजे नोटिस में कहा है कि सिंधु जल समझौता काफी पुराना हो चुका है, वह बदलाव चाहता

शुभ-लाभ सरोकार

है। यह समझौता दोनों देशों के बीच नदियों के पानी के बंटवारे को लेकर हुआ था। भारत ने नोटिस में तर्क दिया है कि सन् 1960 में जब ये समझौता हुआ था, तब से लेकर आज तक दोनों देशों के हालात में बहुत परिवर्तन आ चुके हैं, लिहाजा इस संधि में बदलाव की जरूरत है।

भारत ने सिंधु जल संधि की समीक्षा के लिए अनुच्छेद

12 (3) के तहत 30 अगस्त को ही औपचारिक नोटिस भेजा था। लेकिन पाकिस्तान की तरफ से इस संबंध में कोई जवाब नहीं आया। नोटिस भेजे करीब दो हफ्ते बीच चुके हैं। भारत का मानना है पिछले छह दशक में भारत की जनसंख्या बढ़ चुकी है, यहां खेती की जरूरतों में बदलाव आ चुका है, लिहाजा पानी की बढ़ती जरूरतों को देखते हुए सिंधु जल संधि की समीक्षा होनी चाहिए।

सन् 1960 में हुई सिंधु जल संधि के तहत पूर्व भाग की

समझौते में संशोधन को लेकर पाकिस्तान को नोटिस

तीन नदियों मसलन ब्यास, रावी और सतलुज पर भारत का नियंत्रण दिया गया था जबकि सिंधु, चिनाब और झेलम इन तीन नदियों पर पाकिस्तान का अधिकार सौंपा गया था। इन नदियों के पानी के उपयोग को लेकर दोनों देशों के बीच समझौता किया गया था। जल मात्रा का बाकायदा निर्धारण किया गया था। ▶10पर

भारत गीदड़ भभकी देता है पाकिस्तान हरकतें जारी रखता है

नई दिल्ली, 18 सितंबर (एजेंसियां)।

सिंधु जल संधि को लेकर भारत केवल गीदड़ भभकी देता है, लेकिन कोई निर्णय नहीं लेता। जबकि पाकिस्तान भारत में लगातार आतंकवाद फैलाने में लगा है और उसकी नकेल कसने में भारत सरकार फेल साबित हो रही है। सिंधु जल संधि में संशोधन को लेकर भारत की तरफ से पाकिस्तान को जनवरी में नोटिस दिया गया था। लेकिन पाकिस्तान की तरफ से कोई सकारात्मक उत्तर नहीं मिला था। पाकिस्तान ने बस इतना ही कहा था की पाकिस्तान सिंधु जल संधि को बनाए रखने के लिए प्रतिबद्ध है। भारत ने पाकिस्तान से कहा था कि वर्ष 2017 से 2022 के बीच स्थायी सिंधु आयोग की पांच बैठकों में से किसी में भी पाकिस्तान ने अपनी मौजूदगी दर्ज नहीं की। ▶10पर

देश-दुनिया ने देखा 370 से मुक्त जम्मू कश्मीर का विधानसभा चुनाव

निर्बाध सम्पन्न हुआ मतदान का पहला चरण

- *किश्तवाड़ की इंद्रवल सीट पर 80 प्रतिशत से अधिक वोटिंग*
- *जम्मू कश्मीर के लोगों ने जबरदस्त उत्साह से किया मतदान*

श्रीनगर/जम्मू, 18 सितंबर (एजेंसियां)।

जम्मू कश्मीर विधानसभा चुनाव के पहले चरण में 24 सीटों पर मतदान आज शांतिपूर्वक सम्पन्न हो गया। पहले चरण में कुल 219 उम्मीदवार मैदान में थे। पहले दौर में कश्मीर घाटी की 16 सीटों और जम्मू संभाग की आठ सीटों के लिए मतदान हुआ। शाम 5 बजे तक यहां करीब 58 फीसदी मतदान दर्ज किया गया है। सबसे ज्यादा 77.23 फीसदी वोटिंग किश्तवाड़ जिले में तो सबसे कम पुलवामा जिले में 43.87 फीसदी दर्ज की गई। किश्तवाड़ जिले की इंद्रवल सीट पर 80 प्रतिशत से ज्यादा वोटिंग हुई।

पहले दौर में जहां मतदान हुआ, उनमें अनंतनाग की सात, पुलवामा की चार, किश्तवाड़, कुलगाम और डोडा की तीन-तीन और रामबन और शोपियां जिले की दो-दो सीटें शामिल हैं। जम्मू कश्मीर में मुख्य मुकाबला भाजपा, कांग्रेस-नेशनल कॉन्फ्रेंस (गठबंधन), पीडीपी के बीच माना जा रहा है। भाजपा ने जम्मू में जहां सभी सीटों पर अपने उम्मीदवार उतारे हैं वहीं दूसरी ओर कश्मीर में कुछ ही प्रत्याशी घोषित किए गए हैं। कांग्रेस नेकां के साथ गठबंधन में है और इसने जम्मू क्षेत्र में ही ज्यादातर चेहरे उतारे हैं। महबूबा मुफ्ती की पीडीपी दोनों क्षेत्रों में चुनाव लड़ रही है। इसके अलावा अन्य छोटे दलों ने भी मुकाबले को दिलचस्प बनाने की कोशिश की है।

चुनाव आयोग से मिले आधिकारिक आंकड़ों के मुताबिक शाम पांच बजे तक त्राल में 40.58 प्रतिशत, अनंतनाग में 41.58 प्रतिशत, पांपोर में 42.67 प्रतिशत, राजपोरा में 45.78 प्रतिशत, अनंतनाग पश्चिम में 45.93 प्रतिशत, ▶10पर

तब बूथ पर जाते तो कहा जाता, पंडितजी लौट जाओ वोट डल गया!

तुलमुल (गांदरबल), 18 सितंबर (एजेंसियां)।

कश्मीर में 14 कश्मीरी पंडित इस बार चुनाव में उम्मीदवार हैं। यह आंकड़ा पिछले कई चुनावों में सबसे ज्यादा है। 2014 में 4, 2008 में 12, 2002 में 9 पंडितों ने चुनाव लड़ा था। 1990 में जब पंडितों को घाटी छोड़कर जाना पड़ा तो करीब 800 परिवार थे जो घर छोड़ने को राजी नहीं हुए। लेकिन तीन लाख कश्मीरी पंडित ऐसे भी हैं जो कभी लौटकर नहीं आ पाए। भले फिर उनके वोट कभी भी जीत-हार तय कर पाने की कुव्वत न रखते हों, पर चुनावों में उनकी वापसी हर नेता की तकरीर व राजनीतिक घोषणापत्र का हिस्सा है।

पंडितों के हक की लड़ाई लड़ने वाले डॉ. संदीप मावा कहते हैं, 90 के वक्त में उनके पिता जब वोट डालने जाते थे तो बूथ पर मौजूद नेता कहते थे, ▶10पर

अपने ऐतिहासिक वादे पर भारत सरकार और आगे बढ़ी

एक देश एक चुनाव को कैबिनेट की मंजूरी

नई दिल्ली, 18 सितंबर (एजेंसियां)।

शीतकालीन सत्र में पेश हो सकता है विधेयक

एक देश एक चुनाव कानून लागू करने के निर्णय को आज केंद्रीय कैबिनेट से मंजूरी मिल गई। इस तरह अपने ऐतिहासिक वादे को जमीन पर उतारने के लिए भारत सरकार ने एक और पुख्ता कदम आगे बढ़ा दिया है। एक देश एक चुनाव विधेयक शीतकालीन सत्र में संसद में पेश किया जाएगा। जद (यू) नेता राजीव रंजन प्रसाद ने कहा कि वन नेशन, वन इलेक्शन पर कैबिनेट के फैसले का हम स्वागत करते हैं। इससे पारदर्शिता बढ़ेगी और लोग चुनावों में सक्रिय रूप से भाग लेंगे। इस फैसले कई फायदे होंगे। केंद्रीय मंत्री और जेडीएस नेता एचडी कुमारस्वामी ने कहा, पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद के नेतृत्व में यह विधेयक शुरुआती चरण में है। हम सभी इस विधेयक का समर्थन कर रहे हैं।

एक देश, एक चुनाव को लेकर उच्च स्तरीय समिति की रिपोर्ट बुधवार को केंद्रीय मंत्रिमंडल के सामने रखी गई। कैबिनेट से इसे सर्वसम्मत मंजूरी भी मिल गई। भारत सरकार आगामी शीतकालीन सत्र में इसे संसद में पेश कर सकती है। पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद की अध्यक्षता वाली समिति ने लोकसभा चुनावों के ऐलान से पहले मार्च में अपनी रिपोर्ट पेश की थी। कैबिनेट के सामने रिपोर्ट पेश करना विधि मंत्रालय के 100 दिवसीय एजेंडे का हिस्सा था। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बताया कि केंद्रीय मंत्रिमंडल ने एक राष्ट्र एक चुनाव पर कोविंद समिति की रिपोर्ट को स्वीकार कर लिया है। कोविंद समिति को एक साथ चुनाव कराने के लिए व्यापक समर्थन मिला है। मंत्रिमंडल ने सर्वसम्मति से प्रस्ताव को मंजूरी दी है। ▶10पर

21 से 23 सितंबर तक अमेरिका दौरे पर रहेंगे पीएम मोदी

संयुक्त राष्ट्र महासभा को संबोधित करेंगे मोदी

बाइडेन से होगी महत्वपूर्ण वार्ता, ट्रंप से भी मिलेंगे

मिशिगन, 18 सितंबर (एजेंसियां)।

पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने मंगलवार को कहा कि वह अगले हफ्ते भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मिलेंगे। ट्रंप ने मोदी को शानदार व्यक्ति कहा। डोनाल्ड ट्रंप जब अमेरिका के राष्ट्रपति थे उस दौरान ट्रंप और मोदी के बीच मधुर संबंध थे। जब ट्रंप ने 2020 में भारत का दौरा किया तो पीएम मोदी ने उनके लिए एक विशाल रैली की थी, जिसमें दुनिया के सबसे बड़े क्रिकेट स्टेडियम का उद्घाटन भी हुआ था। रैली में उपस्थित लोगों ने पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति का स्वागत करने के लिए नमस्ते ट्रंप टोपी पहनी थी। वहीं, पीएम मोदी ने जब 2019 में अमेरिका का दौरा किया, तो उन्होंने और ट्रम्प ने हाउडी, मोदी! कार्यक्रम में एक-दूसरे की प्रशंसा की। टेक्सास में रैली में 50,000 से अधिक लोगों ने भाग लिया। प्रधानमंत्री मोदी के बराक ओबामा और बाइडेन जैसे डेमोक्रेटिक अमेरिकी राष्ट्रपतियों के साथ भी अच्छे संबंध रहे हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 21 से 23 सितंबर तक अमेरिका की यात्रा पर होंगे। विदेश मंत्रालय के मुताबिक, पीएम मोदी 21 सितंबर को अमेरिका के डेलवेयर में विल्मिंगटन में ▶10पर

केंद्रीय कैबिनेट का महत्वपूर्ण फैसला

किसानों के लिए 24475 करोड़ की सब्सिडी मंजूर

नई दिल्ली, 18 सितंबर (एजेंसियां)।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली एनडीए सरकार की केंद्रीय कैबिनेट ने किसानों को लाभ पहुंचाने के लिए एक के बाद एक कई योजनाओं को मंजूरी दी है। इसके तहत केंद्र सरकार ने एनपीके उर्वरकों (नाइट्रोजन, फास्फोरस, पोटैशियम) के लिए 24,475 करोड़ रुपए की सब्सिडी आवंटित करने की मंजूरी दे दी। पूरी दुनिया में आपूर्ति श्रृंखला और वैश्विक कीमतों में जो व्यवधान चल रहा है उससे किसानों को अछूता रखने के लिए सरकार ने बड़े निर्णय लिए हैं। खासकर मध्य पूर्व और रूस-यूक्रेन में संघर्ष से पैदा हुई चुनौतियों से किसानों को अप्रभावित रखने के लिए कैबिनेट ने पोषक तत्व आधारित सब्सिडी आवंटित करने का यह निर्णय लिया है।

केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि मंत्रिमंडल ने पीएम अन्नदाता आय संरक्षण अभियान- पीएम-आशा

चंद्रयान-4 के मानव-मिशन पर भी कैबिनेट की मुहर

के लिए 35,000 करोड़ रुपए मंजूर किए हैं। वहीं, प्रधानमंत्री जनजातीय उन्नत ग्राम अभियान के तहत आदिवासी कल्याण के लिए 79, 156 करोड़ रुपए की योजना को मंजूरी दी गई है।

कैबिनेट के फैसलों पर केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा, चंद्रयान-4 मिशन में और अधिक तत्वों को जोड़ने के लिए विस्तारित किया गया है। अगला कदम चंद्रमा पर मानव मिशन भेजना है। इसके लिए सभी प्रारंभिक कदमों को मंजूरी दे दी गई है। वीनस ऑर्बिटर मिशन, गगनयान फॉलो-ऑन और भारतीय अंतरिक्ष स्टेशन तथा अगली पीढ़ी के लॉन्च व्हीकल विकास को भी मंजूरी दी गई है।

केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कैबिनेट की ब्रीफिंग के दौरान बताया कि चंद्रयान 4 के विस्तारित मिशन पर 2,104 करोड़ रुपए के खर्च को मंजूरी दी गई है। चंद्रयान 4 के विस्तारित मिशन के तहत अंतरिक्ष यात्रियों का एक दल चांद पर जाकर वापस आएगा। केंद्रीय कैबिनेट ने वीनस ऑर्बिटर मिशन और भारतीय अंतरिक्ष स्टेशन के पहले माड्यूल को भी मंजूरी दी।

सर्राफ़ा बाज़ार

(24 कैरेट गोल्ड)

सोना : 75,490/-
(प्रति 10 ग्राम)

चाँदी : 89,970/-
(प्रति किलोग्राम)

मौसम बेंगलूरु

अधिकतम : 32°

न्यूनतम : 22°

लेबनान में पेजर विस्फोट से कई मरे, सैकड़ों घायल

विस्फोट का आरोप इज़राइल पर लगा

बेरूत, 18 सितंबर (एजेंसियां)।

लेबनान में पेजर सीरियल ब्लास्ट में 11 लोगों के मरने और सैकड़ों लोगों के जख्मी होने की खबर है। मृतकों और घायलों की तादाद में इजाफा हो सकता है। घायलों में आतंकी संगठन हिजबुल्लाह के लड़ाके और कई स्वास्थ्यकर्मी शामिल हैं। धमाकों की चपेट में ईरान के राजदूत भी आए हैं।

पेजरों में सिलसिलेवार तरीके से हुए विस्फोट से लेबनान की राजधानी बेरूत सहित खासतौर पर दक्षिणी क्षेत्र प्रभावित हुए हैं। धमाके स्थानीय समय के अनुसार 3:45 पर शुरू हुए थे जो लगभग 1 घंटे तक जारी रहे। एक ही साथ देश के कई हिस्सों में हुए इन धमाकों से अफरातरफी मच गई। जब तक कोई कुछ समझ पाता तक तक लगभग 11 लोगों की मौत हो गई थी और 2800 लोग घायल हो चुके थे। घायलों में सबसे ज्यादा तादाद आतंकी संगठन हिजबुल्लाह के लड़ाकों की है। इसके बाद दूसरे नंबर पर प्रभावितों में लेबनान के स्वास्थ्यकर्मी हैं।

घायलों में ईरान के राजदूत मोजीतबा अमानी भी शामिल हैं। अचानक ये धमाके पेजर्स में होने लगे और सभी पेजर्स एक के बाद एक फटने लगे। ईरानी राजदूत का पेजर घटना के समय उनके सुरक्षा गार्ड के पास था। इन धमाकों को हिजबुल्लाह के सुरक्षा तंत्र में अब तक की सबसे बड़ी चूक माना जा रहा है। हिजबुल्लाह ने बयान जारी करते हुए इस सीरियल ब्लास्ट के पीछे इज़राइल का हाथ होने की आशंका जताई है।

इन धमाकों के वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे हैं। इन वीडियो में कई घायलों को सड़क पर इधर-उधर पड़ा देखा जा सकता है। कुछ वीडियो में अस्पतालों में लोगों का जमावड़ा देखा जा सकता है। ▶10पर

हमारी भूमिका नहीं, मौके का लाभ न उठाए ईरान: अमेरिका

वाशिंगटन, 18 सितंबर (एजेंसियां)। पेजर विस्फोट को लेकर अमेरिका का नाम घसीटे जाने पर अमेरिकी ने कड़ी प्रतिक्रिया जताई है। अमेरिकी विदेश विभाग के प्रवक्ता मैथ्यू मिलर ने कहा है कि उनके देश की इसमें कोई संलिप्तता नहीं हैं। अमेरिका खुद ही इस मामले में जानकारी इकट्ठा करने में लगा है। विस्फोट में इज़राइल का हाथ होने के बारे में पूछे गए सवाल पर मैथ्यू मिलर ने कहा, इस बारे में हमारे पास किसी भी तरह का कोई आकलन नहीं है। किसी भी घटना पर अटकलें लगाना उचित नहीं है। अमेरिका इज़राइल और हिजबुल्ला के बीच संघर्ष का कूटनीतिक समाधान देखना चाहता है। मैथ्यू मिलर ने साफ-साफ कहा कि ईरान इस मौके का फायदा उठाने की कोशिश न करे और क्षेत्र में तनाव बढ़ाने की कोशिश न करे।

कार्टून कॉर्नर

जीतो बेंगलूरु साउथ की वार्षिक आम सभा संपन्न

अगले कार्यकाल के लिये रंजीत सोलंकी अध्यक्ष नियुक्त

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

जीतो बेंगलूरु साउथ चैप्टर फाउंडेशन के 2022-24 कार्यकाल की दूसरी वार्षिक आम सभा का आयोजन होटल चांसरी पवेलियन में किया गया। नवकार स्मरण व दीप प्रज्वलन से प्रारंभ सभा में जीतो एपेक्स के पूर्व व वर्तमान निदेशकों, केकेजी जोन पदाधिकारियों, विशेष आमंत्रितों के साथ जीतो साउथ सदस्यों ने भाग लिया। जीतो बेंगलूरु साउथ के अध्यक्ष दिनेश बोहरा ने सभी का गर्म जोशी से स्वागत किया। उन्होंने पिछले 2 वर्षों में जीतो बेंगलूरु साउथ द्वारा संपन्न विभिन्न गतिविधियों, जिसमें महिला विंग और युवा विंग की गतिविधियां भी शामिल हैं, का विवरण रखा। उन्होंने मार्गदर्शन समिति, शीर्ष निदेशकों, पिछले अध्यक्षों, प्रबंध समिति के सदस्यों और सभी सदस्यों के प्रति उनके कार्यकाल के दौरान प्रत्येक परियोजना और कार्यक्रम को शानदार सफल बनाने में उनके अटूट समर्थन के लिए आभार व्यक्त किया। उन्होंने जीतो के विशाल आयोजन जीतो ग्रोथ समिट एवं महत्वाकांक्षी योजना जैन बंधु आदि पर विशेष रूप से प्रकाश डाला। साथ ही उन्होंने 2024-26 के कार्यकाल के लिए प्रबंधन समिति के लिए शुभकामनाएं दीं।

महामंत्री दीपक श्रीश्रीमल ने संगठन, जीतो सदस्यों और बड़े पैमाने पर जैन समाज की बेहतरी के लिए सितंबर 2023 से अगस्त 2024 तक आयोजित सभी परियोजनाओं, कार्यक्रमों और गतिविधियों को कवर करते हुए एक व्यापक रिपोर्ट प्रस्तुत की। उन्होंने अनलॉक, कौशल विकास कार्यक्रम, जीतो व्यापार मेला, जैन मंडप, टेक मंडप जैसी नई पहलों पर भी प्रकाश डाला। उन्होंने उपस्थित सदस्यों को यह भी बताया कि पिछले वर्ष मुख्य विंग, महिला विंग और युवा विंग द्वारा कुल 108 कार्यक्रम आयोजित किए गए थे, जिसके परिणामस्वरूप 2 वर्षों में सदस्यता में 47.5 प्रतिशत की उल्लेखनीय वृद्धि हुई।

महिला विंग अध्यक्ष सुनीता गांधी और युवा विंग अध्यक्ष पिंकेश मेहता ने भी अपने-अपने विंग द्वारा आयोजित कार्यक्रमों को प्रस्तुत किया। कोषाध्यक्ष अशोक एस मेहता और सीए अक्षय मेहता ने जीतो बेंगलूरु साउथ चैप्टर के वित्तीय वर्ष 2023-2024 के लिए समेकित वित्तीय लेखा-परीक्षित रिपोर्ट रखी। साथ ही इस अवधि के दौरान प्रत्येक परियोजना और कार्यक्रम के लिए किए गए खर्चों का विवरण भी दिया। आय-व्यय संबंधी किसी भी प्रश्न का उत्तर देने के लिए एक प्रश्नोत्तर सत्र भी आयोजित किया गया।

वित्तीय लेखापरीक्षित रिपोर्ट को उपस्थित सदस्यों द्वारा सर्वसम्मति से अनुमोदित किया गया। इस अवसर पर एपेक्स सलाहकार समिति अध्यक्ष तेजराज गुलेच्छा ने पिछले दो वर्षों में चैप्टर द्वारा आयोजित कार्यक्रमों की सराहना की। उन्होंने शिक्षा के क्षेत्र पर अधिक जोर दिया। साथ ही साउथ एवं नार्थ दोनों चैप्टर द्वारा संयुक्त रूप से कार्यक्रम करना और जैन समुदाय के वंचित जैन परिवारों के लिए सधार्मिक भक्ति जैसे कार्यों पर जोर दिया। एपेक्स श्रमण आरोग्यम अध्यक्ष रमेश हरण, एपेक्स निदेशक नरेंद्र सिंह समर, विनोद जैन, हितेश पलरेचा, केकेजी जोन अध्यक्ष अशोक सालेचा व महामंत्री दिलीप जैन, जीतो बेंगलूरु के पूर्व अध्यक्ष प्रकाशचंद सिंघवी ने दिनेश बोहरा एवं दीपक श्रीश्रीमाल के नेतृत्व में 2022-24 की प्रबंध समिति द्वारा की गई उपलब्धि की सराहना की। उन्होंने पूरे भारत में और अन्य जीतो अध्यायों के बीच जीतो बेंगलूरु साउथ की प्रतिष्ठा बढ़ाने के लिये सराहना की और अध्याय के सदस्यों के लिए व्यवसायों, नेटवर्किंग और संबंधों को मजबूत करने के लिए अधिक व्यावसायिक विकास कार्यक्रम आयोजित करने का सुझाव दिया। सभा में 2024-26 की अवधि के लिए जीतो बेंगलूरु साउथ चैप्टर के नए अध्यक्ष रंजीत कुमार सोलंकी के साथ निदेशक मंडल सदस्यों की घोषणा की गई। नव नियुक्त अध्यक्ष रंजीत सोलंकी ने कहा कि वे जीतो बेंगलूरु साउथ की विरासत को नई ऊंचाइयों पर ले जाने का प्रयास करेंगे।

जीतो बेंगलूरु नॉर्थ चैप्टर के विमल कटारिया अध्यक्ष मनोनीत

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

जीतो बेंगलूरु नॉर्थ चैप्टर 2023-24 की वार्षिक द्वितीय आमसभा होटल रेनाइसेंस में आयोजित हुई। जीतो बेंगलूरु नार्थ चैप्टर के अध्यक्ष इंदरचंद बोहरा ने सभी का स्वागत करते हुए कार्यकाल की सफलता का श्रेय समस्त पदाधिकारी एवं कार्यकारिणी सदस्यों को दिया। उन्होंने कहा कि सभी के सहयोग से यह दो वर्षीय कार्यकाल ने नई ऊँचाइयों को छुआ।

मुख्य सचिव सुधीर गादिया ने प्रतिवेदन सभा के समक्ष रखते हुए सभी के सहयोग की सराहना की। कोषाध्यक्ष विजय सिंघवी ने 2023-24 कार्यकाल के संपूर्ण आय व्यय का ब्यौरा विस्तृत रूप से प्रस्तुत किया जिसे सदन ने सर्व सम्मति से पारित किया। चुनाव अधिकारी सुभाष सिंघवी एवं रिटर्निंग अधिकारी सुरेंद्र नाथ ने निष्पक्ष चुनाव कराकर निर्वाचित प्रबंध समिति सदस्यों की घोषणा की। आम सभा की संपन्नता के पश्चात आगामी 2024-26 कार्यकाल के लिए सर्व सम्मति से विमल कटारिया का अध्यक्ष के रूप में चयन किया गया।

नव निर्वाचित अध्यक्ष विमल कटारिया ने पदभार ग्रहण करने के पश्चात कमल पूनमिया , दिनेश बाफना को उपाध्यक्ष, विजय सिंघवी को महामंत्री एवं नरेंद्र आछा को कोषाध्यक्ष नियुक्त किया।

महामंत्री विजय सिंघवी ने बताया कि जीतो बेंगलूरु नार्थ की महिला व युवा विंग पदाधिकारियों की नियुक्ति शीघ्र की जाएगी। सभी ने नवनिर्वाचित अध्यक्ष को शुभकामनाएँ प्रेषित की। इस अवसर पर जीतो बेंगलूरु साउथ चैप्टर के नवनिर्वाचित अध्यक्ष रंजीत सोलंकी ने कहा साउथ और नार्थ दोनों चैप्टर मिलकर जैन समाज के उत्थान के लिए कार्य करेंगे। नार्थ चैप्टर के नवनिर्वाचित अध्यक्ष विमल कटारिया ने कहा मेरा सौभाग्य है जो जीतो जैसी संस्था का नेतृत्व करने का अवसर आपके सहयोग से मिला है। हमारे कार्यों में कहीं भी प्रतिस्पर्धा न होकर जनहित व विकास के कार्यों में बढ़ोतरी होगी।

नेमीचंद दलाल ने बताया कि इस अवसर पर जीतो बेंगलूरु नार्थ चैप्टर के वरिष्ठ पदाधिकारी तेजराज गुलेच्छा, प्रकाश सिंघवी, पारस भंडारी, श्रीपाल खीवेसरा, राजेंद्र छाजेड, नरेंद्र सामर, रमेश हरण, रमेश बोहरा, अशोक सा-लेचा, प्रवीण बाफना, दिलीप जैन व अन्य उपस्थित रहे। तेजराज गोलेच्छा ने नई टीम को बधाई दी। पारस भंडारी ने कहा कि जीतो क्वांटिटी में नहीं क्वालिटी में विश्वास करता है।

आचार्य डॉ. शिवमुनि का जीवन सरलता सौम्यता की प्रतिमूर्ति

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

श्री वर्धमान स्थानकवासी जैन श्रावक संघ राजाजीनगर के तत्व-ावधान में उप प्रवर्तक पंकजमुनि, डॉ वरुणमुनि के पावन सानिध्य एवं बेंगलूरु में विराजित समस्त संत सतीवृंद की शुभ निश्रा में आगामी 20, 21 और 22 सितंबर को तीन दिवसीय गुरु अमर अमृत संयम महोत्सव एवं गुरु आत्म शुक्ल शिव जन्मोत्सव का भव्य आयोजन होने जा रहा है। तीन दिवसीय आयोजन के तृतीय दिवस 22 तारीख को उप प्रवर्तक पंकजमुनि, स्वर्ण संयम आराधक वीरेन्द्रमुनि, मुनिराज सौम्यप्रभविजय, उप प्रवर्तिनी साध्वी सत्यप्रभा, उप प्रवर्तिनी साध्वी डॉ दर्शनप्रभा, प्रज्ञाज्योति साध्वी सुधाकँवर, दक्षिण धर्म प्रचारिका साध्वी धर्मप्रभा, प्रज्ञा किरण विपुलदर्शना, जिनसाशन प्रभाविका साध्वी चैतन्यश्री, साध्वी तृप्तिलीना श्री, वसंतविजय

गुरु एवं समस्त चारित्र आत्माओं की पावन निश्रा में गुरु आत्म - शुक्ल - शिव - अमर गुरु का गुणगान किया जाएगा। इस अवसर पर भारत वर्ष से अनेक श्रद्धालुगण उपस्थित हो रहे है। आचार्य डॉ शिवमुनि के 83 वें जन्मोत्सव के अवसर पर डॉ वरुणमुनि ने कहा कि जिनके नाम सुनने मात्र से जीवन आनंदित हो जाता है। जिनके स्मरण मात्र से आत्मा आनंद से विभोर हो जाती है। ऐसे पुरुष महापुरुषों की श्रेणी में आते है। ऐसे ही एक महापुरुष है श्रमण संघ के आचार्य डॉ शिवमुनि महाराज। आचार्य डॉ शिवमुनि का जीवन सरलता सौम्यता की प्रतिमूर्ति है। 83 वें जन्मोत्सव पर गुणगान करते हुए उन्होंने कहा कि वर्तमान आचार्य शिवमुनि जी का जीवन सरलता से परिपूर्ण है। पूर्व में रूपेशमुनि ने गुरु स्तवन की प्रस्तुति दी और अंत में पंकजमुनि ने मंगलपाठ प्रदान किया। अध्यक्ष प्रकाशचंद चाणोदिया ने आभार व्यक्त किया और संचालन नेमीचंद दलाल ने किया।

2025 में चातुर्मास हेतु अर्ज करने सूरत पहुंचा राजराजेश्वरी नगर तेरापंथी समाज

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

सूरत में चातुर्मासार्थ विराजित आचार्य श्री महाश्रमण जी के दर्शन-सेवा करने राजाराजेश्वरी नगर तेरापंथ समाज सभा के अध्यक्ष राकेश छाजेड़ के नेतृत्व में आयोजित तीन दिवसीय हवाई यात्रा संघ के रूप में लगभग 151 लोगों का समूह सूरत पहुंचा। तेरापंथी सभा के अध्यक्ष राकेश छाजेड़ के नेतृत्व में यात्रा संघ ने परमपूज्य गुरुदेव, मुख्यमुनि महावीर कुमार जी, साध्वी प्रमुखा विश्रुतविभा जी, साध्वीवर्या जी एवं अन्य सभी चारित्रात्माओं के दर्शन-सेवा का भरपूर लाभ प्राप्त किया।

अध्यक्ष ने विगत 2 वर्षों से चारित्रात्माओं के चातुर्मास से रिक्त राजाराजेश्वरी नगर के तेरापंथ समाज की व्यथा से गुरुदेव को

अवगत कराया एवं अगले वर्ष चातुर्मास प्रदान करने की भाव-विभोर अर्ज प्रस्तुत की। पूज्य प्रवर ने फरमाया कि आपके क्षेत्र की अर्ज उनकी दृष्टि में है। साथ ही चातुर्मास के अतिरिक्त शेषकाल में भी क्षेत्र के श्रावकों में जप-तप, स्वाध्याय शनिवार को सांयकालीन सामायिक आदि धर्माराधना के क्रम निरन्तर करते रहने की प्रेरणा प्रदान की। प्रमुखाश्री जी ने फरमाया कि साप्ताहिक सामायिक, ज्ञानशाला आदि के माध्यम से आध्यात्मिक जागरूकता गतिमान रहनी चाहिए। साध्वीवर्या जी ने समाज में आध्यात्मिक ज्ञान की समझ का विकास के यथेष्ट प्रयास करने पर बल दिया। सभी चारित्रात्माओं ने अध्यक्ष राकेश छाजेड़ की वरिष्ठ उम्र वाले श्रावकों को विशेष रूप से दर्शन करवाने की भावना की सराहना की। पूर्व अध्यक्ष कमलसिंह दुगड़, मनोज डागा, छतरसिंह सेठिया, वर्तमान उपाध्यक्ष सरोज बैद, अनिल सुराना, राजेश छाजेड़, मंत्री गुलाब बाँठिया, कोषाध्यक्ष देवेन्द्र नाहटा, सहमंत्री राजेश भंसाली, संगठन मंत्री विनोद बोथरा, प्रायोजक परिवार मधु-विमल कटारिया एवं गुलाबदेवी छाजेड़ परिवार एवं समाज के अनेक गणमान्य व्यक्तियों से सुसज्जित इस संघ को तेयुप अध्यक्ष बिकास छाजेड़, तेममं अध्यक्ष सुमन पटावरी एवं उनकी टीम का अपेक्षित सहयोग रहा।

प्रायोजक परिवारों को स्मृति चिह्न भेंट कर सम्मानित किया गया। यात्रा के मुख्य संयोजक राजेश छाजेड़ एवं सहसंयोजक के रूप में सरोज बैद, अनिल सुराना, मनीष पगारिया, विनोद बोथरा, प्रकाश बैद आदि के समय एवं श्रम नियोजन से बहुत ही सुन्दर व्यवस्था से यह यात्रा सकुशल सानंद संपन्न हुई। मंत्री गुलाब बाँठिया ने आभार प्रकट किया।

5 दिवसीय गुरु दर्शन यात्रा संघ सम्पन्न

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

श्री श्वेतांबर स्थानक वासी जैन श्रावक संघ का 5 दिवसीय गुरु दर्शन यात्रा संघ मंगलवार को सम्पन्न हुआ। 100 सदस्यों के श्रावक श्राविका के संघ ने हुब्बल्ली, पुणे, अहमद नगर, गंगापुर, लासुर, जालना, वासिम में चातुर्मास कर रहे संत सतियों के दर्शन, प्रवचन श्रवण एवं ज्ञान चर्चा का लाभ लिया और स्थानीय संघ पदाधिकारियों से संघ उन्नति व भविष्य की आवश्यकता व चुनौतियों पर विचारों का आदान प्रदान किया। सभी संघों ने शत सदस्यीय यात्रा संघ का स्वागत करते हुए अलसूर संघ अध्यक्ष नेमीचंद चोरड़िया और मंत्री अभय कुमार बांठिया का अभिनंदन किया। इस यात्रा में कई तपस्वियों के सम्मान का अवसर मिला और 30 दिन से संथारा साधिका श्राविका के

गंगापुर में दर्शन और सेवा का लाभ भी मिला। अलसूर महिला मंडल ने यात्रा के दौरान संघ सदस्यों की ज्ञान वृद्धि हेतु कई रोचक प्रतियोगिताओं का संचालन कर समय का सदुपयोग किया। जैन युवक संघ, अलसूर ने व्यवस्था सेवा का अनुमोदनीय कार्य किया। यात्रा संघ ने अंतरिक्ष पार्श्वनाथ शिरपुर में प्राचीन और ऐतिहासिक जैन मंदिर में दर्शन का लाभ लिया और श्रेष्ठ कारीगरी के साथ निर्माणाधीन विशाल श्वेतांबर मंदिर का भी अवलोकन किया। घर लौटने से पूर्व डोडबल्लापुर विराजमान चंद्रयशा श्री महासती के दर्शन और प्रवचन का लाभ लेकर यात्रासंघ संपन्न हुआ। कुछ जगह पर अलसूर संघ ने स्थानीय गौशाला आदि को अनुदान भी दिया।

अलसूर जैन संघ के अध्यक्ष नेमीचंद चोरड़िया एवं मंत्री अभय कुमार बांठिया ने सभी यात्रियों को धन्यवाद देते हुए क्षमा याचना की।

हिंदी दिवस पर गोष्ठी का आयोजन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

भाषा साहित्य मंच की सितंबर माह की हिंदी दिवस पर गोष्ठी गूगल मीट से ऑनलाइन सम्पन्न हुई। गोष्ठी की अध्यक्षता डॉ वत्सला किरण ने मुंबई से जुड़कर की।

गोष्ठी का शुभारम्भ सर्वप्रथम शालिनी गर्ग, जो कतर से जुडी थी, की सुमधुर सरस्वती वंदना से हुआ। तत्पश्चात पटल की संस्थापक अध्यक्ष डॉ.उषा श्रीवास्तव ने अपने उद्बोधन में अधिक से अधिक लोगों को हिंदी से जोड़ने तथा हिंदी सिखने एवं बोलने वालों का उत्साहवर्धन करने की आवश्यकता पर जोर दिया, तथा सदैव अपने परिवार के बच्चों को परिवार से जोड़ने में मातृभाषा की महत्वपूर्ण भूमिका के बारे में बताया। शोभा पाठक, शांति मोहनन, शालिनी गर्ग, डॉ वत्सला किरण, डॉ उषा श्रीवास्तव, डॉ सुमन मेहरोत्रा, सरिता श्रीवास्तव, डॉ. सीमा भाँति, प्रवीणा कुलश्रेष्ठ, सुदेश वत्स, गीता चौबे गूँज, भगवती सक्सेना एवं भूमिका श्रीवास्तव आदि ने अपनी सटीक, अर्थपूर्ण रचनाओं की प्रस्तुति से गोष्ठी को सारगर्भित बना दिया।

40 सदस्यों का एक समूह पांच दिवसीय विदेश भ्रमण हेतु थाईलैंड रवाना

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

आज के मनोवैज्ञानिक युग में शिक्षण एवं नेटवर्किंग को मनोरंजक, आकर्षक, रुचिकर एवं समृद्ध बनाने का प्रयत्न किसी ना किसी माध्यम से होता है, उसमें एक है पर्यटन यात्रा। जिससे शिक्षण विधि मजबूत हो और नेटवर्किंग भी बढ़े।

जीतो चैप्टर बेंगलूरु नॉर्थ के अंतर्गत जीतो महिला विंग द्वारा अध्यक्ष बिन्दु रायसोनी के नेतृत्व में लगभग 40 सदस्यों का एक समूह पांच दिवसीय विदेश भ्रमण हेतु थाईलैंड की ओर प्रस्थान किया। नए लोग, नई संस्कृतियाँ, नए स्थान, जीवन के नए तरीके, नई भाषाएं, नई वास्तविकताएं और भी बहुत कुछ जानने की जिज्ञासा और अपने क्षितिज का विस्तार करने के लिए पर्यटन यात्रा एक सुखद अनुभव है। अध्यक्ष बिन्दु रायसोनी ने बताया कि थाईलैंड की जीवंत संस्कृति के माध्यम से एक अविस्मरणीय यात्रा, ग्रेंड पैलेस, फ्रा केव मंदिर, पन्ना बुद्ध, वाट अरुण के अलावा अन्य आश्चर्यजनक स्थान का दौरा होगा।

साथ ही थाईलैंड जीतो महिला विंग के साथ संगोष्ठी के आयोजन के माध्यम से विचारों जा आदान-प्रदान भी होगा। संयोजिका नीता गादिया एवं सह-संयोजिका संगीता मुथा द्वारा सभी व्यवस्थ-ाओं का कार्य किया गया। दमयंती कटारिया, मीना जैन, कला लुणावत, मधु दुधेड़िया का विशेष सहयोग रहा। जीतो चैप्टर बेंगलूरु नॉर्थ के अध्यक्ष इंदरचंद बोहरा, महामंत्री सुधीर गादिया एवं नवमनोनीत अध्यक्ष विमल कटारिया ने सुखद विदेश यात्रा हेतु शुभकामना संप्रेषित की। महामंत्री सुमन वेदमुथा ने कहा कि नये दोस्त और समान विचारधारा वाले यात्रियों से यह यात्रा अविस्मरणीय रहेगी।

नशे के खतरे को रोकने के लिए विशेष टास्क फोर्स का गठन: सीएम

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने चेतावनी दी है कि शहर सहित राज्य भर में बढ़े नशे के खतरे को रोकने के लिए राज्य स्तर पर एक विशेष टास्क फोर्स के गठन के साथ-साथ वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों को जिम्मेदार बनाया जाएगा। गृह कार्यालय कृष्णा में वरिष्ठ मंत्रियों और अधिकारियों के साथ बैठक करने के बाद एक संवाददाता सम्मेलन में बोलते हुए उन्होंने कहा कि सरकार के मुख्य सचिव के नेतृत्व में राज्य स्तर के अधिकारियों की एक समिति और जिला स्तर पर जिला आयुक्तों के नेतृत्व में एक समिति पहले से ही सक्रिय है। इन पर कड़ी निगरानी के लिए गृह मंत्री की अध्यक्षता में एक राज्य स्तरीय टास्क फोर्स का गठन किया जाएगा। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य, उच्च शिक्षा, स्कूल शिक्षा, समाज कल्याण और चिकित्सा शिक्षा मंत्री सदस्य होंगे। आदेश जारी किया जाएगा कि राज्य एवं जिला स्तरीय समितियां हर माह कम से कम एक बार प्रगति समीक्षा बैठक करें। विशेष अदालतें स्थापित की जाएंगी। उन्होंने कहा कि अधिनियमों के तहत कार्रवाई की जाएगी, जिसमें मादक पदार्थों के उपयोग, बिक्री और परिवहन सहित सभी प्रकार के अपराधों के लिए गैर-जमानती मामले शामिल हैं, जिसमें न्यूनतम 10 से अधिकतम आजीवन कारावास की सजा होगी। आवासीय क्षेत्रों में छात्र पुलिसिंग, गैर सरकारी संगठनों और संगठनों में अधिक जागरूकता पैदा की जाएगी। उन्होंने कहा कि नशा पीड़ितों के लिए पुनर्वास केंद्रों को और सशक्त बनाया जाएगा। अवैध रूप से ऐसी दवाएं बेचने वाली दवा दुकानों का लाइसेंस रद्द कर दिया जाएगा। उच्च स्तरीय टास्क फोर्स में स्वास्थ्य विभाग के सचिव शामिल हैं। इसलिए बिना डॉक्टर की सलाह के अवैध गोलियां बेचने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जा रही है। नशीले पदार्थों पर नियंत्रण के लिए पुलिस को खुली छूट दी गई है और जवाबदेही तय की गई है। उन्होंने कहा कि लापरवाही करने वालों के खिलाफ निलंबन और सेवा से बर्खास्तगी सहित सख्त कदम उठाए जाएंगे। बेंगलूरु में सबसे ज्यादा ड्रग्स के मामले दर्ज किए जाते हैं। कुल मामलों में से 50 फीसदी मामले बेंगलूरु में दर्ज किए गए हैं। ऐसी रिपोर्टें हैं कि बेंगलूरु के पूर्वी हिस्से से अधिक दवाओं की आपूर्ति की जा रही है और अधिक नशीली दवाओं के अपराध हो रहे हैं। मादक पदार्थों की बिक्री और सप्लाई समेत सारी जानकारी थानेदारों के पास है। उनकी जानकारी के बिना कोई भी गतिविधि नहीं हो सकती। इसलिए, ड्रग्स के और मामले पाए जाने पर संबंधित थाने के अधिकारियों, डीवाईएसपी, एसीपी, डीसीपी, एसपी को जिम्मेदार बनाने का निर्णय लिया गया है। उड़ीसा, आंध्र प्रदेश, उत्तर प्रदेश जैसे राज्यों से ड्रग्स की तस्करी हो रही है। उन्होंने कहा कि युवा वर्ग को बर्बाद करने वाली नशे की गतिविधियों को पूरी तरह खत्म करने के लिए सख्त कदम उठाए जा रहे हैं, जो समाज के लिए अभिशाप है। पिछली सरकार द्वारा उठाए गए कदम पर्याप्त नहीं हैं। उन्होंने कहा कि यह चिंताजनक है कि यह प्लेग दिन-ब-दिन बढ़ता जा रहा है। इस बारे में स्वास्थ्य विभाग में गठित विशेषज्ञों से भी चर्चा की गई और उन्होंने सुझाव दिया कि नशे के बारे में अधिक जागरूकता पैदा की जानी चाहिए और उन्मूलन के उपाय किए जाने चाहिए। इस अवसर पर गृह मंत्री डॉ. जी. परमेश्वर, स्वास्थ्य मंत्री दिनेश गुंडूराव, मुख्यमंत्री के राजनीतिक सचिव नजीर अहमद, सरकार के मुख्य सचिव डॉ. शालिनी रजनीश, उप मुख्य सचिव एल.के. अतीक, गृह विभाग के सहायक मुख्य सचिव उमाशंकर, डीजीपी आलोक मोहन, बेंगलूरु शहर के पुलिस आयुक्त बी. दयानंद और अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

सड़क दुर्घटना में एक ही परिवार के पांच लोगों की मौत

रामनगर/शुभ लाभ ब्यूरो। जिले के मगदी तालुक के गुडेमरनहल्ली गांव के पास मंगलवार को एक दुखद घटना में एक ही परिवार के पांच सदस्यों की मौत हो गई। हालांकि, कार में परिवार के साथ यात्रा कर रहा एक पालतू कुत्ता दुर्घटना में बच गया। मृतक तुमकुरु जिले के कुनिगल शहर के रहने वाले थे। पुलिस ने बताया कि पीड़ित एक पारिवारिक समारोह में शामिल होने के बाद मंदिर जा रहे थे। चालक ने वाहन पर नियंत्रण खो दिया, जिससे कार सड़क किनारे एक पेड़ से टकरा गई। अधिकारियों ने बताया कि दुर्घटना का कारण तेज गति थी। कार मगदी से बेंगलूरु की ओर जा रही थी। दो पुरुषों और तीन महिलाओं के शव बरामद किए गए और उन्हें नेलमंगला सरकारी अस्पताल भेज दिया गया। दुर्घटना इतनी भयानक थी कि एयरबैग खुलने के बावजूद कार में सवार सभी यात्रियों की मौके पर ही मौत हो गई। पालतू कुत्ते को इलाज के लिए पशु चिकित्सालय ले जाया गया। एक अन्य दुखद घटना में, मंगलवार को कर्नाटक के चामराजनगर जिले के सीमावर्ती शहर गुंडलूपेट के बाहरी इलाके में एक टिपर ट्रक की चपेट में आने से केरल के एक दंपति और उनके बेटे की मौत हो गई। मृतकों की पहचान धनेश, उनकी पत्नी अंजू और उनके बेटे इशान के रूप में हुई है।

प्याज-लहसुन के बढ़े दाम से गरीब और मध्यम वर्ग प्रभावित

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

आवश्यक वस्तुओं की कीमतों में वृद्धि के कारण गरीब और मध्यम वर्ग का जीवन दिन-ब-दिन महंगा होता जा रहा है। इस बीच प्याज की कीमत भी बढ़ती जा रही है और उपभोक्ताओं की आंखों में पानी आ रहा है। उत्तर कर्नाटक के कई हिस्सों में, जहां प्याज बड़े पैमाने पर उगाया जाता है, अत्यधिक बारिश के कारण पूरी फसल नष्ट हो गई है और दूसरी ओर, नमी में रखे प्याज सड़ रहे हैं। इसलिए उत्पादन स्थिर है और मांग बढ़ने के कारण कीमत दिन-ब-दिन बढ़ती जा रही है। कुछ महीने पहले प्याज 100 रुपये में खुदरा बेचा जा रहा था। अब यह 60 से 70 रुपये प्रति किलो बिक रहा है। उत्तर कर्नाटक के बेल्लारी, रायचूर, बेलगावी, हुब्बल्ली, धारवाड़ हिस्सों में ज्यादातर प्याज की फसल उगाई जाती है। लेकिन अधिक वर्षा के कारण फसल नष्ट हो गई है और उत्पादन में भारी गिरावट आई है। इस पृष्ठभूमि में बाजार में निर्धारित मात्रा में माल नहीं आ रहा है। आपूर्ति भी कम है और प्याज पड़ोसी महाराष्ट्र और पुणे से आयात किया जा रहा है। व्यापारियों ने कहा कि पितृपक्ष और दशहरा नजदीक आने के कारण प्याज के और महंगा होने की संभावना है। प्याज और लहसुन एक मिश्रण की तरह हैं और दोनों ही पाचन के लिए महत्वपूर्ण हैं। इनमें से किसी के बिना, खाना पकाने का स्वाद अच्छा नहीं लगेगा। इस बीच लहसुन भी 400 रुपये प्रति किलो पहुंच गया है। उत्तरी कर्नाटक में बारिश बढ़ने से फसल पिछड़ गई है और मैदानी इलाकों में बारिश न होने से बाजार में दाम बढ़ गए हैं।

शिवमोग्गा दरगाह के पास फ्री फिलिस्तीन का बैनर

भाजपा नेता ने की कार्रवाई की मांग

शिवमोग्गा/शुभ लाभ ब्यूरो।

कर्नाटक के पूर्व गृह मंत्री और वरिष्ठ भाजपा नेता अरगा ज्ञानेंद्र ने बुधवार को शिवमोग्गा जिले के हनागेरे कट्टे गांव में एक दरगाह के पास फ्री फिलिस्तीन बैनर लगाए जाने के मामले में सत्तारूढ़ कांग्रेस से कार्रवाई की मांग की। अरगा ज्ञानेंद्र ने क्षेत्र की संवेदनशीलता को देखते हुए मामले की राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) से जांच कराने की भी मांग की।

मेंगलूरु कुकर विस्फोट मामले और बेंगलूरु कैफे विस्फोट मामले में शामिल आरोपी हनागेरे कट्टे के नजदीक स्थित थिथाहल्ली के रहने वाले थे। अरगा ज्ञानेंद्र ने शिवमोग्गा एसपी जी.के. मिथुन कुमार को पत्र लिखकर घटना की निंदा की और बैनर लगाने के लिए जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कार्रवाई करने का आग्रह किया। अधिकारियों ने मंगलवार को बैनर हटा दिया, जिसे ईद मिलाद समारोह के दौरान लगाया गया था। इलाके में सुरक्षा कड़ी कर दी गई है। सोमवार को ईद मिलाद के दौरान दरगाह के पास कई बैनर लगाए गए, जिनमें फ्री फिलिस्तीन पोस्टर भी शामिल था, जिससे हिंदू संगठनों में आक्रोश फैल गया।

पत्र में, अरगा ज्ञानेंद्र ने कहा हनागेरे कट्टे एक ऐसा स्थान है जो हिंदू-मुस्लिम भाईचारे का प्रतीक है। दरगाह और भूतप्पा मंदिर एक ही परिसर में स्थित हैं। हिंदू और मुस्लिम दोनों समुदायों के हजारों भक्त रोजाना इस पवित्र स्थान पर आते हैं। यह एक तीर्थस्थल है। उन्होंने आगे दावा किया कि ईद मिलाद त्योहार के दौरान उपद्रवियों ने फिलिस्तीन समर्थक बैनर लगाए थे। उन्होंने यह भी बताया कि पास का तीर्थहल्ली, मेंगलूरु में कुकर विस्फोट की घटना और आईटी कॉरिडोर, बेंगलूरु के व्हाइटफील्ड में रामेश्वरम कैफे विस्फोट जैसी विध्वंसक गतिविधियों से जुड़ा हुआ है।

उन्होंने मांग की फ्री फिलिस्तीन बैनर लगाने वाले उपद्रवियों की पृष्ठभूमि क्या है? उन्हें कौन समर्थन दे रहा है? जांच गहन होनी चाहिए। इस मामले को राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) को सौंप दिया जाना चाहिए। कर्नाटक में ईद मिलाद त्योहार के दौरान फिलिस्तीन समर्थक पोस्टर और मुख्य सड़कों पर फिलिस्तीनी झंडे लहराने की कई घटनाएं सामने आईं। पुलिस ने कार्रवाई की है और इसमें शामिल लोगों के खिलाफ मामले दर्ज किए हैं।

कुर्सी बरकरार रखने के लिए सीएम कर रहे ड्रामा: विजयेंद्र

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष और विधायक बी.वाई.विजयेंद्र ने कहा कि मुख्यमंत्री ने कुर्सी बरकरार रखने और राष्ट्रीय कांग्रेस पार्टी (एआईसीसी) के अध्यक्ष को लुभाने के लिए कल्याण कर्नाटक में कैबिनेट बैठक की, जबकि उनकी कुर्सी हिल रही थी। कलबुर्गी में मीडिया प्रतिनिधियों से बात करते हुए उन्होंने कहा कि मंगलवार की कैबिनेट बैठक के बाद मुख्यमंत्री ने कहा है कि विकास के लिए 1100 करोड़ का पैकेज देंगे।

उन्होंने आलोचना करते हुए कहा कि इसमें कुछ भी नया नहीं है। एक साल पहले भी उन्होंने यही बात कही थी। हालांकि उन्होंने आपत्ति जताई कि कोई फायदा नहीं हुआ। इससे पहले जब येदियुरप्पा मुख्यमंत्री थे तो उन्होंने कल्याण कर्नाटक के विकास के लिए 1500 करोड़ रुपये दिये थे। बाद में बसवराज बोम्मई की सरकार ने बजट में 3 हजार करोड़ और 5 हजार करोड़ के अनुदान की घोषणा की। उन्होंने आलोचना की कि सिद्धरामैया ने मंगलवार को भी यही बात दोहराई लेकिन कोई नया विचार नहीं कहा। लोग चर्चा कर रहे हैं कि क्या मुख्यमंत्री राज्य के मुख्यमंत्री हैं या सिर्फ बेंगलूरु, मैसूरु के सीएम हैं।

मुख्यमंत्री, उपमुख्यमंत्री या कोई भी मंत्री आज कल्याण कर्नाटक की ओर दौरा नहीं कर रहे हैं। यह नहीं सोच रहा कि क्या विकसित करना है।

अनुदान नहीं दिया जा रहा है। उन्होंने आपत्ति जताते हुए कहा कि वह सिर्फ चुनाव आने पर भाषण देने तक ही सीमित रहते हैं। उन्होंने कहा कि हाल ही में नागमंगला की घटना, देशद्रोहियों का उत्पात, पांडवपुर में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के कार्यालय पर पुलिस का छापा, दावणगेरे की घटना, बेंगलूरु के रामेश्वरम कैफे में बम विस्फोट, यह सब देखने के बाद सभी को लग रहा कि कांग्रेस सरकार आने के बाद देशद्रोही गतिविधियों को और अधिक बल मिल रहा है। कांग्रेस पार्टी खुद आग लगाने का काम कर रही है। नागमंगला में कुछ अल्पसंख्यक गुंडों ने हिंदू दुकानों में घुसकर पुलिस पर आगजनी की, इसका जिम्मेदार कौन था? गृह मंत्री का कहना है कि यह छोटी घटना है। उन्होंने सवाल के जवाब में कहा कि राज्य सरकार के आचरण के पीछे कानून-व्यवस्था बिगाड़ने की मंशा है। वाल्मीकि निगम घोटाले से जुड़े पदयात्रा को लेकर पूछे गए सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि दिल्ली में हर चीज पर चर्चा हो रही है। हमारा लक्ष्य राज्य में सदस्यता अभियान को सफल बनाना है। इसमें तेजी लाना अभी बाकी है। उन्होंने बताया कि अगले डेढ़ महीने तक हमारे कार्यकर्ता पूरी ताकत से सदस्यता अभियान में जुट जायेंगे।

रूट परमिट का उल्लंघन करने वाली बसों पर हुई कार्रवाई

उडुपी/शुभ लाभ ब्यूरो।

आरटीओ अधिकारियों, उडुपी नगर पालिका और उडुपी यातायात पुलिस ने एक संयुक्त अभियान में अपने निर्धारित मार्ग परमिट का उल्लंघन करने वाली बसों पर कार्रवाई की। बुधवार सुबह अंबागिलु जंक्शन पर चलाए गए इस अभियान का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना था कि गुंडीबैलु-कालसांका मार्ग पर बसें अपने परमिट के अनुसार चलें। अधिकारियों ने क्षेत्र से गुजरने वाली हर बस की जांच की और ड्राइवरों और कंडक्टरों को उनके निर्धारित मार्गों का पालन करने का निर्देश दिया। बसों पर निर्धारित मार्गों को दर्शाने वाले स्टिकर भी चिपकाए गए। गुंडीबैलु-कालसांका मार्ग के लिए परमिट वाली कई निजी बसें इसके बजाय अंबागिलु जंक्शन-पुराने तालुक कार्यालय मार्ग पर चलती पाई गईं। संथेकट्टे, कुंदापुर और आसपास के क्षेत्रों से आने वाली बसें कम यात्रियों के कारण अपने निर्धारित मार्ग से नहीं जा रही थीं। आरटीओ और जिला प्रशासन की कई चेतावनियों के बावजूद, बस ऑपरेटरों ने अब तक रूट परमिट दिशानिर्देशों को गंभीरता से नहीं लिया है।

ट्रैक्टर और ट्रॉली के बीच फंसकर व्यक्ति की मौत

बेलगावी/शुभ लाभ ब्यूरो।

बेलगावी में पाटिल गली में गणेश प्रतिमा विसर्जन जुलूस के दौरान एक व्यक्ति की मौत हो गई और एक अन्य घायल हो गया। मृतक की पहचान सदानंद चव्हाण-पाटिल (48) के रूप में हुई है और वह पाटिल गली का निवासी था। जुलूस के दौरान वह ट्रॉली और ट्रैक्टर के बीच फंस गया था और दबकर उसकी मौत हो गई। घायल विजय राजगोल को गंभीर चोटें आईं और पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है।

बेलगावी में युवकों पर चाकू से हमला, तीन गिरफ्तार

बेलगावी/शुभ लाभ ब्यूरो।

गणेश विसर्जन जुलूस में भाग लेने वाले तीन युवकों पर चाकू से हमला किए जाने के बाद बुधवार को बेलगावी शहर में तनाव व्याप्त हो गया। अधिकारियों ने बताया कि तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया है और दो अन्य की तलाश जारी है। सूत्रों ने बताया कि जुलूस के बाद जब पीड़ित लौट रहे थे, तो बुधवार तड़के रानी चन्नम्मा सर्किल के पास उनका पीछा किया गया और चाकू घोंप दिया गया। जब आरोपी दोपहिया वाहनों पर भाग रहे थे, तो लोगों ने हमलावरों के बारे में पुलिस को सूचना दी। स्थानीय लोगों ने ही पुलिस को हमलावरों के भागने की दिशा के बारे में जानकारी दी। आरोपियों का पीछा किया गया और आखिरकार पुलिस ने विश्वेश्वरैया नगर के पास उन्हें गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने बताया कि मामले के सिलसिले में तीन लोगों को गिरफ्तार किया गया है और दो अन्य की तलाश शुरू की गई है। पुलिस के अनुसार, घटना में दर्शन पाटिल, सतीश पुजारी और प्रवीण गुंडियागोला गंभीर रूप से घायल हो गए। आरोपियों ने तीनों युवकों के पेट में चाकू घोंप दिया और भाग गए। घायल युवकों को बेलगावी जिला अस्पताल ले जाया गया। प्रारंभिक रिपोर्टों के अनुसार, गणपति विसर्जन जुलूस में भाग लेने वाले तीन युवकों पर डीजे संगीत पर नाचते समय अचानक हमला किया गया। यह घटना एपीएमसी पुलिस स्टेशन के अधिकार क्षेत्र में हुई, जिससे शहर में तनाव बढ़ गया। हालांकि, बाद में बेलगावी पुलिस आयुक्त इदा मार्टिन मार्बनियांग ने स्पष्ट किया कि यह हमला जुलूस के समापन के बाद हुआ था। मार्बनियांग ने कहा घटना रानी चन्नम्मा सर्कल में हुई। यह जुलूस के दौरान नहीं हुई। झगड़ा हुआ था और पुलिस ने घटना में शामिल लोगों को शांत करके उन्हें भेज दिया। उन्होंने कहा कि पुलिस ने कुल पांच में से तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार किए गए लोगों की पहचान कुरी, महेशा और विजया के रूप में हुई है। पुलिस द्वारा एकत्र की गई जानकारी के अनुसार, पीड़ित और आरोपी दोनों एक-दूसरे के खिलाफ रंजिश रखते थे और पुरानी प्रतिद्वंद्विता थी। मार्बनियांग ने कहा कि गणेश विसर्जन जुलूस के दौरान नाचते समय उनके बीच झगड़ा हुआ था, क्योंकि वे यह दावा करते हुए झगड़ने लगे थे कि उनके हाथ छू गए थे। उन्होंने कहा कि तीन लोगों को मामूली चोटें आईं और उन्हें फिलहाल केएलई अस्पताल में भर्ती कराया गया है। मामले को एपीएमसी पुलिस स्टेशन से बेलगावी शहर के काडे बाजार पुलिस स्टेशन में स्थानांतरित कर दिया गया है।

कांग्रेस सरकार के आने के बाद से

आम लोगों पर करों का डाला गया बोझ : सप्तगिरी गौड़ा

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। भाजपा बेंगलूरु सेंट्रल डिस्ट्रिक्ट के अध्यक्ष सप्तगिरीगौड़ा ने बेंगलूरु में करों में भारी बढ़ोतरी को लेकर मंत्री के कोर्ट जाने की आलोचना की। मल्लेश्वरम में भाजपा प्रदेश कार्यालय जगन्नाथ भवन में मीडिया प्रतिनिधियों से बात करते हुए उन्होंने कहा कि जिस दिन से कर्नाटक में कांग्रेस सरकार सत्ता में आई है, आम लोगों पर करों का बोझ डाला गया है। उन्होंने बताया कि हम अपनी पार्टी के माध्यम से लगभग प्रतिदिन विरोध प्रदर्शन और संघर्ष कर रहे हैं और

जन जागरूकता पैदा कर रहे हैं। राज्य के स्वास्थ्य मंत्री और उनकी पत्नी ने टैक्स बढ़ोतरी को आईना दिखाने के लिए कोर्ट में रिट याचिका दायर की है। मैंने मीडिया के माध्यम से इस पर ध्यान दिया। उन्होंने अपनी बिल्डिंग का नक्शा बदलने के लिए बीबीएमपी से संपर्क किया है। उन्होंने कहा कि उन्होंने इस बारे में पढ़ा है कि इस टैक्स को चुकाने के लिए करीब 45 से 50 लाख रुपये का नोटिस जारी होने के बाद वह कोर्ट गए थे। उन्होंने पूछा कि अगर स्वास्थ्य मंत्री के साथ ऐसा होगा तो आम लोगों का क्या हाल होगा। उपमुख्यमंत्री ने बेंगलूरु ब्रांड बनाने की योजना बनाई है, जिसके मद्देनजर बार-बार कर बढ़ोतरी की गई है।

उन्होंने आपत्ति जताई कि ऐसी स्थिति है कि सड़कों के गड्ढे बंद नहीं किए जा सकते। उन्होंने शिकायत की कि गड्ढे बंद करने की समय सीमा आगे बढ़ती जा रही है, लेकिन काम नहीं हो रहा है। गांधीनगर के चिकपेट और बलेपेट जैसी जगहों पर सड़क कहां है, यह पता लगाने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि केवल मुख्य सड़क के गड्ढे बंद किये गये हैं। छोटी सड़कें बदहाल हैं। सप्तगिरीगौड़ा ने बताया कि मंत्री कर वृद्धि के लिए एक उदाहरण हैं। एक सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि सहायता के लिए कोई अधिकारी उपलब्ध नहीं हैं। अगर वे नगर निगम चुनाव कराते तो आम लोगों को पार्षद के पास जाने और अधिकारियों के पास जाने की छूट होती। आम लोग काफी मुश्किल स्थिति में हैं।

भाषाओं का अनुवाद संभव, भावनाओं का नहीं

गदग/शुभ लाभ ब्यूरो। श्री राजस्थान जैन श्वेताम्बर मूर्ति पूजक संघ के तत्वावधान में स्टेशन मार्ग पर स्थित पार्श्वनाथ जैन मंदिर के प्रांगण में बुधवार को पूर्णिमा के उपलक्ष्य में महावीर गौशाला के मूक प्राणियों के लिए खाद्य सामग्री एकत्र कर गौशाला में दी गई। संघ के समिति सदस्य विनोद फोलामुथा ने कहा कि अपने व्यक्तिगत हित की परवाह किए बिना दूसरों की भलाई के लिए कार्य करना ही परोपकार है। परोपकार के लिए त्याग की भावना का होना बहुत आवश्यक है। दूसरों का उपकार करने से बड़ा कोई धर्म नहीं है तथा दूसरों को पीड़ा देने से बढ़कर कोई पाप नहीं है। संघ के दिलीप ओस्तवाल ने बताया कि गदग में पिछले कई

सालों से सेवा का कार्य चल रहा है, जिसमें पूर्णिमा के दिन घर घर से लोग गौशाला के लिए रोटी, केले, गुड़ समेत कई खाद्य सामग्री लाते है। संघ के चातुर्मास भोजन शाला समिति के सदस्य अशोक फोलामुथा और सुरेश बोरा ने सहयोग देने वालों का आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर विनोद फोलामुथा, दिलीप ओस्तवाल, सुरेश बाफना, उमेश बाफना, संगीता संघवी, प्रिती लुंकड़, रेखा भंसाली, पिंकी ओस्तवाल, शोभा बाफना, सीमा खिवेंसरा, मंजु भंडारी, रेखा बाफना, पदमा बाफना, मंजू संकलेचा समेत कई सदस्य उपस्थित थे।

सामूहिक क्षमायाचना एवं तप अभिनंदन समारोह आयोजित

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। राजाजीनगर तेरापंथ सभा भवन में सामूहिक क्षमायाचना एवं तप अभिनंदन समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत भिक्षु श्रद्धा स्वर टीम के मंगलाचरण से हुई। अध्यक्ष अशोक चौधरी ने पधारे हुए श्रावक समाज का स्वागत करते हुए क्षमा याचना की। सभा द्वारा तेरापंथ भवन राजाजीनगर में संचालित ज्ञानशाला, गुरु इंगित शनिवार की सामायिक, अमावस की सामायिक, प्रेक्षा ध्यान, योग कक्षाएं एवं विभिन्न आध्यात्मिक गतिविधियों की श्रावक समाज को जानकारी प्रदान करते हुए कार्यक्रमों में सहयोग प्रदान करने का आह्वान किया। क्षमा याचना के अगले क्रम में महिला मंडल की अध्यक्ष उषा चौधरी ने भी सभी संघीय संस्थाओं एवं श्रावक समाज से क्षमायाचना की। तेयूप अध्यक्ष कमलेश चौरडिया ने भी क्षमायाचना के पर्व पर सभा परिवार, महिला मंडल परिवार एवं श्रावक समाज से क्षमा याचना करते हुए गत वर्ष के कार्यकाल के लिए अभातेयुप द्वारा सम्मानित पुरस्कार एवं तेयूप की गतिविधियों की जानकारी दी। परामर्शक जुगराज श्रीश्रीमाल ने सभी से क्षमा याचना करते हुए श्रावक समाज से आह्वान किया कि अपने परिवार के बच्चों को ज्ञानशाला से जोड़कर बच्चों में संस्कारों का निर्माण करें।

तेरापंथ नेटवर्क ऐप विभाग के संयोजक महावीर मेहता ने तेरापंथ नेटवर्क ऐप एवं तेरापंथ कार्ड के बारे में जानकारी दी। समारोह के द्वितीय चरण में युवा गौरव विमल कटारिया का राजाजीनगर सभा ट्रस्ट द्वारा सम्मान किया गया। सहमंत्री सतीश पोरवाड ने विमल कटारिया का परिचय दिया। मदरिया जैन ओसवाल संघ के अध्यक्ष ललित मांडोत, गुरु दर्शनार्थ संघ के मुख्य प्रायोजक भेरुलाल, सुनील कुमार, भरत कुमार बाफना, उपासक महेंद्र दक, राजमल बोहरा, मंजू गन्ना, नये ट्रस्टी, ज्ञानशाला प्रशिक्षिका एवं तपस्वियों का सम्मान किया गया। कार्यक्रम में सुखलाल पितलिया, ललित मंडोत, शांतिलाल पितलिया, जुगराज श्रीश्रीमाल, सभा के संस्थापक अध्यक्ष भेरुलाल बाफना, तेयूप के संस्थापक अध्यक्ष सुनील बाफना एवं श्रावक समाज की अच्छी उपस्थिति रही।

नागमंगला में कोई पाकिस्तान जिंदाबाद का नारा नहीं लगा: गृह मंत्री परमेश्वर

नशीले पदार्थों पर नियंत्रण किया

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। गृह मंत्री डॉ. जी परमेश्वर ने कहा कि मांड्या जिले के नागमंगला में पाकिस्तान जिंदाबाद का कोई नारा नहीं लगाया गया और कोई मामला हमारे संज्ञान में नहीं आया है। पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा कि लगता है कि नेता प्रतिपक्ष आर अशोक को गलत जानकारी मिली है। नागमंगला दंगों के दौरान पाकिस्तान समर्थक नारे लगाए जाने के बारे में हमें कोई जानकारी नहीं है। हमारे अधिकारी कह रहे हैं कि कुछ लोगों ने इस बारे में गलत बयान दिया है। उन्होंने स्पष्ट किया कि इसकी दोबारा जांच की जा रही है। विधायक मुनिरत्ना को अचानक गिरफ्तार नहीं किया गया। उनके खिलाफ शिकायत दर्ज कराई गई थी। उन्होंने इसके लिए एक सप्लीमेंट्री वीडियो भी दिया। उसी के आधार पर

गिरफ्तार किया गया। आवाज का नमूना पहले ही एकत्र कर एफएसएल जांच के लिए भेज दिया गया है। उन्होंने कहा कि रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। पिछले डेढ़ साल में हमने प्रदेश में नशे के कारोबार पर पूरी तरह से नियंत्रण पा लिया है। पिछले वर्षों की तुलना में मामलों की संख्या में कमी आई है। हमने नशीली दवाओं के व्यापार को दबाने के लिए बहुत प्रयास किये हैं। उन्होंने कहा कि हम मेडिकल दुकानों में मिलने वाली दर्द निवारक गोलियों से परेशान हैं। दर्द निवारक गोलियाँ विभिन्न कंपनियों द्वारा निर्मित की जाती हैं। वे अब आसानी से उपलब्ध हैं। उन्होंने कहा कि इस पर कैसे नियंत्रण किया जाए इस पर चर्चा के लिए मुख्यमंत्री ने बैठक बुलाई थी। दर्द निवारक दवाओं का विपणन दवा के रूप में किया जाता है। डॉक्टर का प्रिस्क्रिप्शन प्राप्त करना आसान है। इसके लिए अलग कानून है। उन्होंने कहा कि इस बात पर चर्चा की जाएगी कि ड्रग कंट्रोलर को इस बारे में कैसे बताया जाए। हमने प्रदेश में गांजा सहित अन्य नशीले पदार्थों पर नियंत्रण किया है। मामलों की संख्या बहुत कम है। हमने हर तरह के नियंत्रण के लिए जरूरी कदम उठाए हैं। उन्होंने कहा कि हम लगभग मामलों में सफल रहे हैं। पीएसआई परीक्षा 22 सितंबर से 28 सितंबर तक के लिए स्थगित कर दी गई थी। जैसे ही जानकारी मिली कि यूपीएससी अंग्रेजी की परीक्षा भी 28 सितंबर को है तो उस दिन को स्थगित कर 3 सितंबर कर दिया गया। उन्होंने कहा कि कर्नाटक परीक्षा प्राधिकरण ने 3 अगस्त को आधिकारिक तौर पर परीक्षा कार्यक्रम की घोषणा कर दी है। तीन जिलों में फिलिस्तीनी झंडे लहराते देखे गए। इन मामलों में सभी को गिरफ्तार कर लिया गया है। गिरफ्तार व्यक्ति से पूछताछ की जा रही है कि तुम्हें किसने उकसाया और झंडा फहराने को कहा।

नागमंगला मामले में जांच से पहले क्लीन चिट दिए जाने के आरोप पर टिप्पणी करते हुए उन्होंने कहा कि भाजपा इसे बड़ा मुद्दा बनाने के लिए बयानबाजी कर रही है। हमने कानून के मुताबिक सभी जरूरी कदम बिना किसी हिचकिचाहट के उठाए हैं। आगे की जांच में जो सामने आएगा उसके आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। मैं सौ बार कहूंगा कि हम बिना किसी हिचकिचाहट के कार्रवाई करेंगे। नागमंगला मुद्दे पर एक-एक कर भाजपा नेता बयान दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा ने अपना एक डिजाइन बनाया है। पिछले साल गणेश उत्सव के दौरान छोटी-मोटी घटनाओं को छोड़कर सांप्रदायिक झगड़े जैसी कोई घटना नहीं हुई थी। हमने इस साल भी एहतियाती कदम उठाए हैं। हम पहले ही कह चुके हैं कि हम कोई अप्रिय घटना नहीं होने देंगे। भाजपा हर बात को तोड़-मरोड़ कर पेश कर रही है। उन्होंने कहा कि राज्य की जनता यह सब करीब से देख रही है।

रक्तदान शिविर का आयोजन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। अखिल भारतीय तेरापंथ युवक परिषद के निर्देशानुसार तेरापंथ युवक परिषद राजाजीनगर के तत्वावधान में राउंड ईयर ह्यूमैनिटी थीम रक्तदान 2024 के अंतर्गत और अभातेयुप के गौरवशाली 60वें स्थापना दिवस के उपलक्ष में शहर के चार मेट्रो स्टेशन राजाजीनगर, महालक्ष्मी लेआउट, श्रीरामपुरम और मलेश्वरम मंत्री स्क्वायर मेट्रो स्टेशन में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। रक्तदान शिविर की शुरुआत सामूहिक नमस्कार महामंत्र के उच्चारण से हुई। प्रोजेक्ट डायरेक्टर केएसएपीएस आईएएस नागराज और ब्लड सेफ्टी डिप्टी डायरेक्टर डॉक्टर शकीला ने मेट्रो मंत्री स्क्वायर में पधारकर अवलोकन किया।

ब्लड बैंक के सहयोग से कुल 84 यूनिट रक्त का संग्रह हुआ। ब्लड बैंकों ने परिषद परिवार को सम्मानित करते हुए धन्यवाद व्यक्त किया। तेयुप राजाजीनगर अध्यक्ष कमलेश चौरड़िया ने सभी रक्त दानदाताओं का धन्यवाद ज्ञापित किया।

शिविर को सुव्यवस्थित आयोजन करने में निवर्तमान अध्यक्ष कमलेश गन्ना, प्रबंध मंडल, तेयुप कार्यकारिणी सदस्य एवं किशोर मंडल सदस्य का अथक श्रम नियोजित हुआ।

भव्य धम्म जागरण का आयोजन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। आचार्य श्री भिक्षु के 222वें महाप्रयाण दिवस भिक्षु चरमोत्सव के उपलक्ष में तेरस की रात्रि को श्री जैन श्वेतांबर तेरापंथ सभा ट्रस्ट राजाजीनगर द्वारा भव्य धम्म जागरण का आयोजन राजाजीनगर तेरापंथ भवन में किया गया। भव्य धम्म जागरण की शुरुआत नमस्कार महामंत्र से हुई। तेयुप राजाजीनगर द्वारा संचालित भिक्षु श्रद्धा स्वर से संजय मांडोत, अनिमेष चौधरी, विजयनगर से मधुर गायिका निधि चावत, सभा अध्यक्ष अशोकचौधरी ने अपने सुमधुर भिक्षु भजनों से वातावरण को भक्तिमय बनाते हुए अपने आराध्य भिक्षु स्वामी के प्रति भावांजलि व्यक्त की। तेयुप राजाजीनगर अध्यक्ष कमलेश चौरड़िया ने अपने आराध्य भिक्षु स्वामी के प्रति भावांजलि व्यक्त करते हुए सभी का स्वागत किया। सभा परिवार से तेरापंथ सभा अशोक चौधरी, मंत्री चंद्रेश मांडोत द्वारा गायक संजय मांडोत, निधि चावत का सम्मान किया गया। आभार तेयुप मंत्री जयंतीलाल गांधी ने व्यक्त किया।

विधायक मुनिरथ की जमानत पर आज होगा फैसला

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। बीबीएमपी ठेकेदारों को जातिगत दुर्व्यवहार और जान से मारने की धमकी देने के आरोप में परप्पाना अग्रहारा जेल में बंद राजाराजेश्वरीनगर निर्वाचन क्षेत्र के विधायक मुनिरत्ना की जमानत पर गुरुवार को फैसला होगा। मुनिरत्ना के मामले में दलीलें सुनने वाले बेंगलूरु के 82वें एसीसीएम कोर्ट के न्यायमूर्ति संतोष गजानन भट्ट ने फैसला गुरुवार के लिए सुरक्षित रख लिया। मुनिरत्ना की भविष्य की रिहाई अदालत के फैसले पर तय की जाएगी। इससे पहले विधायक की ओर से वरिष्ठ वकील अशोक हरनहल्ली और सरकार की ओर से विशेष लोक अभियोजक (एसपीपी) प्रदीप ने मजबूत दलील पेश की। मुनिरत्ना के पक्ष में दलील देने वाले अशोक हरनहल्ली ने कहा कि पुलिस ने उनके मुवक्किल को न्यूनतम नोटिस दिए बिना ही उन्हें गिरफ्तार कर लिया। आखिरकार, वह देश छोड़ने वाले नहीं थे। यदि उन्हें सुनवाई में शामिल होने का निर्देश दिया गया होता तो वह उपस्थित होते। गिरफ्तारी जल्दबाजी में की गई। इस मामले में अगर यह पाया जाता है कि विधायक के कार्यालय में किसी व्यक्ति को सार्वजनिक रूप से अपमानित किया जा रहा है, जानबूझकर अपमानित किया जा रहा है तो जातिगत दुर्व्यवहार का मामला दर्ज किया जा सकता है। उन्होंने न्यायाधीशों के संज्ञान में यह बात लायी कि कार्यालय के अंदर हुई बातचीत के आधार पर मुकदमा दर्ज करना गलत है। चेलुवराजू, जो यहां एक ठेकेदार हैं, ने अपने ग्राहक के साथ हुई मोबाइल बातचीत को रिकॉर्ड किया और सार्वजनिक रूप से साझा किया। इसका मतलब है कि उनकी मंशा इस मामले में विधायकों को फंसाने की है। हम पूछताछ में पूरा सहयोग कर रहे हैं। इसलिए उन्होंने अदालत से जमानत देने का अनुरोध किया। किसी तीसरे पक्ष के सामने दुर्व्यवहार करने पर जातिगत दुर्व्यवहार का मामला दर्ज किया जाना चाहिए। यहां दोनों के बीच सिर्फ बातचीत हुई। इसे एक बड़े विवाद के तौर पर पेश किया जा रहा है। इसलिए उन्होंने तर्क दिया कि वह जमानत के हकदार हैं। सरकार समर्थक अभियोजक प्रदीप ने इस पर कड़ा एतराज जताते हुए कहा कि विधायक का कमरा पब्लिक डोमेन में है। उसने जानबूझ कर अपनी जान को खतरा बताया है। जातिगत दुर्व्यवहार के मामले में धारा 17 के तहत बिना नोटिस दिए सुनवाई में शामिल होने का नोटिस जारी किया जा सकता है। यदि आवश्यक हुआ तो जांचकर्ता गिरफ्तारियां कर सकते हैं। उनका कहना था कि पुलिस की कार्रवाई कानून के मुताबिक हुई है। इस बात की क्या गारंटी है कि मुनिरत्ना के जेल से बाहर आने पर शिकायतकर्ता को दोबारा धमकी नहीं दी जाएगी? गवाह को प्रभावित नहीं किया जाएगा? इसलिए उन्हें किसी भी कारण से जमानत नहीं दी जानी चाहिए। अगर मामले की जांच के दौरान उन्हें जमानत नहीं दी गई तो वे किसी को भी प्रभावित कर सकते हैं।

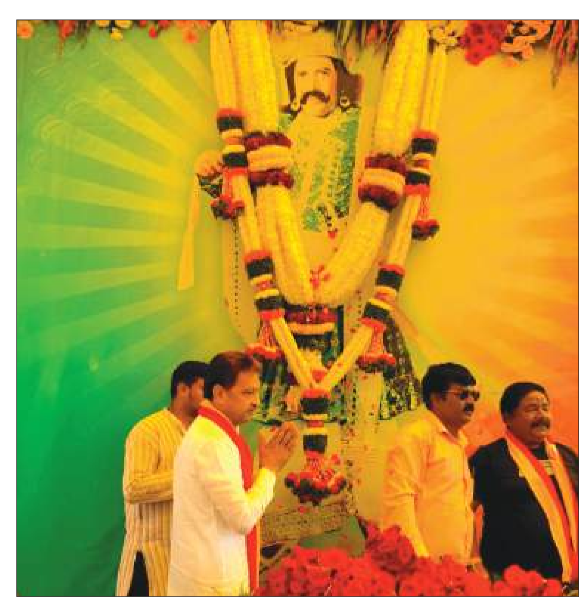

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। *कन्नड़ फिल्मों के प्रसिद्ध अभिनेता विष्णुवर्धन के 74वें जन्मदिवस के उपलक्ष में उत्तराहल्ली रोड स्थित विष्णुवर्धन समाधि पर महेंद्र मुणोत ने उनके चित्र पर पुष्प अर्पित कर कन्नड़ सिनेमा जगत में उनके योगदान को याद किया। साथ ही आयोजित रक्तदान शिविर स्थल पर रक्तदाताओं का आभार व्यक्त किया एवं अन्नदान कार्यक्रम में सेवा दी।*

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। *अखिल भारतीय साधु संघ के पदाधिकारियों ने सामाजिक बुराइयों के उन्मूलन के लिए व्यसन मुक्ति के प्रबल प्रेरक आचार्य श्री रामेश द्वारा प्रतिपादित सामाजिक उत्क्रांति के नियमों के तहत सुजानमल, किशोर कुमार, दीपक कुमार, संकेत कर्नावट परिवार का सम्मान किया। इस मौके पर मीनल कर्नावट जैन, सज्जनराज मेहता, साधुमार्गी संघ के अध्यक्ष सुंदरलाल सिपानी, महावीर चौपड़ा, सुशील बरमेचा और समता युवा संघ तथा समता महिला मंडल की कार्यकारिणी सदस्यगण तथा कर्नावट परिवार के सैंकड़ो शुभचिंतक भी उपस्थित थे।*

अहम सवालों से रूबरू जम्मू कश्मीर

क्या जम्मू कश्मीर में 2014 के परिणाम दोहरा पाएगी भाजपा?

सुरेश एस डुग्गर

जम्मू, 18 सितंबर। दस सालों के उपरांत जम्घ्मू कश्मीर में हो रहे विधानसभा चुनावों में सबसे बड़ा सवाल यह है कि क्या भाजपा 2014 को दोहरा पाएगी जब उसने जम्मू क्षेत्र की 37 सीटों में से 25 सीटें हासिल की थी। यह सवाल इसलिए पैदा हुआ है क्योंकि इस बार पार्टी के लिए चुनावी परिदृश्य 2014 की तरह अनुकूल नहीं है। यह सच है कि अब स्थिति थोड़ी कमजोर नजर आ रही है। 2014 के विपरीत, जब भाजपा का चुनावी मुद्दा तत्कालीन 83 विधानसभा सदन में सरकार बनाने के लिए 44 से अधिक सीटें लाना था, भाजपा ने इस बार ऐसा कोई मुद्दा नहीं उठाया है। हालांकि, भगवा पार्टी को उम्मीद है कि 2014 में उसे मिली 25 सीटों से बेहतर सीटें मिलेंगी, जिससे वह कश्मीर में पीडीपी के साथ गठबंधन सरकार बना सकेगी।

भाजपा इस बार 90 सीटों वाली विधानसभा में बेहतर प्रदर्शन कर सकती है, खासकर पिछले साल हुए परिसीमन के बाद, जिसके कारण माना जाता है कि जम्मू संभाग के हिंदू बहुल क्षेत्रों में वृद्धि हुई है।

अगर भाजपा को 30 या उसके आसपास सीटें मिलती हैं, तो वह न केवल कश्मीर की किसी पार्टी या निर्दलीय के साथ गठबंधन में सरकार बनाने की स्थिति में होगी, बल्कि उसका अपना मुख्यमंत्री भी हो सकता है, जो संभवतः जम्मू कश्मीर का पहला हिंदू मुख्यमंत्री होगा।

लेकिन यदि यह 20 से नीचे चला जाता है, और कांग्रेस अच्छा प्रदर्शन करती है, तो भाजपा के पास विपक्षी दल की स्थिति स्वीकार करने के अलावा कोई विकल्प नहीं होगा। तो शायद चीजें किस तरफ जा रही हैं? यह अभी भी अनिश्चित है। जैसा कि स्थिति है, केंद्र शासित प्रदेश में भाजपा सहित किसी भी पार्टी के पक्ष में कोई स्पष्ट लहर नहीं दिख रही है। अनुच्छेद 370 के निरस्त होने के बाद से राजनीतिक गतिविधि आम तौर पर दब गई है।

भाजपा के अलावा, किसी भी अन्य पार्टी ने अपनी राजनीति को सुरक्षित नहीं पाया है, न ही लोगों को अपनी राय को स्वतंत्र रूप से व्यक्त करने की अनुमति दी गई है। इसका एक भयावह प्रभाव पड़ा है, और जनता की भावनाएं काफी हद तक समझ से परे हैं।

इसने एक जटिल स्थिति पैदा कर दी है। जबकि परिणामी असंतोष केंद्र शासित प्रदेश में भाजपा के खिलाफ जाना चाहिए, विशेष रूप से जम्मू में इसके गढ़ में, पार्टी के अच्छा प्रदर्शन करने की उम्मीद है। यह इस तथ्य के बावजूद है कि अनुच्छेद 370 के हटने के बाद से जम्मू में घटनाओं के मोड़ को लेकर गहरी बेचौनी का अनुभव किया गया है। इस क्षेत्र में नौकरियों, जमीन और पहचान के नुकसान का डर है। वास्तव में, भाजपा के अलावा, जम्मू में कांग्रेस सहित सभी अन्य दलों ने मौजूदा स्थिति से अपनी नाखुशी व्यक्त की है। यह देखना बाकी है कि इस असंतोष का कोई असर भाजपा की संभावनाओं पर पड़ता है या नहीं। फिलहाल, इसने भाजपा और बाकी के बीच एक व्यापक मुकाबला स्थापित कर दिया है। हिंदुत्व पार्टी को न केवल कश्मीर घाटी में गहरे असंतोष से जूझना पड़ रहा है, बल्कि हिंदू बहुल जम्मू में भी कुछ असंतोष है, जो अन्यथा इसका गढ़ है।

क्या यह भाजपा के लिए नुकसानदेह होगा या फायदेमंद? यह इस बात पर निर्भर करता है कि जम्मू में नए अधिवास और भूमि कानूनों के खिलाफ़ लोगों की नाराजगी कितनी गहरी है। अगर नौकरियों और ज़मीन के कथित नुकसान के बारे में शिकायतें राष्ट्रवादी बनाम राष्ट्रविरोधी बहस से ज़्यादा हो जाती हैं, तो भाजपा बड़ी मुश्किल में पड़ सकती है। अगर भगवा पार्टी जम्मू हार जाती है, तो यह उसकी कश्मीर नीति के लिए एक बड़ी सार्वजनिक अस्वीकृति होगी। जो पार्टी इस तथ्य का ढिंढोरा पीटती है कि अनुच्छेद 370 को हटाने को जम्मू-कश्मीर में व्यापक स्वीकृति प्राप्त है, उसके लिए इस दूरगामी कदम को सही ठहराना मुश्किल होगा।

हालांकि, जम्मू में स्थिति जितनी दिखती है, उससे कहीं ज़्यादा जटिल है। अभी तक इस क्षेत्र ने इस बात के पर्याप्त संकेत नहीं दिए हैं कि वह मौजूदा हालात से नाखुश है। सच है, जम्मू में भी अनुच्छेद 370 के बाद की स्थिति को लेकर चिंता देखी जा रही है। लोगों को आशंका है कि उनका क्षेत्र जम्मू-कश्मीर में बसने के लिए योग्य बाहरी लोगों का पहला गंतव्य होगा। लेकिन ये आशंकाए इतनी गहरी नहीं हैं कि लोग सार्वजनिक रूप से विरोध करें। इसके अलावा, जम्मू के मामले में, जनसांख्यिकीय परिवर्तन की आशंकाएँ क्षेत्र के विकास की उम्मीद और उससे भी महत्वपूर्ण रूप से कश्मीर घाटी से राजनीतिक सत्ता के प्रत्याशित बदलाव से कमतर हैं। वास्तव में, मौजूदा व्यवस्था के तहत यह बदलाव पहले ही हो चुका है। और परिसीमन के साथ जम्मू को अधिक विधानसभा सीटें मिलने से, यह भी भविष्य की लोकतांत्रिक सरकार को विरासत में मिलेगा।

इसलिए, लद्दाख के विपरीत, जम्मू में जनसांख्यिकीय परिवर्तन की संभावना और बाहरी लोगों के लिए भूमि के संभावित नुकसान के खिलाफ सड़क पर उतरने की संभावना सबसे कम है। कश्मीर घाटी में, कागजों पर, कांग्रेस-नेकां गठबंधन मजबूत दिखता है और उनके बीच बहुमत वाली सीटें मिलने की संभावना है। लेकिन कई अप्रत्याशित चीजें हो सकती हैं, उनमें से एक इंजीनियर राशिद के रूप में है जो वर्तमान में पूरी वादी में भीड़ खींच रहे हैं। जमात के साथ उनके गठबंधन ने जाहिर तौर पर उन्हें और भी ज़्यादा मज़बूत चुनौती दे दी है। क्या वह वास्तव में कोई महत्वपूर्ण चुनावी जीत हासिल कर पाएंगे, यह अभी भी किसी के लिए भी अनुमान लगाना मुश्किल है।

फिरोजाबाद पटाखा गोदाम धमाके का मुख्य आरोपी भूरे खां गिरफ्तार

धमाके में 5 लोगों की हुई थी मौत

फिरोजाबाद, 18 सितंबर (एजेंसियां)।

फिरोजाबाद में हुए पटाखा गोदाम ब्लास्ट का मुख्य आरोपी भूरे खां को पुलिस ने मुठभेड़ में गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी और उसके दोनों बेटों के खिलाफ फिरोजाबाद के शिकोहाबाद थाने में मुकदमा दर्ज किया है। इस धमाके में कुल पांच लोगों की मौत हो गई थी। सभी मृतकों के परिजनों ने मुआवजे की मांग को लेकर खूब हंगामा किया था। बीते सोमवार को फिरोजाबाद पटाखा गोदाम में ब्लास्ट की घटना हुई थी।

शहर के नौशहरा में आरोपी भूरे खां का पटाखा का गोदाम था। जहां बीते सोमवार की रात गोदाम में विस्फोट हो गया। जब ये धमाका हुआ उस दौरान गोदाम के आसपास के लोग सो रहे थे। हालांकि गोदाम के अगल-बगल के घर जर्जर हो चुके थे। जर्जर होने की वजह से धमाके होने पर कई घर जमींदोज हो गए। इसमें मीरा देवी पत्नी महेश (45), अमन कुशवाहा पुत्र महेश (17), गौतम कुशवाहा (16) पुत्र जगदीश, धर्मेंद्र कुमार का डेढ़ साल का बेटा अभिनव और तीन साल की बेटी इच्छा की मौत हो गई थी। वहीं राकेश (40), विष्णु पुत्र राकेश (22), सोनी कुशवाहा (25) समेत इलाके में रहने वाले करीब एक दर्जन लोग घायल हो गए थे।

पुलिस इसी ब्लास्ट मामले में बीते दो दिनों से आरोपी भूरे खां की तलाश कर रही थी। उसके खिलाफ मुकदमा भी दर्ज कर लिया है। मंगलवार की देर रात पुलिस ने भूरे खां (52) को शहर के ही भूड़ा नहर के पास के मुठभेड़ के दौरान गिरफ्तार किया। पुलिस इस मामले में कई अन्य लोगों के घरों की तलाशी कर चुकी है। वहीं इस दौरान पुलिस ने एक ऐसे घर की कुंडी खोली जहां लगभग 45 पटाखों के कार्टून रखे हुए थे। जहां एक युवक बैठा था। उसको लेकर पुलिस ने युवक को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस के अनुसार भूरे खां को घायल अवस्था में गिरफ्तार किया गया। वहीं उसके पास से अवैध कब्जे का असलहा भी बरामद, कई जिंदा कारतूस बरामद हुए हैं। जिसको पुलिस ने सील कर दिया है। पुलिस की मानें तो बीते कई दो दिनों से उसकी तलाश जारी थी। मंगलवार की रात उसे पुलिस में मुठभेड़ के दौरान गिरफ्तार किया।

आरोपी भूरे खां वैसे तो पेशेवर और लाइसेंसी पटाखा बनाता है। लेकिन वो पटाखा का निर्माण आबादी इलाके में नहीं करता था। लेकिन भूरे खां पर आरोप है कि ताज व राजा उसके दोनों बेटों आबादी वाले क्षेत्र में पटाखा का निर्माण कर रहा था। इसी दौरान धमाका हो गया।

तेजस लड़ाकू बेड़े में पहली महिला फाइटर पायलट बनी मोहना सिंह

जयपुर, 18 सितंबर (एजेंसियां)।

स्क्वाड्रन लीडर मोहना सिंह, भारत की पहली महिला फाइटर पायलटों में से एक जिन्होंने अब एक और बड़ी उपलब्धि हासिल की है। वह अब भारत के मेड इन इंडिया एलसीए तेजस फाइटर जेट के 18 फ्लाइंग बुलेट्स स्क्वाड्रन में शामिल होने वाली पहली महिला फाइटर पायलट बन गई हैं। यह कदम भारतीय वायुसेना में महिलाओं के लिए एक बड़ी सफलता है।

हाल ही में जोधपुर में तरंग शक्ति नामक एक अभ्यास हुआ, जिसमें मोहना सिंह ने तीनों सेनाओं के उप प्रमुखों के साथ उड़ान भरी। इस दौरान उन्होंने सेना और नौसेना के उप प्रमुखों को तेजस जेट में उड़ान भरने से पहले सभी जरूरी निर्देश दिए और उनकी मदद की। मोहना सिंह, भावना कांत और अवनी चतुर्वेदी भारतीय वायुसेना की पहली महिला फाइटर पायलट्स के समूह का हिस्सा थीं। अब मोहना एलसीए तेजस जेट उड़ा रही हैं, जबकि उनकी साथी एसयू-30 एमकेआई लड़ाकू विमान उड़ा रही हैं।

कांग्रेस नेता संदीप दीक्षित ने कही मतलब वाली बात

कोर्ट ने केजरीवाल से कहा आप सीएम के लायक नहीं

नई दिल्ली, 18 सितंबर (एजेंसियां)।

इंडी गठबंधन का घटक दल होने के बाद भी दिल्ली कांग्रेस के नेता लगातार आम आदमी पार्टी पर निशाना साध रहे हैं। अब कांग्रेस पार्टी के वरिष्ठ नेताओं में शामिल पूर्व सांसद संदीप दीक्षित ने अरविंद केजरीवाल पर बड़ा प्रहार किया है। उन्होंने कहा, अरविंद केजरीवाल को तो कोर्ट ने कह दिया था कि आप मुख्यमंत्री बनने लायक नहीं हैं।

कांग्रेस नेता संदीप दीक्षित ने कहा, आतिशी मारलेना को मुख्यमंत्री बनाना तो एक टेंपरेरी अरेंजमेंट है। आतिशी ने तो खुद ही कह दिया है कि हम तो कुछ महीने के लिए हैं, चुनाव होगा और अरविंद केजरीवाल फिर सीएम बन जाएंगे। केजरीवाल के इस्तीफा प्करण पर संदीप दीक्षित ने कहा, अरविंद केजरीवाल को तो कोर्ट ने कह दिया था कि आप मुख्यमंत्री बनने लायक नहीं हैं। कोर्ट ने जमानत देते हुए कहा कि आप मुख्यमंत्री का कोई काम नहीं कर सकते और न दफ्तर जा सकते हैं।

तो उनके लिए तो मजबूरी हो गई थी मुख्यमंत्री बदलना। ये कोई केजरीवाल का त्याग थोड़े ही था। आतिशी के सीएम बनने से कोई फर्क नहीं पड़ेगा। इससे सरकार का कोई कामकाज नहीं बदलेगा। काम का तरीका नहीं बदलेगा। केजरीवाल जो कहेंगे वही होगा। पहले भी केजरीवाल किसी फाइल पर साइन नहीं करते थे। सारे घोटाले, सारी बदमाशियों की फाइलों पर तो इनके मंत्री साइन करते थे। खुद तो मतलब मियां मिट्ठू बने अलग बैठे रहते थे, वही आज भी करेंगे। पहले प्रत्यक्ष रूप से उनके दस्तखत नहीं होते थे, आज अप्रत्यक्ष रूप से उनके दस्तखत नहीं होंगे लेकिन हुकुम, कमांड वही देंगे, जितनी डील होगी, किसको कॉन्ट्रैक्ट मिलना है, कहां पैसा जाना है, वो सारे निर्णय केजरीवाल ही करेंगे।

चरखारी के भाजयुमो नगर अध्यक्ष की हत्या

महोबा, 18 सितंबर (एजेंसियां)।

महोबा के चरखारी-महोबा मार्ग पर सूपा मोड़ के पास कुछ बदमाशों ने बाइक सवार भाजयुमो नगर अध्यक्ष पर हमला कर लूटपाट की। घायल की इलाज के दौरान जिला अस्पताल में मौत हो गई। सिर पर गहरे घाव के निशान मिले। आरोपी चार अंगूठी, चेन, दो मोबाइल और नकदी लूट लग गए। तहरीर के आधार पर अज्ञात बदमाशों के खिलाफ लूट और हत्या का मुकदमा दर्ज किया गया है।

कस्बा चरखारी के मोहल्ला घुसयाना निवासी सचिन पाठक (26) भाजपा युवा मोर्चा में नगर अध्यक्ष व व्यापार मंडल में युवा महामंत्री थे। सोमवार को वह अपने दोस्त मोहित के साथ जनपद झांसी के मऊरानीपुर में चल रहा जलविहार मेला देखने गए थे। वापस लौटने पर उसने साथी मोहित को महोबा में छोड़ा। रात करीब 11 बजे वह चरखारी लौट रहा था।

तभी घटना हो गई। यूपी 112 पुलिस को किसी से सूचना मिली कि एक युवक सूपा-चरखारी मोड़ के पास सड़क किनारे घायल अवस्था में पड़ा है।

सूचना पर पहुंचे पीआरवी कर्मी उसे जिला अस्पताल लाए। जहां इलाज दौरान उसकी मौत हो गई। परिजनों को इसकी सूचना दी गई। मृतक के भाई अनूप पाठक ने आरोप लगाया कि जिस हालत में सचिन मिला, उससे लूटपाट के बाद हत्या किया जाना स्पष्ट हो रहा है। चार अंगुलियों से सोने की अंगूठी, चेन, 11 हजार रुपए व दो मोबाइल भी गायब हैं। सिर पर गहरे घाव और अंगुलियों से अंगूठी निकालने पर खरोंच के निशान हैं।

सूचना मिलते ही प्रभारी मंत्री राकेश कुमार राठौर, सदर विधायक राकेश गोस्वामी, चरखारी विधायक बृजभूषण राजपूत, डीएम मृदुल चौधरी, एसपी पलाश बंसल और अपर एसपी वंदना सिंह पुलिस बल के साथ अस्पताल पहुंचे और घटना की जांच करते हुए शव को पोस्टमार्टम के लिए भिजवाया।

नगर अध्यक्ष की हत्या व लूटपाट की खबर सुनकर भाजपा पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं की पोस्टमार्टम हाउस में भीड़ जुटी रही। अपर पुलिस अधीक्षक वंदना सिंह का कहना है कि पीआरवी को दुर्घटना की सूचना मिली थी। घायल को अस्पताल लाया गया। जहां उसकी मौत हो गई। परिजनों की तहरीर पर मुकदमा दर्ज किया गया है। महोबा के कस्बा चरखारी में एक सप्ताह के अंदर दो व्यापारियों की हत्या से व्यापारियों में आक्रोश है।

भाजपा के नगर अध्यक्ष और व्यापारी सचिन पाठक की लूटपाट के बाद हत्या की घटना के विरोध में मंगलवार को पूरा बाजार बंद रहा। व्यापारियों ने प्रतिष्ठान बंद रख 48 घंटे के अंदर खुलासे की मांग की।

एक सप्ताह पहले कस्बा चरखारी में इलेक्ट्रॉनिक व्यापारी अनिल चौरसिया की गोली मारकर हत्या की गई थी। इस घटना में पुलिस ने गैर इरादतन हत्या का मुकदमा दर्ज किया था। इसके बाद मामला शासन स्तर पर पहुंचा था। सीसीटीवी फुटेज में छह आरोपियों के दिखने पर व्यापारी सभी आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग कर रहे थे। यह मामला अभी शांत नहीं हुआ था कि सोमवार की रात भाजपा नेता व व्यापार मंडल के युवा महामंत्री सचिन की मौत हो गई। परिजनों ने लूटपाट के बाद हत्या का आरोप लगाते हुए मुकदमा दर्ज कराया। इस घटना के विरोध में कस्बा चरखारी का बाजार बंद रहा। व्यापार मंडल के महामंत्री रामबाबू गुप्ता ने चेतावनी दी है कि 48 घंटे के अंदर घटना का खुलासा किया जाए। अन्यथा व्यापारी आंदोलन को विवश होंगे।

फलों, सब्जियों की उपज बढ़ाने की योगी सरकार की नायाब पहल

हाईटेक पौधशालाओं में वाजिब दाम पर मिलेंगे निरोग और गुणवत्ता के पौधे

लखनऊ, 18 सितंबर (एजेंसियां)।

फलों और सब्जियों की उपज बढ़ाने के लिए योगी सरकार ने एक और नायब नायाब पहल की है। इससे न केवल सब्जियों और फलों की उपज बढ़ेगी, बल्कि उनकी गुणवत्ता भी सुधरेगी। इसके लिए योगी सरकार गौतम बुद्ध नगर (नोएडा) और गाजियाबाद को छोड़ बाकी 73 जिलों में हाईटेक नर्सरी (पौधशाला) बनाएगी। संबंधित जिले के कृषि जलवायु क्षेत्र (एग्रो क्लाइमेट जोन) के अनुसार फलों और सब्जी की कौन सी प्रजातियां वहां के अनुकूल हैं, इस बात का पूरा ध्यान रखा जाएगा। जिले के कृषि विज्ञान केंद्र (केवीके) जिन विश्वविद्यालयों से ये केवीके संबद्ध हैं और उद्यान विभाग मिलकर इसका निर्णय लेंगे।

ये पौधशालाएं मनरेगा की मदद से बनेंगी। अब तक ऐसी 36 पौधशालाएं तैयार हो चुकी हैं। शीघ्र ही 16 और पर काम चलेगा। इन हाईटेक पौधशालाओं में पौधे को नियंत्रित तापमान और नमी में तैयार किया जाता है। लिहाजा ये पौधे निरोग होते हैं। ऐसे में इनके रोपण से उपलब्ध सब्जियों और फलों की उपज तो अधिक होती ही है। गुणवत्ता में भी ये बेहतर होती हैं। लिहाजा इनके दाम भी वाजिब मिलते हैं। उत्पाद का सही दाम मिलने से किसानों और बागवानों की आय बढ़ेगी। किसानों और बागवानों के हित में योगी और मोदी सरकार की जो भी योजनाएं चल रहीं हैं उनका अंतिम लक्ष्य भी यही है।

उल्लेखनीय है कि उत्तर प्रदेश की अर्थव्यवस्था मुख्यतः कृषि पर ही आधारित है।

कृषि आधारित अर्थव्यवस्था में फलों और सब्जियों का महत्वपूर्ण स्थान है। वैज्ञानिक स्तर पर यह साबित हो चुका है कि फल और सब्जियां प्रति हेक्टेयर पर स्थानीय स्तर पर अधिक रोजगार के मौके उपलब्ध कराती हैं। प्रसंस्करण को जोड़ दिया जाय तो यह संख्या और अधिक हो जाती है। चूंकि इसमें विटामिन और फाइबर प्रचुर मात्रा में मिलते हैं, इसलिए पोषण सुरक्षा में भी इनका महत्त्वपूर्ण योगदान है। इन सबमें इन हाईटेक पौधशालाओं की महत्त्वपूर्ण भूमिका होगी।

नौ तरह के एग्रो क्लाइमेटिक जोन होने के कारण उत्तर प्रदेश में हर तरह के फलों और सब्जियों की खेती की संभावना है। प्रदेश की कुल भूमि का करीब 77% खेती योग्य है।

खेती योग्य भूमि का करीब 85% सिंचित है। सबसे अधिक आबादी के रूप में श्रम शक्ति और बाजार भी उपलब्ध है। इस सबकी वजह से यहां फलों और सब्जियों की खेती की भरपूर संभावना है। योगी सरकार का कृषि उत्पादों के निर्यात पर भी खासा जोर है। एक्सप्रेस वे का संजाल, जेवर, अयोध्या और कुशीनगर के इंटरनेशनल एयरपोर्ट और प्रयागराज से बाया वाराणसी पश्चिमी बंगाल के हल्दिया तक का देश का इकलौता जलमार्ग इन संभावनाओं को और बढ़ा देता है। भविष्य में योगी सरकार की योजना इस जलमार्ग का विस्तार अयोध्या तक करने की है। सरकार जिस तरह दादरी, गोरखपुर सहित 13 जिलों में कार्गो हब बनाने की तैयारी कर रही है उससे इनके निर्यात की संभावना और बढ़ जाएगी।

मोदी की श्रीनगर रैली के लिए 20 हजार कुर्सियों का होगा इंतजाम

जम्मू, 18 सितंबर (ब्यूरो)।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की कश्मीर में गुरुवार 19 सितंबर को होने वाली रैली के दौरान लोगों की भारी भागीदारी के लिए श्रीनगर के शेर-ए-कश्मीर क्रिकेट स्टेडियम में कुल 20,000 कुर्सियां लगाई जाएंगी। प्रधानमंत्री मोदी की रैली की तैयारियों को अंतिम रूप देने और रैली को सफल बनाने के लिए अन्य तैयारियों की देखरेख के लिए भाजपा के कई वरिष्ठ नेता कश्मीर के लिए रवाना हो गए हैं।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की गुरुवार को होने वाली चुनावी रैली से पहले श्रीनगर में तैयारियां चल रही हैं। केंद्र शासित प्रदेश में तीन चरणों में होने वाले विधानसभा चुनाव का पहला चरण आज आरंभ हो गया है।

पहले चरण में केंद्र शासित प्रदेश की 24 विधानसभा सीटों पर मतदान आरंभ हुआ है। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेता अल्ताफ ठाकुर ने पत्रकारों को बताया कि कल (19 सितंबर) को पीएम मोदी यहां आएंगे और एक सार्वजनिक रैली को संबोधित करेंगे। तैयारियां चल रही हैं। यह बहुत बड़ी रैली होगी और यहां के लोग उन्हें सुनने के लिए उत्साहित हैं। इस साल पीएम का जम्मू-कश्मीर का यह तीसरा दौरा होगा।

पूर्व उपमुख्यमंत्री और भाजपा चुनाव अभियान समिति के अध्यक्ष डॉ. निर्मल सिंह ने बताया कि कश्मीर में 19 सितंबर को होने वाली प्रधानमंत्री मोदी की रैली के लिए सभी तैयारियां लगभग पूरी कर ली गई हैं और हम कार्यक्रम स्थल पर 20,000 कुर्सियां घ्ध्लगाएंगे, ताकि लोग बिना किसी असुविधा के बड़ी संख्या में इसमें भाग ले सकें। सिंह ने कहा कि शेर-ए-कश्मीर क्रिकेट स्टेडियम में 20,000 कुर्सियां लगाने का निर्णय स्टेडियम की क्षमता को ध्यान में रखते हुए लिया गया है।

इलाहाबाद हाईकोर्ट की महत्वपूर्ण टिप्पणी

हिंदू विवाह को अनुबंध की तरह खत्म नहीं किया जा सकता

प्रयागराज, 18 सितंबर (एजेंसियां)। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने महत्वपूर्ण टिप्पणी की है कि हिंदू विवाह को एक अनुबंध की तरह भंग या समाप्त नहीं किया जा सकता। यह टिप्पणी जस्टिस सौमित्र दयाल सिंह और जस्टिस डोनाडी रमेश की खंडपीठ ने की, जिन्होंने एक महिला द्वारा दायर अपील को स्वीकार करते हुए पारिवारिक अदालत के उस फैसले को खारिज कर दिया जिसमें महिला के पति की याचिका पर उनका विवाह भंग कर दिया गया था।

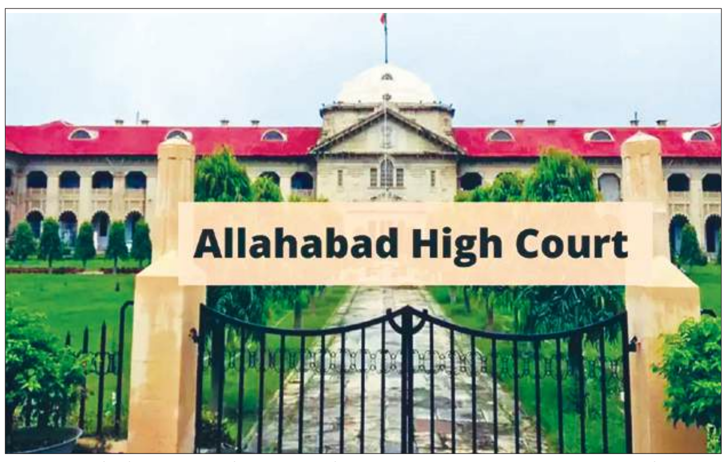

बार एंड बेंच की रिपोर्ट के मुताबिक, हाई कोर्ट ने कहा, हिंदू विवाह को एक अनुबंध की तरह समाप्त या भंग नहीं किया जा सकता। हिंदू विवाह एक धार्मिक संस्कार पर आधारित होता है और इसे केवल कुछ विशेष परिस्थितियों में ही कानूनी रूप से समाप्त किया जा सकता है। अगर किसी पति या पत्नी पर निःसंतान होने का आरोप लगता है, तो उस आरोप को केवल सबूतों के आधार पर ही साबित किया जा सकता है। यह मामला एक दंपति से जुड़ा है जिनका विवाह 2006 में हुआ था। पति, जो भारतीय सेना में कर्मचारी हैं, ने 2007 में पत्नी पर उन्हें छोड़ने का आरोप लगाते हुए 2008 में तलाक के लिए याचिका दायर की। पति ने यह भी दावा किया कि उनकी पत्नी निःसंतान (बांझ) हैं, जिसके आधार पर उन्होंने तलाक की मांग की।

इस मामले में शुरुआत में, 2008 में पत्नी ने अपने पहले लिखित बयान में तलाक के लिए सहमति दी थी। हालांकि, बाद में 2010 में पत्नी ने दूसरा लिखित बयान दायर कर तलाक का विरोध किया और पति के बांझपन के आरोप को गलत साबित करने के लिए दस्तावेज पेश किए। उन्होंने यह भी बताया कि 2008 में, जब तलाक की याचिका दायर की गई थी, तब वह पहले ही एक बच्चे को जन्म दे चुकी थीं और 2010 में दूसरा बच्चा भी हुआ था। 2011 में, पति ने पत्नी द्वारा दूसरा लिखित बयान दायर करने पर आपत्ति जताई। पारिवारिक अदालत ने पति की आपत्ति को स्वीकार किया और पत्नी के दूसरे लिखित बयान को नजरअंदाज कर दिया। उसी दिन, अदालत ने मामले की सुनवाई की और पति की तलाक की याचिका को मंजूरी दे दी। पत्नी ने इस फैसले को हाईकोर्ट में चुनौती दी थी।

इलाहाबाद हाईकोर्ट ने पारिवारिक अदालत के फैसले को खारिज कर दिया, यह पाया कि पारिवारिक अदालत ने मामले की समग्रता से समीक्षा नहीं की थी। हाईकोर्ट ने कहा कि हालांकि एक दूसरा लिखित बयान दायर करने पर कुछ सीमाएं हैं, लेकिन निचली अदालत को बदले हुए हालातों को देखते हुए अतिरिक्त बयान मांगने से कोई नहीं रोकता। हाईकोर्ट ने यह भी पाया कि जब पारिवारिक अदालत ने तलाक की याचिका को मंजूरी दी, तब तक पति-पत्नी के बीच आपसी सहमति से तलाक का आधार समाप्त हो चुका था। हालाँकि पत्नी ने 2008 में तलाक के लिए सहमति दी थी, लेकिन बाद में 2010 में उसने अपना बयान बदल लिया था और तलाक का विरोध किया था। यह बात पत्नी की 2011 में दी गई मौखिक गवाही से भी स्पष्ट थी। हाईकोर्ट के अनुसार, निचली अदालत को यह जांच करनी चाहिए थी कि क्या पत्नी ने अपनी राय बदली थी।

हाईकोर्ट ने अपने 6 सितंबर 2024 के फैसले में स्पष्ट किया कि हिंदू विवाह को एक अनुबंध की तरह समाप्त नहीं किया जा सकता। अदालत ने कहा, यह विस्तार की आवश्यकता नहीं है कि हिंदू विवाह को अनुबंध की तरह समाप्त या भंग नहीं किया जा सकता। कानूनन, हिंदू विवाह केवल सीमित परिस्थितियों में भंग हो सकता है, और वह भी साक्ष्यों के आधार पर। अदालत ने यह भी कहा कि अगर कोई पति या पत्नी निसंतान होने का आरोप लगाता है तो यह आरोप केवल साक्ष्य के आधार पर ही साबित किया जा सकता है। अदालत ने पारिवारिक अदालत के निर्णय को इस आधार पर खारिज कर दिया कि निचली अदालत ने मामले की पूर्ण समीक्षा नहीं की थी और केवल पहले लिखित बयान और 2008 की सहमति पर भरोसा किया था।

हाईकोर्ट ने कहा कि वह पति-पत्नी के बीच समझौते के लिए इच्छुक था, लेकिन यह संभव नहीं हो सका क्योंकि पति अदालत में उपस्थित नहीं था। इसके बावजूद, अदालत ने पत्नी की अपील को मंजूरी दी और तलाक के फैसले को खारिज कर दिया। अदालत ने मामला पुनर्विचार के लिए निचली अदालत को भेज दिया और निर्देश दिया कि अगर कोई समझौता नहीं हो पाता, तो पत्नी को दूसरा लिखित बयान दायर करने की अनुमति दी जाए, और पति को उस बयान का जवाब देने का अधिकार भी दिया जाए। इस मामले में, पत्नी की ओर से वकील उमा नाथ पांडेय और विनोद सिन्हा ने पैरवी की, जबकि पति की ओर से एएन पांडेय, डीआर कुशवाहा, मनीष सी तिवारी और राजेश कुमार दुबे ने अदालत में पक्ष रखा।

इस फैसले ने हिंदू विवाह की पवित्रता और उसे अनुबंध की तरह समाप्त न किए जाने की आवश्यकता पर जोर दिया। हाईकोर्ट ने यह सुनिश्चित किया कि तलाक का कोई भी निर्णय उचित साक्ष्यों और समग्र दृष्टिकोण के आधार पर ही लिया जाना चाहिए। साथ ही, अदालत ने यह भी स्पष्ट किया कि केवल एक बार दी गई सहमति के आधार पर तलाक नहीं दिया जा सकता, खासकर जब वह सहमति बाद में वापस ले ली गई हो। अदालत का यह फैसला न केवल इस मामले के लिए बल्कि ऐसे कई मामलों के लिए महत्वपूर्ण मिसाल के रूप में काम करेगा, जहाँ विवाह को अनुबंध की तरह समाप्त करने का प्रयास किया जाता है।

तीन लोगों की हत्या में चार को फांसी की सजा

मैनपुरी, 18 सितंबर (एजेंसियां)। मैनपुरी में मां-बाप और बेटे की हत्या के मामले में चार को फांसी की सजा सुनाई गई है। तीन को पहले फांसी हो चुकी थी। चौथे दोषी को 17 सितंबर को सजा सुनाई गई। हत्या की वारदात मैनपुरी के करहल थाना क्षेत्र के जलालपुर गांव में हुई थी। गांव निवासी सुखराम द्वारा जमीन का बंटवारा नहीं करने की जिद घटना की वजह बनी। सुखराम ने अपनी पत्नी की मौत के बाद दूसरी शादी कर ली थी। पहली पत्नी का पुत्र मनीष बंटवारा चाहता था। पिता द्वारा बंटवारा नहीं करने पर उसने पिता सुखराम, सौतेली मां सुषमा, सौतेले भाई अभिषेक की हत्या कर दी थी।

हत्या के बाद से ही मनीष, उसके रिश्तेदार वीरेंद्र यादव निवासी नगला बसई थाना बकेबर जिला इटावा, कमलेश उर्फ कल्लू निवासी आलमपुर थाना भरथना जिला इटावा जेल में बंद थे। मनीष गवाही देने वालों को धमकाता भी था। तीनों को 28 जनवरी 2022 को एफटीसी द्वितीय जज तरन्नुम खान ने फांसी की सजा सुनाई थी। सुखराम की बेटी रचना ने अदालत में गवाही दी। गवाही में रचना ने बताया कि सौतेला भाई मनीष पिता की दूसरी शादी के बाद से नाराज था। इसके चलते ही उसने हत्याकांड को रिश्तेदारों की मदद से अंजाम दिया। एफटीसी जज ने निर्णय में लिखा है कि माता पिता की हत्या के बाद सबसे ज्यादा पीड़ित रचना हुई है। रचना को जुर्माना की धनराशि 1.10 लाख रुपए में से 75 प्रतिशत 82500 रुपए रचना को दिया जाएगा।

तत्कालीन अपर जिला जज चतुर्थ तरुण कुमार सिंह की अदालत में छह जनवरी 2020 को तिहरे हत्याकांड को अंजाम देने वाले मनीष यादव ने कटघरे में खुद को गोली मार ली थी। घटना से कुछ समय पहले ही न्यायाधीश अदालत से अपने चैंबर में गए थे। गोली पैर में लगने से वह घायल हो गया था। जांच में पता चला कि मनीष की पत्नी सीमा ने उसको तमंचा लाकर दिया था। सीमा मुकदमे की सुनवाई के लिए सुबह ही पेटीकोट में छिपाकर तमंचा लेकर पहुंची थी। पुलिस ने सीमा को थाना करहल के गांव मानिकपुर से गिरफ्तार करके जेल भेज दिया था।

ड्यूटी में लापरवाही करने वाले दो इंस्पेक्टर सहित दस पुलिसकर्मियों को निलंबित किया गया था। इनमें प्रभारी न्यायालय सुरक्षा अतिरिक्त निरीक्षक मुकेश मलिक, प्रभारी सदर हवालात ड्यूटी निरीक्षक विजय कुमार गौतम, हवालात ड्यूटी उप निरीक्षक अजय प्रताप, मुख्य आरक्षी एलआईयू विजय सिंह के अलावा महिला आरक्षी कुसुम चाहर, मुख्य आरक्षी रमाकांत उपाध्याय, आरक्षी सत्यवीर सिंह, प्रदीप राजा, योगेंद्र सिंह तथा आरक्षी एलआईयू दिलीप कुमार निलंबित हुए थे।

राममंदिर निर्माण से सरकार को मिलेगी 400 करोड़ की जीएसटी

अयोध्या, 18 सितंबर (एजेंसियां)। राममंदिर समेत परिसर में चल रहे अन्य निर्माण कार्य पर अब तक 2500 करोड़ से अधिक खर्च हो चुके हैं। मंदिर समेत सभी प्रकल्पों के निर्माण की समय सीमा जून 2025 तय की गई है। राममंदिर ट्रस्ट का मानना है कि निर्माण कार्य से करीब 400 करोड़ रुपए का वस्तु एवं सेवा कर यानी जीएसटी सरकार को मिल जाएगा।

श्रीरामजन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय का कहना है कि राम मंदिर निर्माण कार्य से जीएसटी के रूप में करीब 400 करोड़ रुपए मिलेंगे। अब तक मंदिर निर्माण से करीब 166 करोड़ की जीएसटी सरकार को प्राप्त हो चुकी है। हालांकि वास्तविक कर संग्रह का आंकड़ा निर्माण कार्य पूरा होने के बाद ही पता चलेगा। राममंदिर समेत समस्त प्रकल्पों के निर्माण पर करीब चार हजार करोड़ रुपए खर्च होने का अनुमान लगाया जा रहा है।

चंपत राय ने बताया कि 70 एकड़ में विकसित किए जा रहे परिसर में कुल 18 मंदिर बनाए जाएंगे। इसमें महर्षि वाल्मीकि, महर्षि वशिष्ठ, महर्षि अगस्त्य, माता भगवती, निषादराज, अहिल्या, शबरी, तुलसीदास आदि के मंदिर शामिल होंगे। इसके अलावा एक संग्रहालय, ट्रस्ट कार्यालय, गेस्ट हाउस भी बनेगा। हम 100 फीसदी टैक्स का भुगतान करेंगे। टैक्स में एक रुपया भी कम नहीं किया जाएगा।

चंपत राय का कहना है राममंदिर का निर्माण समाज के सहयोग से हो रहा है। मंदिर की व्यवस्थाएं इस तरह की गई हैं कि रोजाना दो लाख भक्त सुविधा-पूर्वक दर्शन कर सकते हैं। बुर्जुग, दिव्यांग श्रद्धालुओं के लिए विशेष व्यवस्था की गई है। व्हीलचेयर ट्रस्ट की ओर से मात्र आधार कार्ड दिखाने पर निशुल्क उपलब्ध कराई जाती है। साथ ही नित्य दर्शनार्थियों के लिए भी पास की व्यवस्था है। सुगम दर्शन के लिए पास की भी व्यवस्था है। सामान जमा करने के लिए लॉकर बनवाए गए हैं।

गाजियाबाद में बनेगा एम्स का सैटेलाइट सेंटर: योगी

गाजियाबाद, 18 सितंबर (एजेंसियां)। घंटाघर रामलीला मैदान में 111 परियोजनाओं का लोकार्पण करने आए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंच से घोषणा की है कि गाजियाबाद में जल्द ही दिल्ली एम्स का सेटेलाइट सेंटर बनेगा जिसमें एम्स की सभी सुविधाएं मिलेगी।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को घंटाघर स्थित रामलीला मैदान में आयोजित रोजगार मेला में नियुक्ति पत्र वितरित किए और ऋण बांटा।

इसके अलावा छात्र- छात्रों को स्मार्टफोन और टैबलेट वितरित किए। इस दौरान उन्होंने कहा कि डबल इंजन की सरकार युवाओं के सपनों को उड़ान देने का अवसर प्रदान कर रही है। आज उप्र में युवाओं को रोजगार मिल रहा है वो अपना व्यापार शुरू कर रहे हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंच से घोषणा की है कि गाजियाबाद में जल्द ही दिल्ली एम्स का सेटेलाइट सेंटर बनेगा जिसमें एम्स की सभी सुविधाएं मिलेगी। इसका प्रस्ताव भेजा जा चुका है।

सीएम योगी ने कहा कि गाजियाबाद में 2017 से पहले तक अपराध चरम पर था और यहां गुंडा टैक्स वसूला जाता था।

लेकिन आज गाजियाबाद से अपराध खत्म हो गया है। उन्होंने कहा कि गाजियाबाद में जल्द ही सैटेलाइट सेंटर खोला जाएगा। इसके लिए केंद्र सरकार को प्रस्ताव भेजा गया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि ये नए भारत का उप्र है। यहां पर गुडागर्दी स्वीकार्य नहीं है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंच से घोषण करते हुए कहा कि आने वाले तीन साल में मुख्यमंत्री युवा उद्यमी योजना के अंतगर्त प्रदेश के 10 लाख युवाओं को रोजगार दिया जाएगा। इसके तहत पहले चरण में पांच लाख युवाओं को ऋण बांटा जाएगा।

ये ऋण ब्याज मुक्त होगा। युवाओं को मिलने वाले ऋण का ब्याज प्रदेश सरकार भरेगी। दूसरे चरण में पांच लाख लोगों को ऋण दिया जाएगा।

सपा के अंदर औरंगजेब की आत्मा घुस गई है

गाजियाबाद के कार्यक्रम में सीएम योगी ने अखिलेश यादव और समाजवादी पार्टी को एक बार फिर निशाने पर लिया। सीएम योगी ने कहा कि समाजवादी पार्टी के अंदर ओरंगज़ेब की आत्मा घुस गई है। कांग्रेस हो या समाजवादी पार्टी, इन्हें न देश की चिंता है, न समाज की चिंता है। परिवार आधारित इन पार्टियों का देश के प्रति, समाज के प्रति कोई दायित्व नहीं रह गया है। इन दिनों लगातार सीएम योगी और अखिलेश यादव एक दूसरे को लेकर बयान दे रहे हैं। समाजवादी पार्टी वाले दुर्दांत माफिया और अपराधियों के सामने नाक रगड़ते थे। ये अपने संस्कार के अनुरूप धर्माचार्यों को माफिया बोलते हैं। औरंगज़ेब की आत्मा सचमुच इनके अंदर घुस चुकी है। सीएम योगी ने कहा, नजर नहीं है, लेकिन नजारों की बात करते हैं, जमीन पर चांद-सितारों की बात करते हैं, वो हाथ जोड़कर बस्ती को लूटने वाले, भरी सभा में सुधारों की बात करते हैं। सीएम ने महिला अधिकारों की बात करते हुए कहा,पिछले कुछ दिनों से बेटियों की सुरक्षा के साथ खिलवाड़ करने वाले जितने भी दरिंदे पकड़े जा रहे हैं, उन सबके संबंध समाजवादी पार्टी से ही हैं। यानी समाजवादी पार्टी आज दरिंदों का एक गैंग बन चुकी है। सीएम योगी ने कहा, समाजवादी पार्टी और बहुजन समाज पार्टी की सरकार के समय जो उत्तर प्रदेश, देश के विकास में बाधा माना जाता था, आज वही उत्तर प्रदेश देश की अग्रणी अर्थव्यवस्थाओं में से एक है।

पिछले कुछ दिनों में बेटी की सुरक्षा के साथ खिलवाड़ करने वाले जितने भी दरिंदे पकड़े गए हैं, इन सबके संबंध समाजवादी पार्टी से हैं। कांग्रेस और सपा भस्मासुर हैं, जब भी जनता ने इन्हें शक्ति प्रदान की इन्होंने उसी शक्ति का दुरुपयोग जनता की आस्था पर प्रहार करने के लिए किया। अपने संस्कार के अनुरूप सपा के नेता भारत की धर्म और संस्कृति के प्रतीक धर्माचार्यों को माफिया बोल रहे हैं। इनके अंदर रुपएऔरंगजेब की आत्मा घुस चुकी है।

नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट के पास बनेगा यूपी का पहला सेमीकंडक्टर पार्क

लखनऊ/ग्रेटर नोएडा, 18 सितंबर (एजेंसियां)। देश में पहली बार सेमीकंडक्टर पॉलिसी लागू कर भारत को दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी आर्थिक शक्ति बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही योगी सरकार ने इस दिशा में एक और बड़ी पहल की है। इस पहल के तहत योगी सरकार यूपी के ग्रेटर नोएडा स्थित जेवर में बन रहे नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट के पास अब उत्तर प्रदेश का पहला सेमी कंडक्टर पार्क स्थापित करने जा रही है। प्रदेश सरकार की ओर से यमुना एक्सप्रेस वे औद्योगिक विकास प्राधिकरण (यीडा) के अंतर्गत सेक्टर 10 और सेक्टर 28 में सेमीकंडक्टर पार्क को स्थापित किए जाने की योजना है।

इस पहल के माध्यम से देश और दुनिया की बड़ी चिप निर्माता कंपनियां उत्तर प्रदेश में अपने उद्यम लगाने के लिए आकर्षित होंगी।

साथ ही, व्यापक पैमाने पर यूपी के युवाओं के लिए रोजगार का भी सृजन हो सकेगा। उल्लेखनीय है कि उत्तर प्रदेश में सेमीकंडक्टर इंडस्ट्री लगाने के लिए निवेशकों को प्रोत्साहित करने हेतु योगी सरकार ने सेमीकंडक्टर पॉलिसी लागू की है, जिसके जरिए बड़े पैमाने पर राहत प्रदान की जा रही है। सेमीकंडक्टर पार्क के साइलेंट फीचर्स की बात करें तो इसके तहत यमुना एक्सप्रेस वे औद्योगिक विकास प्राधिकरण ने दो सेमीकंडक्टर क्लस्टर के लिए भूमि चिन्हित की है। पहली सेक्टर 10 में 200 एकड़, जबकि दूसरी सेक्टर 28 में 125 एकड़ भूमि शामिल है। इन दोनों क्लस्टर में यीडा 8 एमएलडी का वाटर ट्रीटमेंट प्लांट स्थापित करेगी, जबकि 60 एमएलडी का सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट (एसटीपी)लगाया जाएगा। वहीं, क्लस्टर्स को विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए 400/200/132 केवी सब स्टेशन भी स्थापित किए जाने की योजना है। इसके अतिरिक्त सेमीकंडक्टर पार्क में निवेश करने वाले उद्यमियों को मल्टी मॉडल कनेक्टिविटी की सुविधा मिलेगी।

सेक्टर 10 और 28 में स्थापित होने वाले इन क्लस्टर्स की नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट से दूरी मात्र 4 किमी. की है, जिससे कॉर्गो मिनटों में यहां पहुंच सकेगा और निवेशकों और विदेशी बायर्स को यहां आने-जाने में कोई समस्या नहीं होगी। इसके अलावा, यहां रैपिड रेल ट्रांजिट सिस्टम (आरआरटीएस) की भी सुविधा जल्द शुरू होगी। इसके लिए उत्तर प्रदेश सरकार से डीपीआर के अप्रूवल की प्रक्रिया पूरी हो चुकी है। वहीं, दिल्ली से वाराणसी के बीच हाई स्पीड रेल की योजना है, जिसका एक स्टेशन नोएडा एयरपोर्ट भी होगा। इसके अतिरिक्त यमुना एक्सप्रेसवे में दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे का इंटरचेंज भी बन चुका है, जो इन बड़े शहरों से भी कनेक्टिविटी को आसान बनाएगा।

उत्तर प्रदेश में सेमीकंडक्टर मैन्युफैक्चरिंग की असीम संभावनाएं हैं। योगी सरकार ने निवेशकों को इस क्षेत्र में निवेश के लिए प्रोत्साहित करने के लिए सेमीकंडक्टर इकोसिस्टम बनाने पर जोर दिया है। इसके लिए प्रदेश में पहली बार सेमीकंडक्टर पॉलिसी लागू की गई है। यूपी सेमीकंडक्टर नीति के तहत भारत सरकार द्वारा अनुमोदित कैपिटल सब्सिडी पर 50 प्रतिशत अतिरिक्त कैपिटल सब्सिडी का प्रावधान किया गया है। इसके अतिरिक्त पॉलिसी में कंपाउंड सेमीकंडक्टर/सिलिकॉन फोटोनिक्स/सेंसर/एटीएमपी/ओएसएटी के लिए 75% की लैंड रिबेट भी प्रदान की गई है। वहीं डुएल ग्रिड नेटवर्क के साथ ही 10 वर्षों के लिए इलेक्ट्रिसिटी ड्यूटी में शत प्रतिशत की छूट प्रदान की जा रही है। इसके अलावा, 25 वर्षों के लिए अंतर्राज्यीय बिजली खरीद, ट्रांसमिशन और व्हीलिंग शुल्क 50 प्रतिशत की छूट, स्टांप ड्यूटी और रजिस्ट्रेशन फीस पर 100 प्रतिशत छूट और प्रतिवर्ष 5 प्रतिशत ब्याज सब्सिडी (अधिकतम 7 करोड़ रुपए) दिए जाने की भी व्यवस्था की गई है।

एक देश एक चुनाव की मंजूरी पर योगी ने जताया पीएम मोदी का आभार

लखनऊ, 18 सितंबर (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को वन नेशन, वन इलेक्शन के प्रस्ताव को मंजूरी देने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय कैबिनेट का आभार जताया। सीएम योगी ने इस निर्णय को देश में राजनीतिक स्थिरता, सतत विकास और समृद्ध लोकतंत्र के लिए मील का पत्थर करार दिया।

सीएम योगी ने कहा, एक समृद्ध लोकतंत्र के लिए राजनीतिक स्थिरता अत्यंत महत्वपूर्ण है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के यशस्वी नेतृत्व में केंद्रीय कैबिनेट द्वारा वन नेशन, वन इलेक्शन प्रस्ताव को दी गई मंजूरी अभिनंदनीय है। देश में राजनीतिक स्थिरता, सतत विकास और समृद्ध लोकतंत्र की सुनिश्चितता में यह निर्णय मील का पत्थर सिद्ध होगा। इस युगांतरकारी निर्णय के लिए उत्तर प्रदेश की जनता की ओर से प्रधानमंत्री जी का हृदय से आभार। उल्लेखनीय है कि देश में लोकसभा के साथ विधानसभा चुनाव (वन नेशन वन इलेक्शन) करवाने के प्रस्ताव को बुधवार को केंद्रीय कैबिनेट ने मंजूरी दे दी है। अब केंद्र सरकार शीतकालीन सत्र यानी नवंबर-दिसंबर में संसद में इससे संबंधित विधेयक पेश कर सकती है।

संपादकीय

अंततः देश की जनगणना

भारत की नई, ताजा और अद्यतन जनगणना की शुरुआत होने वाली है। केंद्र सरकार शीघ्र ही औपचारिक घोषणा करेगी और पूरा कार्यक्रम देश के सामने रखेगी। 2011 की जनगणना के बाद अब यह कवायद की जाएगी। नियम रहा है कि हर 10 साल के बाद जनगणना कराई जाएगी, लेकिन कोरोना वैश्विक महामारी के कारण 2021 की जनगणना नहीं की जा सकी। अब भारत दुनिया के उन तीन देशों में एक है, जहां नई जनगणना का सम्यक कार्यक्रम अभी घोषित किया जाना है। ऐसा 'यूएन पॉपुलेशन फंड' के 'ग्लोबल सेंसस ट्रैरकर' का दावा है। बेशक कोरोना ने वैश्विक स्तर पर लगभग सभी देशों को खूब प्रभावित किया, नतीजतन वे जनगणना समेत कई अभियान नहीं चला पाए, लेकिन उन्होंने महामारी से उबर कर जनगणना के अपने कार्यक्रम भी घोषित किए और जनगणना की प्रक्रियाएं भी शुरू हो चुकी हैं। भारत भी 2021 के अंत तक आते-आते कोरोना से लगभग मुक्त हो चुका था, लेकिन जनगणना की शुरुआत क्यों नहीं की गई, इसका सटीक जवाब भारत सरकार ही दे सकती है। चूंकि भारत में जनगणना नहीं हो सकी, लिहाजा नया डाटा प्राप्त नहीं है, नतीजतन 'जातीय जनगणना' का राजनीतिक नेरेटिव सामने आया है। हालांकि दोनों में तुलना नहीं की जा सकती। वैसे भी राज्य जनगणना के लिए अधिकृत नहीं है। यह दायित्व केंद्र सरकार का ही है। बहरहाल अब जनगणना की प्रक्रिया शुरू होने वाली है, तो उसे डिजिटल तरीके से भी किया जाए। नागरिकों को स्व-गणना और स्व-सत्यापन का अधिकार दिया जाए और जनगणना का परंपरागत तरीका भी इस्तेमाल किया जाए। इससे डाटा स्पष्ट, सुगम और यथाशीघ्र उपलब्ध होगा और क्रॉस चेकिंग भी की जा सकेगी। हालांकि जनगणना का अधिकृत फैसला लिया जा चुका है, लेकिन अब भी तय नहीं है कि उसका डाटा कब तक सार्वजनिक रूप से जारी किया जाएगा। अतीत में जनगणना के प्रथम चरण के सम्पन्न होने में ही करीब 11 माह का वक्त लगा था। भारत में जनगणना की प्रक्रिया बेहद जटिल, पेचीदा और व्यापक है, क्योंकि राज्य और केंद्र शासित क्षेत्र 35 से अधिक हैं और कुल आबादी 145 करोड़ को छू रही होगी! बहरहाल नई, ताजा जनगणना बेहद जरूरी है, क्योंकि वह ही सभी आकलन, विश्लेषण और सर्वेक्षणों की कसौटी है। अभी तक हम 2011 की जनगणना की गिरफ्त में हैं। यदि उसी के आधार पर भारत की सामाजिक-आर्थिक स्थितियों का मूल्यांकन करना है, तो निष्कर्ष गलत आएगा। बीते 13 सालों में भारत बिल्कुल बदल चुका है। आज वह विश्व की महाशक्तियों में शामिल है और दुनिया की 5वीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है। 2011 की जनगणना के पुराने डाटा के भरोसे ही स्वास्थ्य, जनसंख्या और आर्थिकी के डाटा भी बुरी तरह प्रभावित हो रहे हैं। यही नहीं, एनएसएसओ समेत अन्य एजेंसियों के सर्वेक्षणों की गुणवत्ता भी गलत साबित हुई है। एक उदाहरण ही पर्याप्त है। यह अनुमान है कि करीब 11 करोड़ भारतीयों को 'खाद्य सुरक्षा कानून' के लाभ नहीं मिल पा रहे हैं। हालांकि 2011 की जनगणना के तहत लाभार्थियों की संख्या तब भी गिनी जा रही थी। संसदीय क्षेत्रों का परिसीमन भी जनगणना पर ही आधारित है। परिसीमन की प्रक्रिया निरंतर चलती रहती है। संसद ने 'महिला आरक्षण बिल' पारित किया था, लेकिन वह तभी लागू किया जा सकेगा, जब परिसीमन हो जाएगा और संसद की सीटें बढ़ा दी जाएंगी। परिसीमन तभी होगा, जब जनगणना के अद्यतन आंकड़े उपलब्ध होंगे। 'जातीय जनगणना' का मुद्दा भी बेहद महत्वपूर्ण है, क्योंकि उसने 2024 के आम चुनाव में, कुछ राज्यों में, मतदान को प्रभावित किया था। जाति के साथ आरक्षण भी जुड़ा है। सिर्फ सरकारी नौकरियों में आरक्षण देकर यह मुद्दा शांत नहीं किया जा सकता, क्योंकि हर साल औसतन 70-80 लाख युवा भारतीय श्रम-बाजार में आते हैं। हमें निजी क्षेत्र में भी रोजगार मुहैया कराने की जरूरत है, ताकि यह संकट कम होता जाए। उसके मद्देनजर केंद्र सरकार को 'जातीय जनगणना' के प्रति भी 'खुला' होना पड़ेगा और अपने रुख में बदलाव लाना होगा।

केंद्र सरकार शीघ्र ही औपचारिक घोषणा करेगी और पूरा कार्यक्रम देश के सामने रखेगी। 2011 की जनगणना के बाद अब यह कवायद की जाएगी। नियम रहा है कि हर 10 साल के बाद जनगणना कराई जाएगी, लेकिन कोरोना वैश्विक महामारी के कारण 2021 की जनगणना नहीं की जा सकी। अब भारत दुनिया के उन तीन देशों में एक है, जहां नई जनगणना का सम्यक कार्यक्रम अभी घोषित किया जाना है। ऐसा 'यूएन पॉपुलेशन फंड' के 'ग्लोबल सेंसस ट्रैरकर' का दावा है। बेशक कोरोना ने वैश्विक स्तर पर लगभग सभी देशों को खूब प्रभावित किया, नतीजतन वे जनगणना समेत कई अभियान नहीं चला पाए, लेकिन उन्होंने महामारी से उबर कर जनगणना के अपने कार्यक्रम भी घोषित किए और जनगणना की प्रक्रियाएं भी शुरू हो चुकी हैं।

आजादी के बाद हिंदी को शासन की भाषा बनाने की कोशिश शुरू हुई जिसके लिए इसका मानकीकरण किया जाने लगा

राष्ट्रभाषा हिंदी का वर्तमान परिदृश्य

डा. देवेंद्र गुप्ता

हिंदी में यह यथास्थितिवाद तब है, जब संविधान की व्यवस्था हिंदी के बारे में स्पष्ट है कि वह हमारी अपनी वैधानिक राजभाषा है और अंग्रेजी सह-राजभाषा है। आज मौजूदा समय में हिंदी यानी राजभाषा के प्रति जनता के हृदय में स्वीकार्यता बढ़ तो रही है, तथापि सरकारी स्तर पर सबसे पहले इसके लिए राजभाषा के कार्यान्वयन के तौर-तरीकों में जीवंत बदलाव लाने होंगे। कई कार्यक्रम बहुत पुराने, उबाऊ, नीरस हो गए हैं जिनकी प्रासंगिकता नहीं रह गई है। हिंदी सप्ताह और हिंदी पखवाड़ा चूंकि एक सरकारी कार्यक्रम है, वो महज एक कर्मकांड बन कर इसलिए रह गया है कि ये सीधे-सीधे लोगों से नहीं जुड़ पाते हैं, जैसे वैलेंटाइन डे, फ्रेंडशिप डे, मदर-फादर डे वगैरह जिन्हें आम आदमी उत्साहपूर्वक सफल बनाते हैं।

हिंदी दिवस या पखवाड़ा एक रस्म अदायगी सी हो गई है। हिंदी को लेकर बात करना अब एक थकाने वाली कवायद बन गई है। हिंदी में यह यथास्थितिवाद तब है, जब संविधान की व्यवस्था हिंदी के बारे में स्पष्ट है कि वह हमारी अपनी वैधानिक राजभाषा है और अंग्रेजी सह-राजभाषा है। आज मौजूदा समय में हिंदी यानी राजभाषा के प्रति जनता के हृदय में स्वीकार्यता बढ़ तो रही है, तथापि सरकारी स्तर पर सबसे पहले इसके लिए राजभाषा के कार्यान्वयन के तौर-तरीकों में जीवंत बदलाव लाने होंगे। कई कार्यक्रम बहुत पुराने, उबाऊ, नीरस हो गए हैं जिनकी प्रासंगिकता नहीं रह गई है। हिंदी सप्ताह और हिंदी पखवाड़ा चूंकि एक सरकारी कार्यक्रम है, वो महज एक कर्मकांड बन कर इसलिए रह गया है कि ये सीधे-सीधे लोगों से नहीं जुड़ पाते हैं, जैसे वैलेंटाइन डे, फ्रेंडशिप डे, मदर-फादर डे वगैरह जिन्हें आम आदमी उत्साहपूर्वक सफल बनाते हैं। इसका कारण यह है कि लोग इस बहाने दिवस विशेष के मकसद से खुद को जोड़ लेते हैं। इसलिए शिकवे, शिकायतें अगर हैं भी तो वे सरकारी तंत्र के दिखावे से रहती हैं। दूसरे, हिंदी की प्रगति समीक्षा बैठक की रिपोर्टें तैयार करने के जड़वत कार्य। मुझे जो सबसे बड़ा मूर्खतापूर्ण कार्य दिखता है, वह यह कि सरकारी महकमों में हिंदी शब्दों व पत्रों की गिनती के आधार पर राजभाषा पुरस्कार दिया जाना।

तीसरा, आजादी के बाद हिंदी को शासन की भाषा बनाने की कोशिश शुरू हुई जिसके लिए इसका मानकीकरण किया जाने लगा। करीबन 67 साल की कोशिश से एक मानक भाषा तो बनी, लेकिन वो न तो आम लोगों के इस्तेमाल की रही और न राजकाज की भाषा। सरकारी कामकाज में अभी भी अंग्रेजी को वरीयता प्राप्त है। हिंदी ड्राफ्ट को अहमियत तक नहीं दी जाती। वहां भी पुष्टि के लिए अंग्रेजी ड्राफ्ट से मिलान किया जाता है। सरकारी स्तर पर प्रशासनिक शब्दावली और अनुवाद...तौबा रे तौबा...आम जनता की तो छोड़िए, बुद्धिजीवी वर्ग, पत्रकार, साहित्यकार तक मोटे तौर पर राजभाषा हिंदी की प्रशासनिक शब्दावली और अनुवाद स्वीकार करने को तैयार नहीं हैं। यहां लेखक गौरव सोलंकी का मत उल्लेखनीय है कि 'क्या कोई भाषा विक्टिम होती है

कभी, जैसे हिंदी खुद को जताती है अक्सर...हम मेडिकल साइंस, इंजीनियरिंग, स्पेस रिसर्च या किसी भी किस्म के आविष्कारों की अगली कतार में नहीं हैं। इसलिए कि हिंदी के पास नए जमाने के शब्दों के नाम पर सरकारी किस्म के 'आपराधिक से अनुवाद' हैं, जिन्हें कोई जहीन आदमी इस्तेमाल नहीं करना चाहेगा और जो जहीन होना चाहता है, वो जानना नहीं चाहेगा।' इसलिए हमारे प्रत्येक सरकारी कार्यालय, उपक्रमों, शोध संस्थानों और वित्तीय संस्थानों को चाहिए कि वो सरल और आम बोलचाल की हिंदी का प्रयोग करें जिससे हिंदी हमारी विकास यात्रा में सबसे बड़ी भागीदारी निभाए। हिंदी अब प्रौद्योगिकी, विपणन और अंतरराष्ट्रीय संबंधों की भाषा बन रही है। आवश्यकता है इसको तीव्रता देने की राह में जो भी बाधाएं हैं, उन्हें पार करते हुए गति दी जाए। मैंने पाया कि दफ्तर के बाहर हिंदी की स्थिति भिन्न है।

आम भारतीय उत्तर भारत से पश्चिमी भारत तक अपनी बीसियों बोली से संचित हिंदी बोल रहा है। पिछले 20-25 वर्षों से रेडियो, फिल्में तथा अखबार, विज्ञापन उद्योग, मल्टीनेशनल कम्पनियों के ब्रांड बाजार ने हिंदी को ग्रामीण स्तर तक सीधे संवाद की भाषा बना दिया है। अब तो प्रौद्योगिक उन्नति के चलते सुगम अनुवादों के लिए सॉफ्टवेयर सुलभ हैं और वेबसाइट, सोशल मीडिया पर उपभोक्ता बढ़ गए हैं। शुद्धतावादी अथवा खतरावादी इस क्रमवार बदलाव को नहीं देख पा रहे। ज्यों ज्यों विदेशी पूंजी का निवेश भारतीय व्यापार में बढने लगा है, हिंदी का ग्लोबल ट्रेंड बढ़ा है। हिंदी मनोरंजन, विज्ञापन की सबसे बड़ी भाषा तो बन ही गई है, वित्त और कारोबार के क्षेत्र में हिंदी की जड़ें मजबूत होने से हिंदी देश-समाज से आगे बढ़ कर अब विश्व की भाषा बनने की राह पर है। यह बदलाव जीवन की रोजमर्रा की व्यावहारिकता में हो रहा है। इस बदलाव के चलते हिंदी में अंग्रेजी के शब्द भी आने लगे हैं। हिंदी भाषा और बाजार दोनों में विस्तार के चलते अंग्रेजी के शब्द हिंदी हुए जा रहे हैं। हमें लगने लगता है कि हिंदी खराब हो रही है और अंग्रेजी उस पर हावी हो रही है। इस मनोदशा को हिंदी विद्वानों ने सिरे से नकार दिया है। वो कहते हैं कि भूमंडलीकरण और मुक्त बाजार ने भाषाओं को एक महामिक्सी में डाल दिया है। हिंदी को अंग्रेजी शब्दों से किस तरह खतरा हो सकता है? भूमंडलीकरण से पहले भी हिंदी तद्भव, देशज शब्दों, मुहावरों से अपने को समृद्ध करती रही है। परंतु खतरावादियों का सम्प्रदाय पहले उर्दू के शब्दों को ठिकाने लगाता था और हिंदी को सौ फीसदी संस्कृत के खूंटे से बांधना चाहता था। कहना चाहिए कि वो खूंटा ही इस भूमंडलीकरण में उखड़ गया है जिससे हिंदी अब तक बंधी रहती थी। अभी तक तो लड़ाई अंग्रेजी को अपदस्थ करने की रही है। भूमंडलीकरण, प्रौद्योगिकी, कारोबार, तकनीक के चलते हिंदी को रफ्तार तो मिली है। अब दक्षिण में हिंदी विरोध तो शांत दिखता है, पर इधर एक नया खतरा विभिन्न भारतीय भाषाओं और बोलियों द्वारा संविधान की 8वीं अनुसूची में स्थान पाने को लेकर है। जिस हिंदी का विकास करने, संजोने और स्थापित करने में हमारे महापुरुष, राजनेता, समाज सुधारक, संत, साहित्यकार संघर्ष करते आए हैं और जिन्होंने हिंदी को राजभाषा की पदवी दिलाने के लिए अपना सारा जीवन लगा दिया, उसी भाषा को तोडने और खंडित करने के प्रयास हो रहे हैं। जब कई सारी बोलियां अष्टम अनुसूची में जाएंगी, तो हिंदीभाषी कितने लोग रह जाएंगे? बोलियां हिंदी से अलग होकर अलग-थलग पड़ जाएंगी और स्वतः कमजोर पड़ कर खत्म हो जाएंगी। अतएव हिंदी को टूटने से बचाने का दारोमदार हमारी अपनी इच्छा और संकल्प शक्ति पर है। इसलिए आज हमें फोकस करना चाहिए कि हमारे पास राष्ट्र ध्वज, चिन्ह, गान, पशु-पक्षी आदि तो हैं, पर राष्ट्र भाषा नहीं है। और यह भी सत्य है कि हिंदी ही वह भाषा है, जो राष्ट्र भाषा का दर्जा पाने के काबिल है। हिंदी अब पूरे विश्व में बोली जाती है।

दृष्टि कोण

कहां खो गईं पीड़ा समझने वाली भावनाएं

अपने देश में और कहीं-कहीं दुनिया में भी एक शब्द वाक्य यदा-कदा सुनने को मिलता है- भावनाएं आहत हो गईं, धार्मिक भावनाओं का अपमान कर दिया। कुछ स्थानीय भाषाओं में यह भी कह दिया कि हृदय वलूंदरे गए अर्थात हृदय पर गहरी चोट की गई। यह चोट भावों और भावनाओं की रहती है। कुछ भावनाएं ऐसी हैं जो केवल पूजा स्थानों या विशेष संप्रदाय के महापुरुषों से जुड़ी रहती हैं। अगर वही भावनाएं अनियंत्रित हो जाएं तो फिर न किसी का सिर काटने में संकोच होता है, न आग लगाने में, न दंगा करने में और न ही विदेशी शक्तियों के हाथ में खेलने में संकोच किया जाता है। मेरा साधारण और स्वाभाविक प्रश्न यह है कि यही संवेदना या आक्रोश की भावनाएं दया या विरोध की भावनाएं उस समय क्यों छिपी रहती हैं, सोई रहती हैं, जब मानवता के विरुद्ध बहुत बड़ा अपराध होता है। जब बच्चे जन्म लेते ही बिना इलाज के मौत के मुंह में चले जाते हैं और सरकारें केवल नवजात शिशुओं की मृत्यु के आंकड़े देकर ही अपने कत्तव्य की इतिश्री समझ लेती हैं। हिंदुस्तान जैसे देश में आज तक असंख्य बेटियां जन्म से पहले मां के गर्भ में ही क्रूरता से कत्ल कर दी गईं या नवजात बच्चियां कूड़े के ढेर पर फेंक दी गईं जहां बहुत बार कुत्तों ने उन्हें नोंच-नोंच कर खा लिया। उस समय वे भावनाएं न जाने किस गड्ढे में दबी रहती हैं जो भावनाएं किसी का सिर कटवा देती हैं, आग लगवा देती हैं, हत्याएं करने में भी कोई संकोच नहीं करतीं। इस समय सुरसा के मुंह की तरह जो भयावह संकट देश के सामने है, आकाश से बरस रहा है, कहीं भयानक बारिश के रूप में, कहीं बादल फटने के रूप में और जिसके परिणामस्वरूप लाखों लोगों की आंखें बरस रही हैं, हजारों लोग प्रतिवर्ष इसी बाढ़ और बादलों के कहर के कारण मौत के मुंह में चले जाते हैं, बेघर हो जाते हैं, उनके लिए आम जन से लेकर नेताओं तक की भावनाएं बिल्कुल शांत हो चुकी हैं। आमजन तो बेचारा आमजन है। रोटी-रोजी के लिए संघर्ष करता हुआ कि जिंदगी एडियां रगड़-रगड़ कर जी लेता है, पर जो देश के बड़े बड़े नेता, शासक राजनीति के स्वामी हैं वे भी बाढ़ की समस्या को उतनी गंभीरता से नहीं ले रहे जितना उनको लेना चाहिए। कटु सत्य यह है कि दुनिया में बाढ़ से जितनी जन-धन की हानि होती है, उसका बीस प्रतिशत केवल भारत में है। हर वर्ष वर्षा होती है, आगे भी होती रहेगी, पर आज तक यह प्रबंध क्यों नहीं हो पाया कि जो क्षेत्र हर वर्ष बाढग़्रस्त होते ही हैं, उन क्षेत्रों से जनता को हटाकर कहीं दूर बसा दिया जाए। यह प्रयास भी नहीं हुआ कि नदियों-दरियाओं के रास्ते में जो अवैध कब्जे और अवैध खनन के कारण बाढ़ की स्थिति बनती है, उसे ही नियंत्रित कर लिया जाए। श्री केदारनाथ धाम में 12 वर्ष पहले जो कुदरत का कोप आदमी को सहना पड़ा, उसके लिए भी यही कारण बताया गया है/था कि जिन क्षेत्रों में पानी को बहना है उसी जमीन पर कब्जा करके बड़े-बड़े भवन खड़े किए गए, जिसके कारण यह कोप अधिक भयानक हो गया। आसाम की बाढ़ कौन नहीं जानता। अभी मॉनसून पूर्व की वर्षा का ही आगमन होता है तो वहां बाढ़ शुरू हो जाती है। इस समय तेलंगाना, आंध्र, महाराष्ट्र, गुजरात, हिमाचल, उत्तराखंड जैसे बहुत से प्रांतों में वर्षा से बाढ़ बन चुके कुदरती कोप का भयानक रूप देखने को मिल रहा है। क्या यह सच नहीं कि हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी अनेक लोग बाढ़ के कारण मौत के मुंह में जा चुके हैं। अभी कुछ दिन ऐसे समाचार आगे भी मिलते रहेंगे, पर प्रश्न फिर वही है कि एक साधारण से चित्र या शब्द या किसी की टिप्पणी से जो क्रोध, आक्रोश, हिंसा और बदले की भावना देश को जलाने के लिए भडक़ती है, वही भावना अपने देशवासियों को बचाने के लिए क्यों सामने नहीं आती? वर्षा हम नहीं रोक सकते, बादल कब फटेंगे नहीं जानते, भूस्खलन और पहाड़ों का गिरना प्रकृति के हाथ में है, पर वहां बसे अपने देशवासियों को सुरक्षित स्थान पर मुसीबत आने से पहले ही ले जाना, यह तो देश के नेताओं के हाथ में है। अपने-अपने धार्मिक स्थलों की विशालता और अपने बड़प्पन का गुणगान करने वाले न धार्मिक नेता, न राजनीति के स्वामी, न जाने क्यों मौन धारण रखते हैं? कहीं उत्तराखंड में बाढ़ में गाडियां बह गईं, कहीं भवन गिरने से लोग दब कर मर गए। गुजरात के 28 जिलों में इस वर्ष बाढ़ का भयानक कहर बरपा। दिल्ली में संसद के अंदर भी पानी पहुंच गया। राजस्थान और दिल्ली की बेसमेंट में पानी में कुछ लोग डूब गए। अभी हाल ही में दिल्ली में एक अंडरपाथ में कार डूबी, साथ ही दो जिंदगियां डूब गईं। न जाने कितना बचपन इसी प्राकृतिक आपदा के कारण जिंदगी से वंचित हो गया। इसके लिए किसी को तड़पते नहीं देखा। केवल वही तड़पते हैं जिनके परिजन इस प्राकृतिक कोप का शिकार हो गए। एक नहीं अनेक ऐसे प्रसंग हैं, जहां मानव हृदय पीड़ित होना चाहिए। नेताओं की भावनाएं सेवा सहायता के लिए जन-जन तक राहत देने के लिए पहुंचनी चाहिए।

कुछ अलग

हिंदी के कैजुअल प्रेमी...

ड्रेस की तरह हिंदी प्रेमियों की भी दो किस्में हैं- कैजुअल हिंदी प्रेमी और फॉर्मल हिंदी प्रेमी। मैं कैजुअल और फॉर्मल टाइप के हिंदी प्रेमियों के बीच की नस्ल का हिंदी अधिकारी हिंदी प्रेमी हूं, मतलब हिंदी और अंग्रेजी दोनों नावों का सवार! या कि मध्यममार्गी। पर वे टोटली हिंदी के कैजुअल टाइप के प्रेमी हैं। प्रेम को लेकर आप किसी से ये कतई नहीं पूछ सकते कि वह कैजुअल प्रेमी है तो क्यों हैं? और जो वह फॉर्मल प्रेमी है तो क्यों हैं? प्रेम को लेकर कैजुअलिटी और फॉर्मेलिटी सबकी अपनी अपनी। हिंदी पखवाड़े में कैजुअल हिंदी प्रेमी की एंट्री देखने लायक होती है। सिर से लेकर पांव तक हिंदीमय। आंखों में हिंदी के लिए आंसू इतने कि ज्यों पूरे देश के हिंदी प्रेमियों की झूठी वेदना केवल इनकी आंखों में घनीभूत हो गई हो। हिंदी के बारे में इतने गंभीर कि इतने जो अपनी बीवी को लेकर गंभीर होते तो सालों से वह मायके न बैठी होती। पखवाड़ा भर हिंदी के हर खाने वाले कार्यक्रम में जमकर पेट पर हाथ फेरा और अंत में एक साथ चार चार गोलियां हाजमोला अंदर। हिंदी पखवाड़े में जितनी बिक्री हाजमोला और दूसरे कब्जहारी चूर्णों की होती है, उतनी साल भर नहीं होती। कैजुअल टाइप का चतुर सुजान हिंदी पखवाड़े में हिंदी से साल भर का प्रेम पंद्रह दिनों में कर हिंदी में काम करने के पुरस्कार बटोर हिंदी से साल भर के लिए मुक्त हो सोलहवें दिन सूर्योदय होते ही अंग्रेजी का हो जाता है। हिंदी का पाक्षिक आदर्श कैजुअल प्रेमी पखवाड़ा भर अपनी उल्टी सीधी हरकतों से अपनी और हिंदी दोनों की ऐसी तैसी घुमाकर रखता है। इन पंद्रह दिनों में न तो वह खुद चैन से रहता है, न ही हिंदी के सालाना प्रेमियों को चैन से रहने देता है। इधर उसकी हरकतों से हिंदी परेशान तो उधर अपनी हरकतों से वह। हिंदी के चतुर कैजुअल प्रेमी को अच्छी तरह पता होता है कि हिंदी केवल पंद्रह दिनों की भाषा है। अगर उसने उसे गलती से भी सोलहवें दिन अपने साथ रखा तो उसका तो उसका, उसके पूरे परिवार का अनिष्ट हो जाएगा। अड़ोस पड़ोस का अनिष्ट हो जाएगा। पड़ोसियों से उसके संबंध दुर्गंध हो जाएंगे। उसके बच्चों से पड़ोसियों के बच्चे बात नहीं करेंगे। हो सकता है तब वह सपरिवार डिप्रेशन में चला जाए। इसलिए कुशल कैजुअल हिंदी प्रेमी सोलहवें दिन के सूर्य की प्रथम किरण शहर में पड़ते ही अंट शंट योगा करता अंग्रेजी में नहाता है, अंग्रेजी पीता है, और अंग्रेजी में ही बरसों पहले पॉलिश कराए डाइनिंग टेबल पर बैठ ब्रेकफास्ट, लंच, डिनर करता हिंदी के पाक्षिक प्रेम में डूबने की थकान मिटाता है। यह बात दूसरी है कि मध्यमवर्गीय अंग्रेजी वाले टूटी फूटी हिंगलिश बोलते देसी भी शिट शिट करते पी लेते हैं। हिंदी के कैजुअल प्रेमी को पता होता है कि जो वह हिंदी से पखवाड़े के बाद भी प्रेम करेगा तो गई साख पानी में। आदमी की सबसे बड़ी फितरत यह होती है कि वह अपने आप चाहे सिर से ऊपर तक पानी में डूब जाए तो डूब जाए, पर वह अपनी साख पानी में इंच भर नहीं जाने देता। वह जानता है कि साख है तो लाख है। वैसे समझदारी के हिसाब से साल में हिंदी से प्रेम करने के लिए पंद्रह दिन काफी होते हैं। जो गलती से कोई साल भर हिंदी से प्रेम करने लग जाए तो उसकी बात उसकी अनपढ़ बीवी भी न समझ पाए। अगर वह साल भर हिंदी प्रेमी होकर जिए तो हो सकता है सोलहवें दिन वह अपने को अपने आप भी न पहचाने। अपनी पहचान बनाए रखने के लिए इसलिए भी कैजुअल हिंदी प्रेमियों का अगले हिंदी पखवाड़े तक सरीसृप वर्ग की तरह हाइबरनेशन में हिंदी हित में जाना अनिवार्य है। इन दिनों मेरे दफ्तर के कैजुअल हिंदी प्रेमियों का हिंदी प्रेम है कि उनके हिंदी के हर शब्द पर सौ बार दम निकले। वे आजकल हिंदी के ऐसे ऐसे शब्दों का उपभोग, दुरुपयोग कर रहे हैं कि हिंदी बोलने के लिए उनका मुंह खुलने से पहले मुझ सीनियर मोस्ट हिंदी अधिकारी को हिंदी शब्दकोश खोलना पड़ रहा है। और तब बहुत हैरत में पड़ जाता हूं जब उनकी बकी हिंदी के शब्द शब्दकोश में भी नहीं मिलते।

देश दुनिया से

आसमान को कूड़ाघर बनने से बचाएं

भाषणबाज़ी से अलग, पृथ्वी के हित में हम सबसे महत्वपूर्ण कदम यह उठा सकते हैं कि आसमान को कूड़ा घर न बनाएं। जगह-जगह विशाल कूड़े के पहाड़, लैंडफिल्स में आग लगना और कई दिनों तक घुटन भरा धुआं उगलना यह दर्शाता है कि कूड़ा सिर्फ जमीन पर नहीं, बल्कि आसमान में भी अपनी जगह बना रहा है। प्लास्टिक इस संदर्भ में एक बड़ा खलनायक है। जलने के साथ-साथ माइक्रो-प्लास्टिक के छोटे कण भी वायुमंडल में पहुंचते हैं। हाल ही में एक आम दृश्य यह देखा जा रहा है कि लोग सड़कों पर पत्तियां इकट्ठा करके उन्हें जलाते हैं।

जब भी साफ हवा, नीला आसमान, पृथ्वी दिवस, पर्यावरण दिवस जैसे अवसर आते हैं, तो हम पृथ्वी के हित में अपने दायित्वों की बात करते हैं। भाषणबाज़ी से अलग, पृथ्वी के हित में हम सबसे महत्वपूर्ण कदम यह उठा सकते हैं कि आसमान को कूड़ा घर न बनाएं। जगह-जगह विशाल कूड़े के पहाड़, लैंडफिल्स में आग लगना और कई दिनों तक घुटन भरा धुआं उगलना यह दर्शाता है कि कूड़ा सिर्फ जमीन पर नहीं, बल्कि आसमान में भी अपनी जगह बना रहा है। प्लास्टिक इस संदर्भ में एक बड़ा खलनायक है। जलने के साथ-साथ माइक्रो-प्लास्टिक के छोटे कण भी वायुमंडल में पहुंचते हैं। हाल ही में एक आम दृश्य यह देखा जा रहा है कि लोग सड़कों पर पत्तियां इकट्ठा करके उन्हें जलाते हैं। चुनावी सामग्री का कूड़ा भी सड़कों पर फैल जाता है और उसे भी जला दिया जाता है। इस धुएं का आसमान में फैलना, हमें यह बताता है कि हम अपने कूड़े को सीधे आसमान में भेज रहे हैं। देशभर में विकास की दौड़ में वायु गुणवत्ता लगातार गिरती जा रही है। निर्माण कार्यों, कोयला बिजली उत्पादन, और ईंट-भट्ठों से उड़ने वाली धूल और कणीय प्रदूषक वायु गुणवत्ता को प्रभावित कर रहे हैं। जब वायु गुणवत्ता खराब हो जाती है, तो धूल और कणीय प्रदूषकों को रोकने के लिए जाली व कपड़े की दीवारें लगाई जाती हैं। नगरों में कूड़ा जलाने वाले संयंत्र और सड़क सफाई की मशीनें भी वायु में प्रदूषकों का अम्बार छोड़ देती हैं। वातावरण में धूल और कणीय प्रदूषण को नियंत्रित करने के लिए पानी का छिड़काव और एंटी-स्मॉग गन्स का उपयोग किया जा रहा है, लेकिन अधिकांश राज्य सरकारें विशेषकर ठंड के मौसम में इन प्रदूषणों के खिलाफ प्रभावी कदम उठाने में असमर्थ रहती हैं। अंततः स्कूलों और कार्यालयों को बंद करना पड़ता है। राजनीतिक कारणों से निर्माण कार्यों और कूड़े के ढेर की अनदेखी होती है, जिससे प्रदूषण और बढ़ जाता है। वायु में कणीय प्रदूषण स्वास्थ्य के लिए बड़ा खतरा है। इससे बीमारियों में वृद्धि होती है। ये कण पानी में भी जमते हैं और वहां से मिट्टी और घास में पहुंच जाते हैं, जो जानवरों के भोजन में भी शामिल हो जाते हैं। वैश्विक स्तर पर 90 प्रतिशत लोग प्रदूषित हवा में सांस लेते हैं और हर साल वायु प्रदूषण के कारण लगभग 7.9 मिलियन लोग समय से पहले मर जाते हैं, खासकर कम और मध्यम आय वाले देशों में। अत्यंत महीन कणीय प्रदूषकों को नियंत्रित करना अत्यावश्यक है। 7 अक्तूबर, 2019 को यूरोप और अमेरिका के देशों ने एक साझा अनुबंध पर हस्ताक्षर किए, जिसमें सल्फर डाइऑक्साइड, नाइट्रोजन ऑक्साइड, और अमोनिया जैसे प्रदूषकों के अलावा पीएम 2.5 कणीय प्रदूषकों के उत्सर्जन को भी तय सीमा में बांधने का फैसला किया गया। हालांकि, कणीय प्रदूषण केवल भौतिक परिमाण से नहीं मापा जाता, उसकी रासायनिक प्रकृति भी महत्वपूर्ण होती है। प्लास्टिक, कागज और रबर जलने पर उनके कणीय प्रदूषक भी हवा में चले जाते हैं। भारत में नाइट्रोजन डाइऑक्साइड प्रदूषण उच्चतम है, और इसके कारण तेजाबी बारिश होती है। पेड़ों की पत्तियों पर प्रदूषण बैठ जाता है और उन्हें नुकसान पहुंचाता है। आसमान को कूड़ाघर बनने से बचाने के लिए व्यक्तिगत और पारिवारिक स्तर पर सुधार आवश्यक हैं। सार्वजनिक परिवहन का उपयोग, वाहन ठीक रखना, और कूड़ा जलाने से बचना ये सभी व्यक्तिगत जिम्मेदारियां हैं। दुनियाभर में बढ़ते ऊर्जा की मांग के कारण बड़े प्रदूषणकारी देश जीवाश्म ईंधन के उपयोग को कम करने के लिए तैयार नहीं हैं। भारत, जिसमें दुनिया के सबसे अधिक प्रदूषित शहर शामिल हैं, भी कोयले के उत्पादन को बढ़ाने की योजना बना रहा है। इससे कणीय प्रदूषण और बढ़ेगा। नवीनतम खतरा माइक्रो-प्लास्टिक के वायुमंडल में पहुंचने का है। प्लास्टिक पर पाबंदी और इसके कम उपयोग से माइक्रो-प्लास्टिक भी कम होगा। हमें हताशा से बाहर निकलना होगा और अपनी आदतों में सुधार करना होगा। कूड़ा जलाने, पटाखे जलाने, धुआं छोड़ते वाहनों का उपयोग करने से बचना होगा। छोटे-छोटे बदलाव भी महत्वपूर्ण हैं, जैसे कूड़ा जलाने पर रोक और उचित कूड़ा प्रबंधन। प्राकृतिक कारणों से भी कणीय प्रदूषण बढ़ता है, जैसे आंधी-तूफान, खनन और ज्वालामुखी विस्फोट। पेड़ों की संख्या बढ़ाकर प्रदूषण को कम किया जा सकता है। अंततः, यदि हम कूड़ा करते रहें और सरकारों पर आरोप लगाते रहें कि वे प्रदूषण कम करने में असफल हैं, तो यह हमारे लिए हानिकारक होगा। हर व्यक्ति का जिम्मेदारी समझना जरूरी है ताकि प्रदूषित हवा की समस्या कम की जा सके। जैसे हम अपने जलस्त्रोतों को प्रदूषित नहीं करना चाहते, वैसे ही आसमान को भी प्रदूषण से बचाना चाहिए। हमें यह समझना होगा कि प्रदूषण केवल एक राजनीतिक या सामाजिक समस्या नहीं, बल्कि यह हमारे स्वास्थ्य और जीवन की गुणवत्ता पर भी प्रभाव डालता है।

आप का नजरिया

शहरी विकास के जोन में

मस्जिद विवाद ने समाज को जिस मोड़ पर खड़ा कर दिया है, उसके सियासी संदर्भ भले ही कुछ कहें, लेकिन शहरीकरण की उत्कंठा से ग्रस्त हिमाचल को अपनी खोखली व्यवस्था का पता चल गया। प्रगति की अपनी सीमा रेखा, संयम व नियमावलियां हैं, जिन्हें भ्रमित करके हम निजी संपन्नता, प्रभाव व निरंकुशता में भूल गए कि हर तरह के निर्माण की आचार संहिता क्या है। हिमाचल में न तो सरकारी और न ही निजी निर्माण की कोई आचार संहिता पूरी तरह अपनाई गई। इस दौरान लोगों ने खेत छोड़े और शहरीकरण की दिशा में पलायन करते हुए सडक़ों के किनारे बाजार और घर का द्वंद्व पैदा कर दिया। पुरानी हट्टी ने बाजार की कब्र खोद कर मॉल के लिए जमीन पैदा कर ली, नतीजतन घाटियां खत्म हो गईं और प्राकृतिक नजारे मिट्टी में मिल गए। ऐसे में 'स्ट्रीट वैंडर्स कमेटी' के तहत तहबाजारियों के लिए योजना बनाने का संकल्प सामने आ रहा है। हिमाचल में 'बाहरी तत्त्व' पहले ही स्थानीय दिहाड़ी को खानाबदोश कर चुका है, जबकि जमीन पर हल से हिमाचली स्वाद के हलक तक प्रवासी मजदूर कब्जा कर सके, तो यह साजिश है या हमारी अकर्मण्यता। सुंदरनगर की रेहडियों पर अगर बिहार से आकर कोई सिड्डू बेच रहा है, तो इस प्रतिस्पर्धा का मुजरिम असल में है कौन। यह एक-दो साल की रेहड़ी नहीं है, बल्कि दो दशकों से अगर धर्मशाला के गांधी-नेहरु वाटिका के करीब बर्गर बेचकर कोई बाहरी शहर की तसल्ली करवा रहा है, तो वह आधुनिक हिमाचल का रसोइया है। इतना ही नहीं, जो पर्यटक मनाली से लेह की तरफ निकलते हैं, उनके स्वागत के लिए मैगी की हांडी चढ़ाकर उत्तर प्रदेश या बिहार का कोई आदमी वहां पहुंच गया है, जहां हम ट्राइबल की चादर ओढ़े बजट से राहत की रेवड़ी ढूंढ रहे हैं। कमोबेश हर बाजार में रोजगार का एक ऐसा बाजार खड़ा है जिसे रेहड़ी ने खोजा है, लेकिन वैंडर्ज को लेकर हिमाचल की कोई नीति व कोई पुख्ता आधार नहीं बना। अगर हम चंडीगढ़ से ही सीख लेते, तो वहां प्रशासन ने अगर मॉल, शोरूम व उद्योग को जगह दी, तो बाईस की मार्किट के साथ शास्त्री मार्किट के तहत पांच सौ रेहड़ी-फड़ी वालों को स्थायी छत भी दी। विडंबना यह है कि हिमाचल के बाजारों के हर कोने पर रेहड़ी-फड़ी चुपके से पर्ची कटवा कर अपने साम्राज्य को वैध करवा रहा है। मसला रेहड़ी-फड़ी में किसी बाहरी का नहीं होना चाहिए, बल्कि उस बेचारगी का होना चाहिए जो मूकदर्शक बनी रही। हमारा शहरी विकास विभाग, शहरी निकाय तथा पीडब्ल्यू महकमा बेखबर होकर शहरीकरण की कोख से पैदा होते ऐसे हालात पर आंखें बंद किए हैं। स्ट्रीट वैंडर्स के लिए किसी भी नीति से पहले टीसीपी कानून के तहत शहरी विकास योजना को शक्तिशाली बनाना पड़ेगा। हर सडक़ पर दुकानदारी और सडक़ पर ही बस स्टॉप बनाकर हम आने वाली सदियों से गुनाह कर रहे हैं। ऐसे में हर शहर में आधुनिक बाजार, वैंडिंग जोन, व्यापार केंद्र, कर्मचारी नगर, महापार्किंग स्पेस तथा मनोरंजन केंद्र एवं पार्क विकसित करने होंगे। हम कई बार कह चुके हैं कि हर शहर की सारी दिशाओं में कम से कम चार ओपन स्पेस या मैदान विकसित करने चाहिएं, जो आसानी से वैंडिंग जोन, सांस्कृतिक समारोहों, व्यापारिक मेलों, धार्मिक सम्मेलनों, खेल गतिविधियों के आयोजन या पार्किंग स्थल के रूप में समय-समय पर प्रयोग में लाए जा सकते हैं।

अमेरिका के राष्ट्रपति चुनाव में मोदी की इंट्री ट्रंप ने दावा किया–मोदी मुझसे मिलने आ रहे हैं

वाशिंगटन, 18 सितंबर (एजेंसियां) ।

भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की इंट्री अब अमेरिका के राष्ट्रपति चुनाव में हो गई है। ये इसलिए कहा जा रहा है कि अमेरिका में राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार डोनाल्ड ट्रंप सीना ठोककर कह रहे हैं कि पीएम मोदी मुझसे मिलने अमेरिका आ रहे हैं।

ट्रंप ने मिशिगन के फ्लिंट में अपने चुनावी अभियान के एक कार्यक्रम में बैठक की घोषणा की है। इस बैठक में वह भारत के साथ अमेरिकी व्यापार संबंधों के बारे में बातचीत कर रहे थे। हालांकि यह मुलाकात कहां होगी इसकी जानकारी नहीं मिली है। इससे पहले विदेश मंत्रालय ने मंगलवार को पीएम मोदी की अमेरिकी यात्रा का विस्तृत कार्यक्रम जारी किया था। इसके मुताबिक पीएम मोदी अमेरिका में क्वॉड बैठक में हिस्सा लेने के साथ–साथ कई दूसरे कार्यक्रम में भी हिस्सा लेंगे।

इस दौरान प्रधानमंत्री ट्रंप से भी मुलाकात कर सकते हैं। ट्रंप के राष्ट्रपति रहते 2017 से 2021 के दौरान पीएम मोदी और ट्रंप में एक मजबूत साझेदारी नजर आई थी। इस दौरान ह्यूस्टन में हाउडी मोदी और भारत में नमस्ते ट्रंप जैसे कार्यक्रम भी आयोजित हुए थे जिसने पूरी दुनिया का ध्यान खींचा था।

पीएम नरेंद्र मोदी विलमिंगटन, डेलावेयर में चौथे क्वाड लीडर्स समिट में हिस्सा लेंगे जिसकी मेजबानी 21 सितंबर को अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन कर रहे हैं। विदेश मंत्रालय की विज्ञप्ति में कहा गया है कि क्वाड समिट में नेता पिछले एक साल में क्वाड द्वारा हासिल की गई प्रगति की समीक्षा करेंगे और इंडो–पैसिफिक क्षेत्र के देशों को उनके लक्ष्यों को पूरा करने में मदद करने के लिए आने वाले साल के लिए एजेंडा तय करेंगे। वहीं 22 सितंबर को पीएम मोदी न्यूयॉर्क में भारतीय समुदाय की एक सभा को भी संबोधित करेंगे। विज्ञप्ति में कहा गया है कि वह एआई, क्वांटम कंप्यूटिंग, सेमीकंडक्टर और जैव प्रौद्योगिकी के अत्याधुनिक क्षेत्रों में दोनों देशों के बीच अधिक सहयोग को बढ़ावा देने के लिए अग्रणी अमेरिकी कंपनियों के सीईओ के साथ भी बातचीत करेंगे।

न्यूज ब्रीफ

अमेरिका में हैरिस और ट्रंप अब टीवी और रेडियो में खोलेंगे मोर्चा

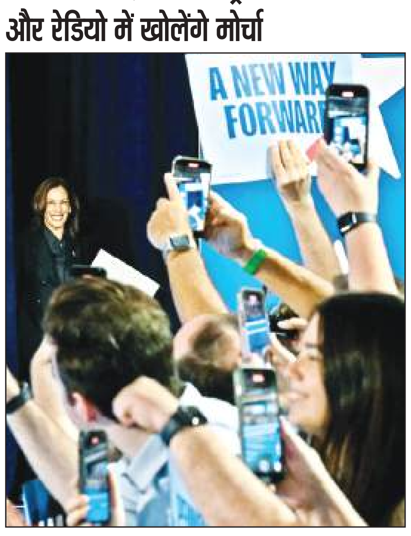

वाशिंगटन। अमेरिका में राष्ट्रपति चुनाव अब दिलचस्प मोड़ पर पहुंच चुका है। प्रचार के अंतिम सात सप्ताह राष्ट्रपति पद के दोनों उम्मीदवार पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और उपराष्ट्रपति कमला हैरिस का पूरा जोर संचार माध्यमों पर रहेगा। एक विज्ञापन ट्रैकिंग फर्म हवाले से खबर दी है कि राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार और उनके सहयोगी अभियान के अंतिम सात हफ्तों में टेलीविजन और रेडियो विज्ञापन पर आधा बिलियन डॉलर से ज्यादा खर्च करने की योजना बना रहे हैं। उपराष्ट्रपति कमला हैरिस का समर्थन करने वाले समूहों ने टेलीविजन और रेडियो विज्ञापनों के लिए 332 मिलियन डालर का एयरटाइम आरक्षित किया है। डोनाल्ड ट्रंप का समर्थन करने वाले समूहों ने इस पर लगभग 194 मिलियन डालर खर्च करने की योजना बनाई है। दोनों पक्ष सबसे ज्यादा खर्च पेंसिल्वेनिया में करेंगे।

मुझ पर जानलेवा हमला........शायद भगवान चाहते हैं कि मैं इस देश को बचाऊं : ट्रंप

न्यूयॉर्क। पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की जान लेने की दूसरी कोशिश की गई। उन्होंने पहली बार हमले पर कहा, शायद भगवान चाहते हैं कि मैं इस देश को बचाऊं। ट्रंप ने बताया कि उन्हें गोल्फ खेलने के दौरान अचानक गोलियों की आवाज सुनाई दी लेकिन वे समझ नहीं सके कि क्या हुआ? उन्होंने कहा कि सीक्रेट सर्विस ने उन्हें गोल्फ कार्ट से निकलकर सुरक्षित स्थान पर पहुंचाया। ट्रंप ने कहा, मैं अपने कुछ दोस्तों के साथ गोल्फ खेल रहा था, यह रविवार की सुबह थी और बहुत शांतिपूर्ण, सुंदर मौसम था, अचानक हमने हवा में गोलियां चलने की आवाज सुनी। उन्होंने बताया कि करीब चार या पांच गोलियां चलीं लेकिन मैं कुछ समझ नहीं सका। पूर्व राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा, सीक्रेट सर्विस को तुरंत पता चल गया कि यह गोलियां थीं और उन्होंने मुझे पकड़ लिया। ट्रंप ने यह जानकारी एक ऑनलाइन इंटरव्यू में दी। ट्रंप ने कहा, हम कार्ट्स में सवार हो आगे बढ़े। हम उस रास्ते से हट गए।

कनाडा में आम चुनाव से पहले पीएम ट्रूडो विपक्ष के सामने पड़ रहे कमजोर

ओटावा। कनाडा के पीएम जस्टिन ट्रूडो आम चुनाव से पहले राजनीतिक संकट का सामना कर रहे हैं। चुनाव पूर्व सर्वेक्षणों में उनका प्रदर्शन विपक्षी दलों के मुकाबले कमजोर दिख रहा है। इस बीच मॉन्ट्रियल के लासेल–एमार्ड–वर्डुन संसदीय क्षेत्र में उपचुनाव ट्रूडो के लिए एक अहम परीक्षा है। यह सीट लिबरल पार्टी की सुरक्षित मानी जाती है और यहां लिबरल पार्टी हारती है, तो इसका आगामी आम चुनावों पर गहरा असर पड़ेगा। उपचुनाव लिबरल सांसद के इस्तीफे के बाद हो रहे हैं। हालांकि इस क्षेत्र में लिबरल पार्टी को सामान्यत: जीत की उम्मीद है, सर्वेक्षणों के मुताबिक मुकाबला कड़ा है। लिबरल पार्टी हारती है, तो इसका पूरा ध्यान पीएम ट्रूडो पर जाएगा, जो करीब 9 सालों से पद पर हैं और हाल ही में उनकी लोकप्रियता में गिरावट आई है। पार्टी के कुछ नेता ने ट्रूडो के नेतृत्व पर सवाल उठाया है वे पद छोड़ दें। सर्वेक्षणों से पता चलता है कि लिबरल पार्टी आगामी संघीय चुनाव में कंजर्वेटिव पार्टी के पियरे पोलिएवर से बुरी तरह हार सकती है। लेगर पोल ने कंजर्वेटिव पार्टी को 45 फीसदी समर्थन दिया, जबकि लिबरल पार्टी केवल 25फीसदी समर्थन मिल रहा है। 2021 के चुनाव में, लिबरल्स ने लासेल–एमार्ड–वर्डुन में 43फीसदी वोट मिला था, जबकि क्यूबेकॉइस ब्लॉक और न्यू डेमोक्रेटिक पार्टी को 22फीसदी और 19फीसदी वोट मिले थे। अब पोल में तीनों पार्टियां करीब–करीब बराबरी पर हैं। लिबरल पार्टी ने चुनाव के दौरान पोलिएवर को पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के समर्थक के रूप में चित्रित करने की योजना बनाई है, जबकि पोलिएवर ने सीबीसी के फंडिंग को बंद करने का भी प्रस्ताव रखा है। इस उपचुनाव के परिणाम ट्रूडो की राजनीतिक दिशा को काफी हद तक निर्धारित कर सकते हैं और पूरे देश की राजनीति पर प्रभाव डाल सकते हैं।

पाक और अमेरिका के बीच आतंकवाद से निपटने आर्थिक और सुरक्षा मुद्दों पर नए सिरे से हुई चर्चा

इस्लामाबाद, 18 सितंबर (एजेंसियां)। पाकिस्तान और अमेरिका के बीच आतंकवाद से निपटने, आर्थिक और सुरक्षा मुद्दों पर सहयोग को मजबूत करने पर नए सिरे से चर्चा हुई है।

इस्लामाबाद स्थित अमेरिकी दूतावास ने एक बयान में कहा कि अमेरिका के कार्यवाहक राजनीतिक मामलों के अवर सचिव जॉन बास ने पाकिस्तान के उप प्रधानमंत्री एवं विदेश मंत्री इसहाक डार और सेना प्रमुख जनरल असीम मुनीर के साथ सोमवार को बैठक की और आर्थिक और सुरक्षा मुद्दों पर द्विपक्षीय सहयोग बढ़ाने पर चर्चा हुई। बैठक में आतंकवाद और हिंसक चरमपंथ का मुकाबला करने और क्षेत्रीय स्थिरता और समृद्धि को बढ़ावा देने जैसे मुद्दे भी शामिल थे। डॉन के अनुसार, श्री बैस के साथ प्रधान उप सहायक सचिव एलिजाबेथ होर्स्ट भी हैं।पाकिस्तान ने अर्थव्यवस्था और सुरक्षा के क्षेत्रों में अमेरिका के साथ आगे सहयोग पर बल दिया है। पाकिस्तान आतंकवाद के खतरे से निपटने के लिए सहयोग प्राप्त करने के लिए उत्सुक है, विशेष रूप से तहरीक–ए–तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) द्वारा फैलाया जा रहा आतंकवाद से। हालांकि, यह अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) वित्तपोषण के लिए अमेरिका पर बहुत ज्यादा निर्भर है। पाकिस्तान ने हाल ही में सात अरब डॉलर की विस्तारित निधि सुविधा की मंजूरी में देरी के कारण अमेरिका से फिर से संपर्क किया है, जो महीनों से लंबित है। पिछले सप्ताह, आईएमएफ ने अंततः 25 सितंबर को बोर्ड की बैठक के एजेंडे में पाकिस्तान को शामिल कर लिया। एक अन्य विचाराधीन विषय पाकिस्तान के माध्यम से अमेरिका में अफगान शरणार्थियों का प्रवास है। अमेरिका आमतौर पर इस मुद्दे पर पाकिस्तान की भागीदारी से असंतुष्ट है, जो 2021 में अफगानिस्तान पर तालिबान के शासन के साथ शुरू हुआ था।अमेरिकी दूतावास ने हालांकि एक बयान में कहा कि श्री बास ने अमेरिका में पुनर्वास के लिए अफगानों की सहायता करने के लिए पाकिस्तान के निरंतर सहयोग के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने पाकिस्तान के आसन्न प्रवास के दौरान 2025–26 में सुरक्षा परिषद के अस्थायी सदस्य के रूप में उसके साथ मिलकर काम करने की अमेरिका की इच्छा पर प्रकाश डाला। विदेश कार्यालय के अनुसार श्री डार के साथ अमेरिकी प्रतिनिधिमंडल की बैठक में पाकिस्तान–अमेरिका संबंधों और मौजूदा सहयोगात्मक पहलों पर चर्चा शामिल था। बातचीत के दौरान श्री बास ने पाकिस्तान और अमेरिका के बीच रचनात्मक और फलदायक बातचीत के महत्व पर बल दिया।

यूक्रेन को बर्बादी से कोई नहीं बचा सकता : कजाकिस्तान

अस्ताना , 18 सितंबर (एजेंसियां) ।

रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन युद्ध खत्म करने की बात तो करते हैं, लेकिन वे किसी भी तरह से यूक्रेन के सामने झुकने को तैयार नहीं हैं। वहीं, यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर ज़ेलेंस्की भी हथियार नहीं डालना चाहते और इसी वजह से जंग बदस्तूर जारी।

इस बीच, कजाकिस्तान के राष्ट्रपति कासिम–जोमार्ट टोकायेव ने एक ऐसा बयान दिया है, जिसे सुनकर जेलेंस्की के पांव के नीचे की जमीन खिसक सकती है। दरअसल, उनका कहना है कि रूस 'सैन्य रूप से अजेय' है।

अगर यूक्रेन युद्ध आगे बढ़ता है तो इसके परिणाम पूरी मानव जाति के लिए 'बहुत गंभीर' होंगे। उन्होंने सोमवार को जर्मनी के दौरे पर आए चांसलर ओलाफ स्कोल्ज से मुलाकात के दौरान यह बातें कही। कजाकिस्तान के राष्ट्रपति ने कहा, दुर्भाग्य से, इस्तांबुल ने समझौते की पुष्टि करने से इनकार कर दिया और सुलह हासिल करने का सबसे अच्छा अवसर खो दिया।

हालांकि, शांति के लिए अभी भी एक मौका है। विभिन्न देशों की सभी शांतिपूर्ण पहलों की सावधानीपूर्वक समीक्षा की जानी चाहिए। शत्रुता की समाप्ति के लिए एक समझौते पर पहुंचना ही चाहिए।

टोकायेव ने स्पष्ट किया कि उनके देश और यूक्रेन के बीच कोई मतभेद नहीं है। उन्होंने कहा कि कजाकिस्तान दूतावास अभी भी कीव में काम कर रहा है। बैठक के दौरान, दोनों नेताओं ने पुष्टि की कि वे पारस्परिक रूप से लाभकारी व्यापार और आर्थिक सहयोग बढ़ाने में रुचि रखते हैं।

रूस से मजबूत संबंध पश्चिमी प्रतिबंधों के प्रभाव को कम करेगा : ईरान

तेहरान, 18 सितंबर (एजेंसियां)। ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियन ने मंगलवार को कहा कि रूस के साथ सहयोग को मजबूत करने से दोनों देशों पर लगाए गए पश्चिमी प्रतिबंधों और अन्यायपूर्ण उपायों के प्रभावों को कम करने में मदद मिलेगी। राष्ट्रपति कार्यालय की वेबसाइट पर जारी एक बयान के अनुसार, श्री पेजेशकियन ने रूसी संघ सुरक्षा परिषद के सचिव सर्गेई शोइगु के साथ एक बैठक में यह टिप्पणी की।उन्होंने कहा कि द्विपक्षीय संबंधों को स्थायी, निरंतर और स्थायी पथ पर विकसित किया जाएगा। उन्होंने पुष्टि की कि उनका प्रशासन दोनों देशों के बीच सहयोग और संबंध को और आगे बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध है। श्री शोइगु ने रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन का संदेश दिया, जिसमें पुष्टि की गई कि क्षेत्रीय मुद्दों पर ईरान के साथ सहयोग पर रूस की स्थिति अपरिवर्तित बनी हुई है।अर्ध–सरकारी समाचार एजेंसी फ़ार्स ने बताया कि श्री शोइगु ने ईरान की सर्वोच्च राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद के सचिव अली अकबर अहमदियन से मुलाकात की और दोनों देशों के बीच समझौतों की समीक्षा की। अमेरिकी प्रतिबंधों के जवाब में ईरान और रूस ने प्रतिबंधों का मुकाबला करने के लिए अपने राजनीतिक और आर्थिक संबंधों को मजबूत किया है।

सिएटल में लगेगी वेश्यावृत्ति और नशीली दवाओं पर लगाम

वाशिंगटन, 18 सितंबर (एजेंसियां) ।

अमेरिका में सिएटल सिटी काउंसिल ने मंगलवार को दो नए विधेयक पारित किए। इनका उद्देश्य सार्वजनिक रूप से नशीली दवाओं के उपयोग, बिक्री और वेश्यावृत्ति पर लगाम लगाना है।

पहले विधेयक में यह प्रावधान है कि अब नशीलों दवाओं के सौदागरों के सिएटल शहर के मुख्य भाग स्टे आउट ऑफ ड्रग एरिया में प्रवेश करना प्रतिबंधित होगा।

नशीली दवाओं से संबंधित विधेयक लाने का प्रस्ताव काउंसिल सदस्य बॉब केटल ने किया। इसे सिटी अटॉर्नी एन डेविसन ने पेश किया। यह विधेयक 8 से 1 के अंतर से पारित हुआ। काउंसिल सदस्य टैमी मोरालेस ने इसके खिलाफ मतदान किया। दूसरा विधयेक उत्तरी सिएटल में ऑरोरा एवेन्यू से संबंधित है। यह जगह वेश्यावृत्ति और आवारागर्दी के लिए बदनाम है। इसमें कहा गया है कि सेक्स वर्कर को यहां से दूसरी जगह शिफ्ट किया जाएगा। काउंसिल सदस्य कैथी मूर का यह विधेयक भी 8 से 1 के अंतर से पारित हुआ। काउंसिल सदस्य टैमी मोरालेस ने इस विधेयक के खिलाफ भी मतदान किया।

एक साल पहले हादसे का शिकार पनडुब्बी की पहली तस्वीर आई सामने

3775 मीटर की गहराई पर तलहटी में दिखी पनडुब्बी की पिछली टेल कोन

वाशिंगटन, 18 सितंबर (एजेंसियां) ।

टाइटन पनडुब्बी हादसे के एक साल बीत जाने के बाद समुद्र तल से पनडुब्बी की पहली बार तस्वीर सामने आई है। जून 2023 में टाइटैनिक का मलबा देखने के समय टाइटन पनडुब्बी समुद्र में पानी के नीचे हादसे का शिकार हो गई थी। एक विस्फोट में पनडुब्बी में सवार सभी लोगों की मौत हो गई थी।

ताजा तस्वीर में पनडुब्बी की पिछली टेल कोन 3775 मीटर की गहराई पर तलहटी में बाहर की तरफ निकली दिखाई दे रही है। यह तस्वीर पिछले साल हादसे के बाद पनडुब्बी की खोज के दौरान रिमोट से चालने वाले वाहन से ली गई।

पनडुब्बी टाइटन पिछले साल 18 जून को कनाडा के न्यूफाउंडलैंड के तट पर उत्तरी अटलांटिक महासागर में टाइटैनिक को देखने के अभियान पर रवाना हुई थी।

इसमें कंपनी ओशनगेट के सीईओ स्टॉकटन रश, फ्रांसीसी खोजकर्ता पॉल हेनरी नारेगेओलेट, ब्रिटिश व्यवसायी हैमिश हार्डिंग, पाकिस्तानी–ब्रिटिश बिजनेसमैन शहजाद दाउद औन उनके बेटे सुलेमान सवार थे। पानी में उतरने के करीब दो घंटे बाद ही जहाज पोलर प्रिंस से संपर्क टूट गया। समय पर वापस नहीं आने के बाद अधिकारियों को सतर्क किया और पनडुब्बी को खोजने के लिए अभियान शुरू किया गया।

हादसे को लेकर यूएस कोस्ट गार्ड ने दो सप्ताह की लंबी सुनवाई की है। इसमें यह पता लगाया जा रहा है कि उस दिन क्या गलत हुआ और टाइटन का निर्माण करते समय ऑपरेटर ओशनगेट ने क्या प्रक्रिया अपनाई? सुनवाई में जहाज और पनडुब्बी के बीच हुए संपर्क के बारे में जानकारी दी गई। डेढ़ घंटे बाद जब टाइटन ने 3341 मीटर की गहराई पर था, तब वह जहाज को संदेश भेजने में सक्षम था। इसके छह सेकंड बाद 3346 मीटर की गहराई पर टाइनट को आखिरी बार पिंग किया। इस दौरान टाइटन और मदरशिप के बीच कोई संवाद नहीं हुआ, जिससे पनडुब्बी पर किसी परेशानी या आपातकाल का संकेत मिलता हो।

अमेरिकी अधिकारियों ने बताया था कि समुद्र के अंदर दबाव के चलते पनडुब्बी में एक विस्फोट हुआ जिसमें पनडुब्बी में सवार सभी लोगों की मौत हो गई। तीन घंटे तक खोज करने के बाद आखिरकार अमेरिकी कोस्ट गार्ड को बुलाया गया। चार दिनों तक चले अभियान में एक रिमोट से चलने वाले वाहन ने टाइटैनिक से करीब 500 मीटर दूर टाइटन के कुछ हिस्सों वाले मलबे के क्षेत्र की खोज की।

पहले शेख हसीना को भगाया अब मोहम्मद यूनुस के पीछे पड़े बीएनपी के कार्यकर्ता

ढाका, 18 सितंबर (एजेंसियां) ।

बांग्लादेश के लोग क्या चाहते हैं ये उन्हे खुद नहीं मालूम। पहले शेख हसीना के खिलाफ मोर्चा खोला और उन्हे देश से ही बाहर कर दिया। अब अंतरिम सरकार के मुखिया मोहम्मद यूनुस के पीछे बीएनपी के लोग पड़े हैं। यूनुस के नेतृत्व में बनाई गई अंतरिम सरकार के खिलाफ जनाक्रोश बढ़ता जा रहा है।

मंगलवार को हजारों लोग ढाका की सड़कों पर उतर आए, जिनमें मुख्य विपक्षी दल बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) के कार्यकर्ता और नेता भी शामिल थे। ये प्रदर्शनकारी जल्द चुनाव करवाकर लोकतांत्रिक ढंग से नई सरकार बनाने की मांग कर रहे थे।

मोहम्मद यूनुस को शेख हसीना के इस्तीफे के बाद देश की बागडोर सौंपी गई थी। उनका नेतृत्व अस्थायी सरकार का था, जिसका उद्देश्य देश में सुधार और स्थायित्व लाना था। हालांकि, यूनुस की सरकार ने अभी तक चुनाव की कोई स्पष्ट समयसीमा जारी नहीं की है, जिससे जनता में नाराजगी बढ़ रही है। यूनुस ने हाल ही में कहा था कि वह तब तक सत्ता में रहेंगे, जब तक लोग ऐसा चाहेंगे, लेकिन चुनाव की तारीख को लेकर कुछ भी स्पष्ट नहीं किया। बीएनपी के कार्यकारी अध्यक्ष तारीक रहमान ने कहा कि उनकी पार्टी ने शुरू में यूनुस सरकार द्वारा प्रस्तावित सुधारों का समर्थन किया था, लेकिन उन्होंने जोर देकर कहा कि यह सुधार तभी सार्थक होंगे जब लोगों को अपनी बात कहने का मौका मिलेगा। रहमान ने कहा, स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव ही देश में राजनीतिक सशक्तिकरण सुनिश्चित कर सकते हैं।

हालांकि, यूनुस की अंतरिम सरकार ने निर्वाचन आयोग और अन्य संस्थानों में सुधार की कई योजनाएं पेश की हैं, लेकिन चुनाव की तारीख घोषित न करने से विपक्ष और जनता में आक्रोश बढ़ता जा रहा है। बांग्लादेश की जनता और राजनीतिक दल अब जल्द से जल्द चुनाव की मांग कर रहे हैं, ताकि लोकतांत्रिक सरकार का गठन हो सके। यूनुस की अंतरिम सरकार को अभी 100 दिन भी नहीं हुए हैं, लेकिन चुनाव न कराने को लेकर लोगों में असंतोष बढ़ता जा रहा है। बीएनपी के कार्यकर्ता और नेता ढाका में पार्टी मुख्यालय के बाहर इकट्ठा हुए और चुनाव कराने की मांग करते हुए नारे लगाए। पूर्व प्रधानमंत्री खालिदा जिया के नेतृत्व वाली बीएनपी ने शुरू में तीन महीने के भीतर चुनाव कराने की मांग की थी, लेकिन बाद में सुधार लागू करने के लिए अंतरिम सरकार को समय देने की बात कही थी। अब बीएनपी का रुख बदलता नजर आ रहा है, और पार्टी जल्द चुनाव चाहती है।

जमशेदपुर से मिली हार पर मार्केज़ ने कहा-2020 में पहली बार भारत आने के बाद से मैं सबसे ज्यादा गुस्से में था

पणजी, 18 सितंबर (एजेंसियां)।

भारतीय राष्ट्रीय टीम और इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) में एफसी गोवा के मुख्य कोच के रूप में मनोलो मार्केज़ की शुरुआत अच्छी नहीं रही है। महीने की शुरुआत में, मार्केज़ की टीम को इंटरकॉन्टिनेंटल कप में सीरिया से 0-3 से हारने से पहले कम रैंकिंग वाली मालदीव के साथ गोल रहित ड्रॉ पर रोका गया था। इसके बाद उनके आईएसएल क्लब गोवा को सीजन के शुरुआती गेम में जमशेदपुर एफसी से 1-2 से हार का सामना करना पड़ा। गोवा ने पहले हाफ में बढ़त हासिल की, लेकिन अपने दबदबे को और अधिक गोल में नहीं बदल सका, जमशेदपुर ने अतिरिक्त समय में वापसी करते हुए गेम जीत लिया। मार्केज़ ने मंगलवार को मैच के बाद कहा, आज शायद वह दिन है जब मैं लगभग पांच साल पहले भारत आने के बाद से सबसे ज़्यादा गुस्से में था।

गोवा के पास 62प्रतिशत कब्ज़ा था, लेकिन वह सिर्फ़ पाँच शॉट ही टारगेट पर लगा पाया।

उन्होंने कहा, हम आज जैसा प्रदर्शन नहीं होने दे सकते, खासकर विदेशियों से। विदेशी खिलाड़ी पूरे खेल के दौरान मैदान पर घूम रहे थे। आप जानते हैं कि भारतीय खिलाड़ियों को उनकी जरूरत है, और अगर विदेशी खिलाड़ी मैदान पर घूम रहे हैं और अपना खेल खेल रहे हैं, तो हम सभी को परेशानी होगी।

उन्होंने ब्रिसन फर्नांडीस की तारीफ़ की, लेकिन उन्होंने कहा, किसी के बारे में अच्छा बोलना मुश्किल है क्योंकि हमने एक टीम के रूप में बहुत, बहुत खराब प्रदर्शन किया। एफसी गोवा को 2021 के बाद से अपने पहले प्लेऑफ़ में ले जाने वाले मार्केज़ को उम्मीद है कि यह हार गौर्स के लिए एक चेतावनी होगी।

मार्केज़ ने कहा, शायद आप मेरी बात पर यकीन न करें, लेकिन जब स्कोर 1-1 था और हम साइडलाइन से मैच देख रहे थे, तो मैंने बेंच पर बैठकर कहा था कि अगर हम मैच हार गए, तो यह हमारे लिए सकारात्मक होगा। यहां तक कि जब हैदराबाद एफसी ने 2021-22 में आईएसएल कप जीता था, तब भी मैं वहां था, हम चेन्नईयिन एफसी के खिलाफ पहला गेम हार गए थे, और टीम ने बहुत अच्छा जवाब दिया था। अब टीम का चरित्र देखते हैं।

गोवा का अगला मैच शनिवार को नव-प्रवर्तित मोहम्मडन एससी से है।

न्यूज ब्रीफ

कभी उम्मीद नहीं थी कि ऑस्ट्रेलिया के लिए 100 वनडे मैच खेल सकूंगा : एडम जम्पा

नई दिल्ली। इंग्लैंड के खिलाफ 19 सितंबर को ट्रेंट ब्रिज में ऑस्ट्रेलिया की आगामी एकदिवसीय श्रृंखला का पहला मैच एडम जम्पा के लिए 50 ओवर के प्रारूप में 100वां मैच भी होगा। इस मील के पत्थर तक पहुँचने के कगार पर खड़े जम्पा ने कहा कि उन्होंने कभी भी अपने देश के लिए वनडे में इतने मैच खेलने की उम्मीद नहीं की थी। जम्पा 100 वनडे खेलने वाले 32वें ऑस्ट्रेलियाई पुरुष खिलाड़ी बन जाएँगे। वह शेन वॉर्न और ब्रैग हॉग के बाद ऑस्ट्रेलिया के लिए यह उपलब्धि हासिल करने वाले सिर्फ तीसरे विशेषज्ञ स्पिनर बन जाएँगे। जम्पा की पत्नी हैरियट, बेटा यूजीन और माता-पिता डैरेन और एलिसन लेग स्पिनर को यह उपलब्धि हासिल करते देखने के लिए ट्रेंट ब्रिज में मौजूद रहेंगे। क्रिकेट डॉट कॉम डॉट एयू से बातचीत में जम्पा ने कहा, मुझे 100 वनडे खेलने पर गर्व है, मैंने कभी नहीं सोचा था कि मैं ऑस्ट्रेलिया के लिए इतना खेल पाऊंगा। जब आप देखते हैं कि आजकल लोग वनडे क्रिकेट में कितने मैच खेलते हैं, तो बहुत कम लोग 100 तक पहुंच पाते हैं, खासकर अतीत के लोगों की तुलना में; 1990 और 2000 के दशक की शुरुआत में निश्चित रूप से बहुत ज़्यादा वनडे क्रिकेट खेला जाता था और कोई टी20 नहीं होता था। मैं कुल मिलाकर 200 अंतरराष्ट्रीय मैच (191) खेलने के करीब पहुंच रहा हूं, इसलिए मुझे कभी नहीं लगा था कि मैं इतना खेल पाऊंगा। 99 वनडे मैचों में जम्पा ने 28.05 की औसत और 5.47 की इकॉनमी रेट से 169 विकेट लिए हैं। हालांकि जम्पा 2021 और 2023 में ऑस्ट्रेलिया के लिए क्रमशः टी20 विश्व कप और एकदिवसीय विश्व कप विजेता रहे हैं, उन्होंने कहा कि अधिक विश्व कप जीतने की चाह अभी भी उनके अंदर जल रही है, खासकर 2026 पुरुष टी20 विश्व कप को देखते हुए जो भारत और श्रीलंका में हो रहा है। उन्होंने कहा, अपने देश के लिए खेलना और जीतना, फ्रैंचाइज़ क्रिकेट खेलने और फ्रैंचाइज़ क्रिकेट जीतने से कहीं बेहतर है।

आईसीसी मुख्य कार्यकारी समिति में एसोसिएट सदस्य प्रतिनिधि के रूप में चुने गए सुमोद दामोदर

नई दिल्ली। सुमोद दामोदर (बोत्सवाना) को अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) के मुख्य कार्यकारी समिति (सीईसी) में एसोसिएट सदस्य प्रतिनिधि के रूप में चुना गया है। सुमोद, मुबाशिशर उस्मानी की जगह लेंगे। आईसीसी ने बुधवार को एक बयान जारी कर कहा, सुमोद दामोदर (बोत्सवाना) को गुप्त मतदान के बाद मुबाशिशर उस्मानी की जगह मुख्य कार्यकारी समिति (सीईसी) में एसोसिएट सदस्य प्रतिनिधि के रूप में चुना गया है। आईसीसी ने आगे कहा, आईसीसी वार्षिक सम्मेलन 2024 में आईसीसी एसोसिएट सदस्य निदेशकों के चुनाव के परिणाम के कारण मुख्य कार्यकारी समिति में मुबाशिशर उस्मानी के पद के लिए चुनाव हुआ था, क्योंकि वह दोनों पदों पर रहने में असमर्थ हैं। दामोदर शेष कार्यकाल पूरा करेंगे जो आईसीसी वार्षिक सम्मेलन 2025 के अंत में समाप्त होगा। वह रशपाल बाजवा (क्रिकेट कनाडा) और उमैर बट (डेनिश क्रिकेट एसोसिएशन) के साथ सीईसी में शामिल होंगे जो पिछले साल चुने गए थे।

अल नासर ने कोच लुइस कास्त्रो के क्लब छोड़ने की घोषणा की

नई दिल्ली। क्रिस्टियानो रोनाल्डो के सऊदी क्लब अल नासर ने निराशाजनक ड्रा के साथ अपने एएफसी चैंपियंस लीग एलीट अभियान की शुरुआत करने के एक दिन बाद मंगलवार को पुर्तगाली कोच लुइस कास्त्रो के जाने की घोषणा की। सोमवार को एशियाई प्रतियोगिता में इराक के अल शॉर्टा के साथ 1-1 के ड्रा के कारण क्लब के घरेलू सत्र की धीमी शुरुआत हुई। एक्स पर पोस्ट किए गए एक बयान में कहा गया, अल नासर घोषणा करता है कि मुख्य कोच लुइस कास्त्रो ने क्लब छोड़ दिया है। अल नासर में हर कोई लुइस और उनके कर्मचारियों को पिछले 14 महीनों के दौरान उनके समर्पित काम के लिए धन्यवाद देना चाहता है और उन्हें भविष्य के लिए शुभकामनाएं देता है। 63 वर्षीय कास्त्रो रोनाल्डो के 2023 की शुरुआत में क्लब में आने के बाद अल नासर को छोड़ने वाले तीसरे कोच हैं। फ्रांसीसी रूडी गार्सिया उस अप्रैल में तुरंत चले गए, उसके बाद पिछले साल जुलाई में कास्त्रो की नियुक्ति से पहले क्रोएशियाई कोच डिंको जेलिकिक ने क्लब में एक संक्षिप्त कार्यकाल बिताया। रोनाल्डो ने अभी तक रियाद क्लब के साथ सऊदी ट्रॉफी नहीं जीती है, उनका एकमात्र खिताब पिछले साल का अरब क्लब चैंपियंस कप है। अल नासर, जो पिछले सऊदी प्रो लीग सीज़न में दूसरे स्थान पर रहे थे, ने नए अभियान की शुरुआत में तीन मैचों में दो बार ड्रॉ खेला है।

गंभीर ने टेस्ट क्रिकेट को बढ़ावा देने के लिए की कोहली की सराहना,कहा-मजबूत गेंदबाजी लंबे प्रारुप में सफलता की कुंजी

नई दिल्ली , 18 सितंबर (एजेंसियां)।

भारतीय क्रिकेट टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर ने एक खिलाड़ी और एक कप्तान के रूप में टेस्ट क्रिकेट के प्रति विराट कोहली की अटूट प्रतिबद्धता की सराहना की है। गंभीर ने बीसीसीआई टीवी द्वारा साझा किए गए एक वीडियो में कोहली के साथ बातचीत के दौरान कहा, जब मैं आगे बढ़ रहा था, खासकर ऐसे समय में जब टी20 प्रारूप और आईपीएल मौजूद नहीं थे, प्रथम श्रेणी क्रिकेट ही मेरा अंतिम लक्ष्य था।

हम टेस्ट टीम में जगह बनाने के लिए तत्पर थे। सीमित ओवरों के प्रारूप में खेलना रोमांचक था, लेकिन हम हमेशा मानते थे कि हमें लाल गेंद वाले क्रिकेट में हमारे प्रदर्शन के आधार पर आंका जाएगा। खेल में आप जो विरासत छोड़ते हैं, वह इस बात से गहराई से जुड़ी होती है कि आप टेस्ट क्रिकेट में कितना अच्छा प्रदर्शन करते हैं। आपने यह बताकर बहुत बड़ी भूमिका निभाई कि टेस्ट क्रिकेट आपके लिए कितना महत्वपूर्ण है।

कोहली ने 2022 में भारत की टेस्ट टीम की कप्तानी छोड़ दी थी, उससे एक दिन पहले ही उन्होंने केपटाउन में दक्षिण अफ्रीका से 2-1 से टेस्ट सीरीज गंवा दी थी।

2015 की शुरुआत में जब एमएस धोनी ने ऑस्ट्रेलिया में अपने संन्यास की घोषणा की, तब कोहली ने पूर्णकालिक टेस्ट कप्तान के रूप में पदभार संभाला और भारत के अब तक के सबसे सफल टेस्ट कप्तान बन गए। टेस्ट कप्तान के रूप में कोहली का कार्यकाल काफी हद तक सफल रहा, क्योंकि उन्होंने टीम को आईसीसी रैंकिंग में नंबर 1 पर पहुंचाया और कई यादगार विदेशी जीत हासिल की। 2021 में, उन्होंने साउथेम्प्टन में उद्घाटन विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल में भारत का नेतृत्व किया।

कोहली ने टेस्ट कप्तान के तौर पर अपने समय को याद करते हुए कहा, जब मुझे कप्तान की भूमिका निभाने का मौका मिला, तो पुरानी टीम से नई टीम में जाने की चुनौती रोमांचक थी। मुझे याद है कि मैं सिर्फ़ 25 साल का था और ऐसे खिलाड़ियों के समूह का नेतृत्व कर रहा था जो बीस की उम्र के आसपास के थे। मेरा ध्यान इस बात पर था कि कैसे एक ऐसी टीम बनाई जाए जो हमारे से पहले की पीढ़ी की तरह ही हर जगह मशहूर हो सके।

उन्होंने कहा, मुझे पता था कि यह संयोग से नहीं हो सकता - इसके लिए सावधानीपूर्वक योजना बनाने की ज़रूरत थी। मैंने सोचना शुरू किया कि सात साल में भारतीय क्रिकेट को कहाँ पहुँचना चाहिए और उसी से समाधान निकलकर आया। हमें तेज़ गेंदबाज़ों और बल्लेबाज़ों के एक मज़बूत समूह की ज़रूरत थी जो पारी को संभाल सकें और ज़िम्मेदारी पाँच प्रमुख बल्लेबाज़ों और एक विकेटकीपर के बीच बाँटी जानी थी जो लगातार हमें 350-400 रन दिला सके। हम कुशनिंग के लिए सातवें बल्लेबाज़ पर निर्भर नहीं रह सकते थे। ये सभी विचार एक साथ आए और मैंने उन्हें टीम को उसी हिसाब से बताया।

गंभीर ने कहा कि आज की दुनिया में चुनौती अगली पीढ़ी को उसी तरह सोचने के लिए प्रेरित करना है, टेस्ट क्रिकेट को उतना ही महत्व देना जितना कि भारतीय क्रिकेटरों की मौजूदा पीढ़ी देती है।

गंभीर ने कहा, अगर हम उन्हें टेस्ट क्रिकेट को शिखर के रूप में देखने के लिए प्रेरित कर सकते हैं, तो भारतीय क्रिकेट मजबूत रहेगा। मेरा दृढ़ विश्वास है कि आपकी टेस्ट टीम जितनी मजबूत होगी, आपके समग्र क्रिकेटर उतने ही मजबूत होंगे।

गंभीर ने यह भी बताया कि कोहली ने बेहतरीन तेज गेंदबाजों का एक पूल बनाने पर जोर दिया, जिसकी वजह से भारत ने कई बार घरेलू और विदेशी मैदानों पर जीत दर्ज की।

उन्होंने कहा, आपने जो शानदार काम किया, वह एक बहुत मजबूत गेंदबाजी इकाई का निर्माण करना था। टेस्ट क्रिकेट में, जब तक आपके पास 20 विकेट लेने की क्षमता वाली लाइनअप नहीं होती, तब तक आप लगातार जीत नहीं सकते। यही बात आपको देश का सबसे सफल टेस्ट कप्तान बनाती है। इसका श्रेय आपको जाता है, क्योंकि छह या सात मजबूत बल्लेबाजों को बोर्ड पर रन बनाना आसान है, लेकिन जिस तरह से आपने पहचान की और, सबसे महत्वपूर्ण बात, मैदान पर सही रवैया दिखाया, खासकर तेज गेंदबाजों के साथ, वह उल्लेखनीय था। कल्पना कीजिए कि मोहम्मद शमी, जसप्रीत बुमराह, ईशांत शर्मा और उमेश यादव जैसे गेंदबाज हों और उनके साथ विदेशी मैच जीतें।

2014-15 के ऑस्ट्रेलिया दौरे पर, एडिलेड टेस्ट के आखिरी दिन 364 रन बनाने के लक्ष्य के साथ, कोहली ने शतक जड़ा, जो मैच का उनका दूसरा शतक था, जबकि भारत 48 रन से हार गया। यह उनका पहला टेस्ट था।

गंभीर ने उस मैच को याद करते हुए कहा, चुनौती के बावजूद, आप उस टेस्ट मैच को जीतने के लिए दृढ़ थे। यही मानसिकता है जिसके बारे में हम बात कर रहे हैं, और यही वह संस्कृति है जिसे हम आगे बढ़ाना चाहते हैं - एक ऐसी संस्कृति जहां खिलाड़ी टेस्ट क्रिकेट खेलने के लिए उत्सुक हों।

अगर आप किसी के व्यक्तित्व या चरित्र का आकलन करना चाहते हैं तो टेस्ट क्रिकेट सबसे अच्छा प्रारूप है। यह एक खिलाड़ी के बारे में सब कुछ बताता है। टेस्ट क्रिकेट में सफल होने के लिए, आपको केवल सबसे कुशल होने की आवश्यकता नहीं है; आपको इससे कहीं अधिक की आवश्यकता है।

गंभीर ने कहा, आपको अनुशासन, धैर्य, लड़ाई, करुणा, भावना और यहां तक कि सहानुभूति की भी जरूरत होती है, क्योंकि पांच दिनों तक संघर्ष करने के बाद भी आपको नहीं पता होता कि आपको परिणाम मिलेगा या नहीं।

गंभीर ने कहा कि आने वाले वर्षों में टेस्ट प्रारूप में भारत की सफलता टीम की गुणवत्ता वाले तेज गेंदबाजों की एक श्रृंखला को बनाए रखने की क्षमता पर निर्भर करेगी।

उन्होंने कहा, जब हम एक मजबूत रेड-बॉल टीम होने की बात करते हैं, तो बहुत कुछ अगली पीढ़ी के गेंदबाजों पर निर्भर करेगा। हमें गुणवत्ता वाले बल्लेबाज मिलते रहेंगे, क्योंकि भारतीय क्रिकेट की संरचना लगातार उन्हें तैयार करती है, लेकिन असली चुनौती यह है कि क्या गेंदबाजों की युवा पीढ़ी में 20 ओवर गेंदबाजी करने और विकेट लेने की प्रेरणा है।

बुमराह सभी प्रारूपों में दुनिया के सर्वश्रेष्ठ तेज गेंदबाज : गौतम गंभीर

चेन्नई, 18 सितंबर (एजेंसियां)।

भारतीय क्रिकेट टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर ने गुरुवार से बांग्लादेश के खिलाफ शुरू हो रहे भारत के पहले टेस्ट मैच से पहले जसप्रीत बुमराह की तारीफ करते हुए उन्हें दुनिया का सर्वश्रेष्ठ ऑल-फॉर्मेट तेज गेंदबाज बताया। बुमराह ने पिछले साल जून में अमेरिका और वेस्टइंडीज में भारत के विजयी टी20 विश्व कप अभियान में अहम भूमिका निभाई थी। अपने टेस्ट करियर में उन्होंने 36 मैचों में 20.69 की शानदार औसत से 159 विकेट लिए हैं और वनडे में उन्होंने 89 मैचों में 23.55 की औसत से 149 विकेट लिए हैं। प्री मैच कांफ्रेंस में जब गंभीर से पूछा गया कि क्या 30 वर्षीय बुमराह भारतीय टीम के सबसे मूल्यवान खिलाड़ी हैं, तो उन्होंने कहा, बुमराह तीनों प्रारूपों में दुनिया के सर्वश्रेष्ठ तेज गेंदबाज हैं। गंभीर ने कहा, भारत में ऐसा कई बार नहीं हुआ है कि हम गेंदबाजों के बारे में बात करने लगे हैं। यह हमेशा बल्लेबाजों के बारे में रहा है। भारत एक समय बल्लेबाजों के प्रति जुनूनी देश था। आपको बुमराह, शमी, सिराज, अश्विन, जडेजा को श्रेय देना होगा। टी20 विश्व कप जीतने के बाद बुमराह पहली बार मैदान पर वापसी करेंगे, क्योंकि भारत विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) के फाइनल में जगह पक्की करना चाहता है। भारत को बांग्लादेश और न्यूजीलैंड के खिलाफ घरेलू मैदान पर टेस्ट सीरीज खेलनी है, इसके बाद साल के अंत में ऑस्ट्रेलिया में पांच मैचों की टेस्ट सीरीज खेलनी है। गंभीर ने कहा, सबसे अच्छी बात यह है कि वह जितना हो सके उतना टेस्ट क्रिकेट खेलना चाहता है। उसने वेस्टइंडीज में टी20 प्रारूप में जो किया है, उसने इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट में जो किया है, उससे पता चलता है कि वह सफेद और लाल गेंद वाले क्रिकेट में क्या कर सकता है। यह सम्मान की बात है कि हमारे पास जसप्रीत बुमराह जैसा कोई खिलाड़ी है जो हमारे लिए खेल रहा है और ड्रेसिंग रूम में बैठा है, जो खेल के किसी भी चरण में बदलाव और अंतर ला सकता है।

आईसीसी महिला टी20 विश्व कप के लिए बांग्लादेश की टीम घोषित, निगार सुल्ताना होंगी कप्तान

ढाका, 18 सितंबर (एजेंसियां)।

बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) ने आगामी महिला टी 20 विश्व कप के लिए विकेटकीपर-बल्लेबाज निगार सुल्ताना जोटी के नेतृत्व में अपनी 15 सदस्यीय टीम की घोषणा की है। महिला टी-20 विश्व कप का आयोजन संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) में 3 से 20 अक्टूबर तक होने वाला है। आगामी वैश्विक आयोजन के लिए बांग्लादेश की टीम में जुलाई में महिला एशिया कप के लिए उतारी गई टीम से कुछ बदलाव किए गए हैं। लेग स्पिनर फहीमा खातून और बल्लेबाज सोभना मोस्टरी की टीम में वापसी हुई है, जबकि शीर्ष क्रम की अनकैप्ड बल्लेबाज ताज नेहर, सलामी बल्लेबाज शाति रानी और ऑलराउंडर दिशा बिस्वास को भी 15 सदस्यीय टीम में शामिल किया गया है।

बांग्लादेश की टीम में ऑलराउंडर रूमाना अहमद, बाएं हाथ की बल्लेबाज रुबिया हैदर झेलिक, ऑलराउंडर शोरिफा खातून, सलामी बल्लेबाज इश्मा तनजीम और बाएं हाथ की स्पिनर सबिकुन नाहर जेस्मिन को शामिल नहीं किया गया है। निगार, फहीमा, राबेया खान, शोरना अख्तर, दिलारा अख्तर, जहांआरा आलम और मारुफा अख्तर सहित बांग्लादेश की कुछ खिलाड़ी 'ए' टीम के दौरे के तहत श्रीलंका में हैं। 2024 महिला टी20 विश्व कप को 20 अगस्त को अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने बांग्लादेश से यूएई में स्थानांतरित कर दिया था, क्योंकि एशियाई देश में राजनीतिक अस्थिरता और सुरक्षा संबंधी चिंताएं थीं। टूर्नामेंट के नौवें संस्करण के लिए बांग्लादेश को 2009 के चैंपियन इंग्लैंड, 2016 के विजेता वेस्टइंडीज, दक्षिण अफ्रीका और स्कॉटलैंड के साथ ग्रुप बी में रखा गया है।

वे अपना अभियान 3 अक्टूबर को शारजाह में स्कॉटलैंड के खिलाफ शुरू करेंगे, उसके बाद 5 अक्टूबर को इंग्लैंड का सामना करेंगे। प्रत्येक समूह से शीर्ष दो टीमें क्रमशः 17 और 18 अक्टूबर को दुबई और शारजाह में सेमीफाइनल में प्रवेश करेंगी, उसके बाद 20 अक्टूबर को दुबई इंटरनेशनल स्टेडियम में फाइनल होगा।

दो महीनों के लिए इंडियन सुपर लीग से बाहर हुए लुका मैजसेन

मोहाली, 18 सितंबर (एजेंसियां)।

पंजाब एफसी के फॉरवर्ड लुका मैजसेन चोट के कारण लगभग दो महीनों के लिए इंडियन सुपर लीग से बाहर रहेंगे। उन्हें यह चोट रविवार को कोच्चि में केरला ब्लास्टर्स के खिलाफ सीजन ओपनर मैच के दौरान लगी।

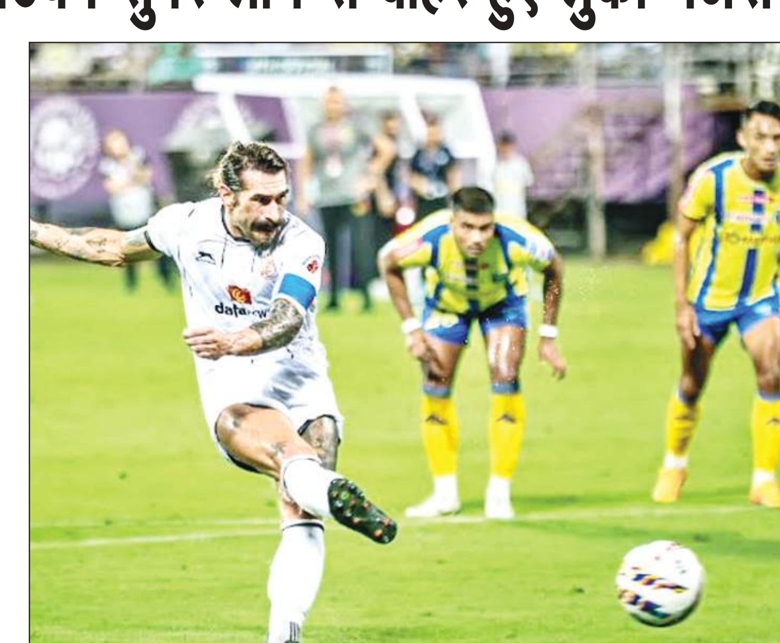

स्लोवेनियाई खिलाड़ी के जबड़े में दो फ्रैक्चर हुए हैं और वह आने वाले दिनों में सर्जरी कराएंगे। सर्जरी के बाद वे मेडिकल टीम की देखरेख में रहेंगे। उनके वापसी का समय 6-8 हफ्तों का अनुमान है, जो उनके चिकित्सा स्थिति और मेडिकल टीम की मंजूरी पर निर्भर करेगा।

फुटबॉल डायरेक्टर निकोलाओस टोपोलियाटिस ने कहा, यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि आने वाले मैचों में लुका की सेवाएं हमें नहीं मिल पाएंगी। यह केरला ब्लास्टर्स के खिलाड़ी की एक अवांछित आक्रामक फाउल थी, जिसके कारण लुका को चोट लगी।

हम एक क्लब के रूप में खेल के ऐसे आक्रामक स्वभाव का समर्थन नहीं करते जो किसी भी सकारात्मक परिणाम की ओर नहीं ले जाता। मैं उनकी जल्दी स्वस्थ होने की कामना करता हूं और उम्मीद करता हूं कि वे जल्द से जल्द टीम में वापस जुड़ेंगे।

लुका ने केरला ब्लास्टर्स के खिलाफ मैच में पहले पेनल्टी से टीम के लिए पहला गोल किया था और फिलिप म्रजल्जाक के विजयी गोल में सहायता भी दी थी, जिससे पंजाब एफसी ने अपने आईएसएल अभियान की शुरुआत जीत से की। पंजाब अब अपना अगला मैच शुक्रवार, 20 सितंबर को नई दिल्ली के जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में ओडिशा एफसी के खिलाफ खेलेगा।

मीराबाई चानू का काम अभी अधूरा है : भारोत्तोलन कोच विजय शर्मा

नई दिल्ली , 18 सितंबर (एजेंसियां)।

अनुभवी भारोत्तोलन कोच विजय शर्मा ने कहा कि सैखोम मीराबाई चानू में अभी भी बहुत कुछ बाकी है। टोक्यो ओलंपिक की रजत पदक विजेता पिछले महीने पेरिस ओलंपिक में चौथे स्थान पर रहीं और महिलाओं के 49 किग्रा वर्ग में कांस्य पदक से चूक गईं।

पिछले हफ्ते मोदीनगर में महिला भारोत्तोलन लीग के इतर बोलते हुए शर्मा, जो 2014 से मीराबाई के साथ काम कर रहे हैं, ने कहा, पेरिस के बाद, हम दोनों ने भविष्य पर चर्चा की और फैसला किया कि मीराबाई को प्रतिस्पर्धी भारोत्तोलन में बने रहना चाहिए।

पेरिस में कड़ी प्रतिस्पर्धा में मीराबाई को थाईलैंड की सुरोदचाना खंबाओ ने कांस्य पदक मुकाबले में हराया। खंबाओ ने कुल 200 किलोग्राम (88 स्नैच + 112 किलोग्राम क्लीन एंड जर्क) उठाया, जबकि मीराबाई ने 199 (88 + 111) किलोग्राम उठाया। चीन की होउझिहुई (206 किलोग्राम) ने टोक्यो ओलंपिक में अपना स्वर्ण पदक बरकरार रखा, जबकि मौजूदा यूरोपीय चैंपियन रोमानिया की मिहेला कैम्बेई (205 किलोग्राम) ने रजत पदक जीता।

मोदीनगर में भारोत्तोलन सुविधा विकसित कर रहे शर्मा ने साई मीडिया से कहा, मैं 2014 से मीराबाई के साथ काम कर रहा हूं और वह बहुत अनुशासित एथलीट हैं। मीराबाई पेरिस में चौथे स्थान पर रहीं और हम दोनों को लगता है कि अभी कुछ और काम करना बाकी है। हम अगले कॉमनवेल्थ गेम्स (2026 में) और एशियाई खेलों (2026 में नागोया, जापान) पर विचार कर रहे हैं। उनकी कैबिनेट में एशियाई खेलों का पदक नहीं है और हम उसे हासिल करने के लिए हरसंभव प्रयास करेंगे।

2023 में आयोजित हांग्जो एशियाई खेल मीराबाई के लिए बुरे सपने की तरह साबित हुए। एशियाई खेलों में पहला पदक जीतने से कुछ ही दूर, 29 वर्षीय मणिपुरी भारोत्तोलक को कूल्हे में चोट लग गई और वह पांच महीने तक बाहर रहीं। उन्होंने शानदार रिकवरी की और पदक की उम्मीद के तौर पर पेरिस ओलंपिक में जगह बनाई।

मीराबाई ने कहा, मैंने अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया और चोट से वापस आने के बाद जहां मैंने प्रदर्शन किया, उससे खुश हूं।

राष्ट्रीय कोच ने कहा कि भारत का भारोत्तोलन का भविष्य इस बात पर निर्भर करता है कि महिलाएं कितनी मेहनत करती हैं।

उन्होंने कहा, भारत में, महिला भारोत्तोलन का भविष्य उज्ज्वल है। आपने देखा होगा कि कैसे कर्णम मालेश्वरी ने 2000 में ओलंपिक पदक जीता, फिर मीराबाई चानू ने 2020 में...मैं 25 साल से भारोत्तोलन में हूं, मैं दृढ़ता से कह सकता हूं कि केवल महिलाएं ही हमें 2028 और 2032 में ओलंपिक पदक दिला सकती हैं। पुरुषों को ओलंपिक की उम्मीदों पर खरा उतरने के लिए वास्तव में बहुत मेहनत करनी होगी।

शुभ लाभ

वर्ल्ड फूड इंडिया 2024 का गुरुवार से नई दिल्ली में शुरू होगा चार दिवसीय मेगा इवेंट

नई दिल्ली,18 सितंबर (एजेंसियां)।

देश की राजधानी नई दिल्ली में चार दिवसीय मेगा फ़ूड इवेंट वर्ल्ड फ़ूड इंडिया 2024 गुरुवार से शुरू होने जा रहा है। इस मेगा इवेंट का आयोजन 19 से 22 सितंबर, 2024 तक भारत मंडपम में किया जा रहा है। इस आयोजन में नीति निर्माताओं, नियामकों, वैश्विक निवेशकों, व्यवसाय नेताओं, और खाद्य कंपनियों के प्रमुख अधिकारी शामिल होंगे।

खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्रालय ने बुधवार को जारी एक बयान में बताया कि केंद्रीय खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्री चिराग पासवान इस कार्यक्रम के दौरान उपस्थित लोगों को संबोधित करेंगे तथा भारत में खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र के विकास के लिए सरकार की पहलों और भविष्य की योजनाओं पर प्रकाश डालेंगे। कार्यक्रम के पहले दिन एक उच्च स्तरीय मुख्य कार्यकारी अधिकारियों (सीईओ) का गोलमेज सम्मेलन भी आयोजित किया जाएगा, जिसकी सह-अध्यक्षता केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल और चिराग पासवान करेंगे। रवनीत सिंह बिट्टू भी सीईओ गोलमेज सम्मेलन को संबोधित करेंगे।

मंत्रालय के मुताबिक इस कार्यक्रम में केंद्रीय उपभोक्ता मामले, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण तथा नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्री प्रहलाद जोशी, केंद्रीय खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्री चिराग पासवान तथा खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्रालय एवं रेल मंत्रालय के राज्य मंत्री रवनीत सिंह बिट्टू भी उपस्थित रहेंगे। मंत्रालय के मुताबिक चिराग पासवान और रवनीत सिंह बिट्टू उद्योग जगत के नेताओं के साथ आमने-सामने चर्चा करेंगे तथा विदेशी देशों के मंत्रियों और प्रतिनिधिमंडलों के साथ द्विपक्षीय जी2जी बैठकें करेंगे।

बयान के मुताबिक खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्रालय भारत मंडपम में वर्ल्ड फ़ूड इंडिया 2024 की मेजबानी करने जा रहा है, जो 70 हजार वर्ग मीटर के विशाल क्षेत्र को कवर करेगा। मंत्रालय ने कहा कि 19-22 सितंबर, 2024 तक होने वाले इस बहुप्रतीक्षित वैश्विक आयोजन में 90 से अधिक देश, 26 भारतीय राज्य एवं केंद्र शासित प्रदेश और 18 केंद्रीय मंत्रालय तथा और संबद्ध सरकारी निकाय भाग लेंगे।

न्यूज़ ब्रीफ

अमेजन ने समीर कुमार को भारत का 'कंट्री मैनेजर' किया नियुक्त

नई दिल्ली। ई-कॉमर्स क्षेत्र की दिग्गज कंपनी अमेजन ने समीर कुमार को भारत का 'कंट्री मैनेजर' नियुक्त करने का ऐलान किया है। कुमार मौजूदा 'कंट्री मैनेजर' मनीष तिवारी की जगह लेंगे। वे एक अक्टूबर से भारत की परिचालन संबंधी जिम्मेदारियां संभालेंगे। कंपनी ने बुधवार को शीर्ष नेतृत्व में बदलाव की जानकारी देते हुए कहा है कि समीर कुमार को भारत का 'कंट्री मैनेजर' नियुक्त किया गया है। अमेजन ने कहा कि भारत के मौजूदा 'कंट्री मैनेजर' मनीष तिवारी के इस्तीफे के बाद कंपनी ने यह फैसला लिया है। कुमार इस बदलाव पर मनीष तिवारी के साथ मिलकर काम कर रहे हैं। अमेजन के वरिष्ठ उपाध्यक्ष अमित अग्रवाल ने एक आंतरिक ई-मेल में कहा कि 25 साल का अनुभव रखने वाले समीर कुमार अब कंपनी के भारत उपभोक्ता व्यवसाय की देख-रेख करेंगे, क्योंकि अमेजन इंडिया के वर्तमान 'कंट्री मैनेजर' मनीष तिवारी ने अमेजन के बाहर अवसर तलाशने का फैसला किया है। वे एक अक्टूबर से भारत की परिचालन संबंधी अपनी जिम्मेदारियों को संभालेंगे। कुमार 1999 में अमेजन में शामिल हुए थे।

श्राद्ध की शुरुआत होते ही सस्ता हुआ सोना, चांदी के भाव में भी आई गिरावट

नई दिल्ली। श्राद्ध की शुरुआत होते ही घरेलू सर्राफा बाजार में गिरावट का रुख नजर आ रहा है। इस कमजोरी के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना 75,030 रुपये से लेकर 74,880 रुपये प्रति 10 ग्राम के दायरे में कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना भी 68,790 रुपये से लेकर 68,640 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। सोने की तरह ही चांदी के भाव में भी गिरावट दर्ज की गई है। कीमत गिरने के कारण दिल्ली सर्राफा बाजार में चांदी की कीमत 91,900 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर पहुंच गई है। देश की राजधानी दिल्ली में 24 कैरेट सोना 75,030 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 68,790 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 74,880 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 68,640 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 74,930 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 68,690 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना 74,880 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 68,640 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में भी 24 कैरेट सोना 74,880 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 68,640 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर आ गया है।

सरकार ने खाद्य तेल कंपनियों का खेल बिगाड़ा कहा- आयात शुल्क बढ़ा है पर आप दाम न बढ़ाएं

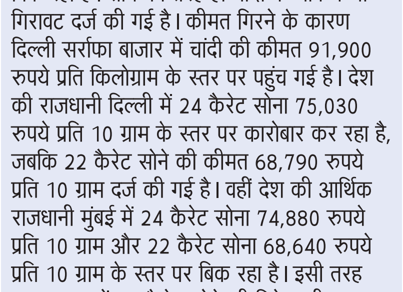

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने खाद्य तेलों पर आयात शुल्क बढ़ाया है। इसके बाद कंपनियों की प्लानिंग थी कि आयात शुल्क बढ़ने की आड़ में ख़ाद्य तेलों के खुदरा दाम बढ़ा देंगे। इस आशंका के चलते ये सब होता इससे पहले ही सरकार ने कंपनियों के पूरे प्लान को चौपट कर दिया। सरकार ने कहा कि आयात शुल्क बढ़ाया गया है लेकिन इसका मतलब ये नहीं है के कंपनिया खुदरा दाम बढ़ाएं। क्योंकि कंपनियों के पास कम शुल्क पर आयातित तेल आसानी से 45-50 दिनों तक का स्टॉक पहले से ही रखा हुआ है। बता दें कि पिछले सप्ताह, केंद्र ने घरेलू तिलहन कीमतों का समर्थन करने के लिए विभिन्न खाद्य तेलों पर मूल सीमा शुल्क में वृद्धि की थी। इस महीने की 14 तारीख से प्रभावी, कच्चे सोयाबीन तेल, कच्चे पाम तेल और कच्चे सूरजमुखी तेल पर मूल्य सीमा शुल्क को शून्य से बढ़ाकर 20 प्रतिशत कर दिया गया है। इससे कच्चे तेलों पर प्रभावी शुल्क 27.5 प्रतिशत हो गया है। इसके अतिरिक्त, रिफाइंड पाम तेल, रिफाइंड सूरजमुखी तेल और रिफाइंड सोयाबीन तेल पर मूल सीमा शुल्क 12.5 प्रतिशत से बढ़ाकर 32.5 प्रतिशत कर दिया गया है ।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

अन्यथा सिंधु ...

सिंधु नदी चार देशों के बीच विवाद का विषय रही है। सन् 1947 में देश के आजाद होने के समय से ही यह विवाद चला आ रहा है। ये चार देश हैं भारत, पाकिस्तान, अफगानिस्तान और चीन। जबकि यह नदी तिब्बत से प्रवाहित होती है। भारत और पाकिस्तान के बीच इस नदी को लेकर कई बार विवाद हो चुके हैं। पाकिस्तान को सबक सिखाने के लिए भारत ने जब 1948 में उसे पानी देना बंद कर दिया तब पाकिस्तान ने संयुक्त राष्ट्र में जाकर गुहार लगाई। जिसके बाद संयुक्त राष्ट्र की पहल पर विश्व बैंक ने 1954 में यह समझौता कराया, जिस पर 1960 में जाकर दस्तखत हो सका। तब जल बंटवारे पर विवाद को देखते हुए संयुक्त राष्ट्र ने एक स्थायी सिंधु आयोग की स्थापना की थी। इस संधि के मुताबिक घरेलू उपयोग के लिए इस नदी का 20 फीसदी पानी भारत और 80 फीसदी पानी पाकिस्तान उपयोग कर सकता था। लेकिन कालांतर में इसके उपयोग में अतिक्रमण और नियम उल्लंघन को लेकर दोनों देशों ने एक-दूसरे पर आरोप लगाए। समझौते के मुताबिक बाढ़ जैसी प्राकृतिक आपदा और विशेष परिस्थिति में पानी की निकासी स्वतंत्र तौर पर हो सकेगी।

सीमा पर बहने वाली नदियां जम्मू-कश्मीर और पंजाब के लिए काफी अहम हैं। भारत ने तीन सतलुज नदी पर भाखड़ा डैम, ब्यास नदी पर पोंग, पंडोह डैम वहीं रावी पर रंजीत सागर डैप का निर्माण किया है। पाकिस्तान में रावी से करीब 2 एमएएफ पानी हर साल बेकार बह जाता है। भारत ने इसे रोकने का कई बार प्रयास किया। मसलन पंजाब और जम्मू-कश्मीर में एग्रीकल्चर और पावर प्रोजेक्ट में थीन डैम से आने वाले पानी के उपयोग के लिए शाहपुर कंडी प्रोजेक्ट बनाया।

भारत के पानी से पाकिस्तान ने काफी फायदा उठा लिया। अब भविष्य में यह नहीं चलने वाला है। भारत ने सिंधु जल समझौते में बदलाव की बात कही है। भारत ने इस संदर्भ में पाकिस्तान को औपचारिक नोटिस भेजी है। पाकिस्तान को दिए गए नोटिस में कहा गया है कि मौजूदा हालात में सिंधु जल संधि को आगे बनाए रखना संभव नहीं है। संधि में बदलाव की जरूरत है। भारत और पाकिस्तान के बीच में साल 1960 में सिंधु और बाकी पांच नदियों के पानी को लेकर समझौता किया गया था। सिंधु जल समझौते के आर्टिकल-12 (3) के तहत इसके प्रा-वधानों में समय-समय पर बदलाव किया जा सकता है। ताकि समयानुसार दोनों देशों की भलाई हो सके। भारत सरकार की तरफ से कहा गया है कि 1960 से अब तक हालात काफी बदल चुके हैं। लिहाजा, सिंधु जल समझौते की शर्तों में बदलाव करने की जरूरत है। भारत ने संधि में बदलाव के तीन अहम कारण बताए हैं। पहला कारण यह है कि भारत की जनसंख्या में भारी बदलाव हुआ है। इसकी वजह से पानी का इस्तेमाल अप्रत्याशित रूप से काफी बढ़ गया है। दूसरा कारण है कि जिस तरह से भारत को क्लीन एनर्जी के क्षेत्र में विकास चाहिए, उस तरह से भारत विकास नहीं कर पा रहा है। इसका भी हल पानी के जरिए ही निकल सकता है। इसके अलावा तीसरा कारण यह बताया गया है कि सीमा पार से लगातार आतंकवाद की वजह से समझौते पर असर पड़ रहा है। भारत की परेशानी किशनगंगा और रैटल हाइड्रोइलेक्ट्रिक प्रोजेक्ट को लेकर कायम पाकिस्तान के रुख पर भी है। भारत का कहना है कि पाकिस्तान इन प्रोजेक्ट्स में समस्या पैदा कर सकता है।

उल्लेखनीय है कि स्वतंत्रता के समय, दो नवनिर्मित स्वतंत्र देशों पाकिस्तान और भारत के बीच सिंधु बेसिन के आर पार एक सीमा रेखा खींची गई थी। इसके अतिरिक्त, दो महत्वपूर्ण सिंचाई संबंधी मुख्य कार्य, एक रावी नदी पर माधोपुर में और दूसरा सतलुज नदी पर फिरोजपुर में, जिन पर पाकिस्तान पूर्णत: निर्भर था, को भारतीय क्षेत्र में दे दिया गया था। इस प्रकार सिंचाई जल के उपयोग के संबंध में दोनों देशों के बीच विवाद उत्पन्न हुआ। अंतरराष्ट्रीय पुनर्गठन और विकास बैंक (विश्व बैंक) के तत्वावधान में समझौता हुआ जिसे सिंधु जल समझौता कहा गया। इस संधि पर विश्व बैंक के डब्लू एबी इलिफ की मौजूदगी में कराची में पाकिस्तान के तत्कालीन फील्ड मार्शल मोहम्मद अय्यूब खान और भारत के तत्कालीन प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू द्वारा 19 सितंबर 1960 को हस्ताक्षर किया गया। सिंधु जल संधि के तहत रावी सतलुज और व्यास नदियों के पानी पर भारत का विशेष अधिकार है। पाकिस्तान सिंधु, झेलम और चिनाब नदियों पर नियंत्रण रखता है। भारत को पश्चिमी नदियों पर प्रोजेक्ट्स के निर्माण की मंजूरी मिली थी। इस समझौते पर अमल की निगरानी के लिए सिंधु जल आयोग का भी गठन हुआ और इसकी मीटिंग हर साल होती है।

भारत गीदड़...

उल्लेखनीय है कि भारत वियना समझौते के लॉ ऑफ ट्रीटीज की धारा 62 का हवाला देते हुए इस समझौते से यह कह कर पीछे हट सकता है कि पाकिस्तान चरमपंथी गुटों का उसके खिलाफ इस समझौते का इस्तेमाल कर रहा है। अंतरराष्ट्रीय न्यायालय का यह कहना है कि अगर मूलभूत स्थितियों में परिवर्तन हो तो किसी संधि को रद्द किया जा सकता है। हालांकि भारत समय-समय पर पानी को नियंत्रित करने पर अपने भौगोलिक अधिकारों का हवाला देता आया है, लेकिन भारत ने इसके बावजूद अब तक कोई कदम नहीं उठाया। पाकिस्तान भारत के साथ पानी के बंटवारे को कश्मीर के चश्मे से देखता है। भारत के लिए पाकिस्तान के साथ हुए जल संधि के बारे में कोई भी कड़ा कदम लेने से पहले को चीन, बांग्लादेश और नेपाल जैसे सह-तटीय देशों के साथ साथ अपने राजनीतिक और राजनयिक हितों की रक्षा का ख्याल भी आड़े आता है। ब्रह्मपुत्र पर चीनी हाइड्रो प्लांट पहले से ही परेशानी का सबब है। यही वजह है कि भारत और पाकिस्तान के बीच 63 सालों की दुश्मनी के बावजूद पानी का सौदा अभी भी खत्म नहीं हुआ है।

पिछले कुछ वर्षों के दौरान भारत-पाकिस्तान के बीच हुए विवादों में सिंधु जल समझौते को तोड़ने की बात उठती रही है। पाकिस्तान भारत की बड़ी जलविद्युत परियोजनाओं पाकल (1,000 मेगावाट), रातले (850 मेगावाट), किशनगंगा (330 मेगावाट), मियार (120 मेगावाट) और लोअर कलनाई (48 मेगावाट) पर आपत्ति उठाता रहा है। जबकि भारत का कहना है कि कश्मीर के जल संसाधनों का वहां के लोगों को लाभ नहीं मिल रहा है। अंतरराष्ट्रीय मामलों के कई विशेषज्ञों का मानना है कि भारत को सिंधु जल संधि तोड़ देनी चाहिए, इससे आतंकवाद बढ़ाने का पाकिस्तान का तौर तरीका बंद हो सकता है। जम्मू कश्मीर में भाजपा-पीडीपी की साझा सरकार की मुख्यमंत्री महबूबा मुफ्ती ने भी उस समय कहा था कि सिंधु जल संधि से राज्य को 20 हजार करोड़ का नुकसान हो रहा है। इसकी भरपाई के लिए केंद्र सरकार को तत्काल कदम उठाना चाहिए।

निर्बाध सम्पन्न ...

पुलवामा में 46.22 प्रतिशत, जैनापोरा में 52.64 प्रतिशत, शंगस-अनंतनाग पूर्व में 52.94 प्रतिशत, शोपियां में 54.72 प्रतिशत, देवसर में 54.73 प्रतिशत, श्रीगुफवारा-बिजबिहाड़ा में 56.02 प्रतिशत, डूरू में 57.9 प्रतिशत, कोकेरनाग (एसटी) में 58 प्रतिशत, कुलगाम में 59.58 प्रतिशत, भद्रवाह में 65.27 प्रतिशत, डी.एच. पोरा में 65.27 प्रतिशत, रामबन में 67.34 प्रतिशत, पहलगाम में 67.86 प्रतिशत, बनिहाल में 68 प्रतिशत, डोडा में 70.21 प्रतिशत, डोडा पश्चिम में 74.14 प्रतिशत, किश्तवाड़ में 75.04 प्रतिशत, पाडर-नागसेनी में 76.8 प्रतिशत और इंद्रवल में 80.06 प्रतिशत वोटिंग हुई।

जम्मू कश्मीर में पहले चरण का मतदान प्रारंभ होने पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जम्मू कश्मीर के लोगों से बड़ी संख्या में मतदान करने की अपील की। प्रधानमंत्री मोदी ने सोशल मीडिया पर लिखा, जम्मू कश्मीर में पहले चरण का मतदान शुरू हो गया है। मैं सभी विधानसभा के लोगों से अपील करता हूं कि वह बड़ी संख्या में मतदान करें और लोकतंत्र के पर्व को मजबूत करें। मैं खासकर युवाओं और पहली बार मतदान करने जा रहे लोगों से अपील करता हूं कि अपने मताधिकार का जरूर इस्तेमाल करें।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने लिखा, आतंक मुक्त जम्मू-कश्मीर का निर्माण, वहां नागरिकों के अधिकारों की रक्षा और विकास कार्यों को गति दृढ़ इच्छाशक्ति वाली सरकार ही दे सकती है। आज जम्मू-कश्मीर विधानसभा चुनाव के पहले चरण में मतदान के लिए जा रहे मतदाताओं से मेरी यह अपील है कि एक ऐसी सरकार बनाने के लिए बढ़-चढ़कर मतदान करें, जो यहां के युवाओं की शिक्षा, रोजगार, महिलाओं के सशक्तीकरण और क्षेत्र में अलगाववाद व परिवारवाद की समाप्ति के लिए प्रतिबद्ध हो। पहले मतदान, फिर जलपान। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने भी लोगों से मतदान प्रक्रिया में बढ़-चढ़कर भाग लेने की अपील की।

तब बूथ पर जाते ...

पंडितजी वापस जाओ आपका वोट डल गया। 34 वर्ष पूर्व भाजपा नेता टीका लाल टपलू की श्रीनगर में आतंकियों ने हत्या कर दी थी। यह घाटी में किसी पंडित राजनेता की पहली हत्या थी। टपलू के बेटे आशुतोष कहते हैं, पंडितों पर कितने ही जुल्म हुए, पर उन्होंने न हथियार उठाए, न पत्थर मारे और न ही प्रदर्शन किए। सिर्फ सब्र किया।

अंजलि रैना बीए में थीं, जब 1990 में श्रीनगर का घर छोड़कर जम्मू भना पड़ा। तुलमुल में खीर भवानी मंदिर के कुंड में दूध चढ़ाते हुए वह कहती हैं, इस पानी का रंग कश्मीर पर आई आपदाओं के साथ बदल जाता है। जब पंडितों को भगाया गया तो कुंड का पानी काला हो गया था। रोशनलाल मावा कहते हैं, 1990 में वह ऑफिस में थे। एक आतंकी आया और सौंफ मांगी। इसके बाद पेट-कंधे में चार गोलियां दाग दीं। बच तो गए, पर जख्म कभी नहीं भरे। पीएन भट्ट कहते हैं, पंडितों की वापसी की गारंटी कोई पार्टी नहीं दे सकती। यहां सच्चा चुनाव कभी हुआ ही नहीं।

पत्थरबाजी, प्रदर्शन, हड़ताल व आतंकवाद के लिए बदनाम श्रीनगर के डाउनटाउन में हब्बा कदल वह सीट है जहां सबसे ज्यादा वोटर व सबसे ज्यादा प्रत्याशी कश्मीरी पंडित हैं। छह पंडित उम्मीदवार इस सीट से लड़ रहे हैं और करीब 25 हजार वोटर पंडित हैं। 1987 में प्यारेलाल हांडू ने यहां से चुनाव लड़ा था। इसी सीट से दो बार वह जीते भी। 2002 में रमन मट्टू यहां से निर्दलीय लड़कर जीते व मुफ्ती सरकार में मंत्री बने। इस बार भाजपा के अशोक भट्ट उम्मीदवार हैं। संजय सराफ चौथी बार चुनाव लड़ रहे हैं। वे कहते हैं, मेरे लिए प्रचार करने वाली भीड़ में 99 प्रतिशत मुसलमान हैं।पॉलिटिक्स का ये एंगल खास है कि ये कश्मीरी पंडित या तो निर्दलीय हैं या फिर ऐसे किसी दल के हिस्से मैदान में हैं जिसकी हैसियत कुछ खास नहीं। भाजपा के अलावा किसी भी बड़े दल ने उन्हें टिकट नहीं दिया। संजय सराफ बिहार वाले पशुपति पारस की राष्ट्रीय लोक जनशक्ति पार्टी के टिकट पर हब्बा कदल से चुनाव लड़ रहे हैं। रामदास आठवले की रिपब्लिकन पार्टी से पुलवामा की राजपोरा सीट पर डेजी रैना कश्मीर से चुनाव लड़ने वाली पहली पंडित महिला उम्मीदवार हैं। श्रीनगर जादिबल से राकेश हांडू, बडगाम से संजय परवा, शंगस से दिलीप पंडिता व पांपोर से रमेश वांगू निर्दलीय लड़ रहे हैं। ऑल अलायंस डेमोक्रेटिक पार्टी से अशोक कुमार काचरू भद्रवाह से इकलौते पंडित प्रत्याशी हैं। वहीं अपनी पार्टी ने एमके योगी को टिकट दिया है।

सब्र के हवाले अपनी जमीनों से इतने साल बेदखल रहने वाले कश्मीरी पंडितों को 10 साल बाद सियासत के इस उत्सव से वापसी की उम्मीद नहीं है। वो बस कश्मीर की खैरियत चाहते हैं, ताकि यहां उनके अपने सलामत रहें, और साल में जब अष्टमी पर देवी पूजा के लिए वो यहां आए तो दुआओं के साथ सुकून भी हासिल हो।

एक देश एक...

उन्होंने यह भी कहा कि कोविंद समिति की सिफारिशों पर पूरे भारत में विभिन्न मंचों पर चर्चा की जाएगी। बड़ी संख्या में दलों ने एक साथ चुनाव कराने का समर्थन किया है। हम अगले कुछ महीनों में आम सहमति बनाने का प्रयास करेंगे।

उच्च स्तरीय समिति ने पहले चरण के तौर पर लोकसभा और राज्य विधानसभाओं के लिए एक साथ चुनाव कराने की सिफारिश की है। इसके 100 दिनों के भीतर स्थानीय निकाय चुनाव कराए जाने की बात कही गई है। समिति ने सिफारिशों के क्रियान्वयन पर विचार करने के लिए एक कार्यान्वयन समूह के गठन का भी प्रस्ताव रखा है। समिति के मुताबिक, एक साथ चुनाव कराने से संसाधनों की बचत होगी। विकास और सामाजिक सामंजस्य को बढ़ावा मिलेगा। लोकतांत्रिक ढांचे की नींव मजबूत होगी। इससे भारत की आकांक्षाओं को साकार करने में मदद मिलेगी।

समिति ने राज्य चुनाव अधिकारियों के परामर्श से चुनाव आयोग की ओर से एक समान मतदाता सूची और मतदाता पहचान पत्र तैयार करने की भी सिफारिश की थी। फिलहाल भारत का चुनाव आयोग लोकसभा और विधानसभा चुनावों को ही देखता है। नगर पालिकाओं और पंचायतों के लिए स्थानीय निकाय चुनाव राज्य चुनाव आयोगों की ओर से कराए जाते हैं। बताया गया कि समिति ने 18 संवैधानिक संशोधनों की सिफारिश की है, जिनमें से अधिकांश को राज्य विधानसभाओं से समर्थन की जरूरत नहीं होगी। हालांकि, इनके लिए कुछ संविधान संशोधन विधेयकों की जरूरत होगी, जिन्हें संसद से पारित कराना होगा।

एकल मतदाता सूची और एकल मतदाता पहचान पत्र के संबंध में कुछ प्रस्तावित परिवर्तनों को कम से कम आधे राज्यों से समर्थन की जरूरत होगी। इसके अलावा विधि आयोग भी जल्द ही एक साथ चुनाव कराने पर अपनी रिपोर्ट लेकर आने वाला है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इसके पूरजोर समर्थक रहे हैं। विधि आयोग सरकार के सभी तीन स्तरों लोकसभा, राज्य विधानसभाओं और नगर पालिकाओं-पंचायतों जैसे स्थानीय निकायों के लिए 2029 से एक साथ चुनाव कराने की सिफारिश कर सकता है। त्रिशंकु सदन जैसे मामलों में एकता सरकार (यूनिटी गवर्नमेंट) के प्रावधान की सिफारिश कर सकता है।

मोदी सरकार के कैबिनेट से वन नेशन, वन इलेक्शन के प्रस्ताव को मंजूरी मिलने के बाद एक बार फिर चर्चा शुरू हो चुकी है। अलग-अलग राजनीतिक दलों की इस योजना को लेकर प्रतिक्रिया सामने आ रही है। पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद के नेतृत्व वाली कमेटी ने वन नेशन, वन इलेक्शन पर अपनी रिपोर्ट केंद्र सरकार को सौंपी थी, जिसके बाद मोदी सरकार के कैबिनेट ने इसके प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि अलग-अलग राजनीतिक दलों की एक बड़ी संख्या ने इस पहल का समर्थन किया है।

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा, हम इसके साथ नहीं हैं। एक राष्ट्र एक चुनाव लोकतंत्र में काम नहीं कर सकता। अगर हम चाहते हैं कि हमारा लोकतंत्र ज़िंदा रहे तो चुनाव जरूरत के मुताबिक होने चाहिए, यह संविधान के खिलाफ है। राजद नेता मनोज झा ने वन नेशन वन इलेक्शन पर कहा, दावा किया जा रहा है कि केंद्रीय मंत्रिमंडल ने कोविंद समिति की सिफारिश के अनुसार एक राष्ट्र एक चुनाव के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। हमारे पास कुछ बुनियादी सवाल हैं। 1962 तक भारत में एक राष्ट्र एक चुनाव था, लेकिन यह इसलिए खत्म हो गया क्योंकि कई क्षेत्रों में एक पार्टी के वर्चस्व को चुनौती दी जा रही थी और अल्पमत की सरकारें बन रही थीं, जबकि कुछ जगहों पर मध्यावधि चुनाव हो रहे थे। इस बार इसके लिए क्या व्यवस्था होगी?

संयुक्त राष्ट्र...

चौथे क्वाड सम्मेलन में भाग लेंगे। जिसके बाद प्रधानमंत्री 22 सितंबर को न्यूयॉर्क में भारतीय समुदाय के लोगों को संबोधित करेंगे। 23 सितंबर को न्यूयॉर्क में पीएम मोदी संयुक्त राष्ट्र महासभा में समिट ऑफ द फ्यूचर को संबोधित करेंगे। प्रधानमंत्री न्यूयॉर्क में अग्रणी अमेरिकी कंपनियों के मुख्य कार्यकारी अधिकारियों से बातचीत करेंगे। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन 21 सितंबर को डेलावेयर में ऑस्ट्रेलिया, भारत और जापान के नेताओं के साथ एक शिखर सम्मेलन की मेजबानी करेंगे। विश्लेषकों का कहना है कि वाशिंगटन ने नई दिल्ली को एशिया में चीन के बढ़ते प्रभाव के खिलाफ एक हथियार के रूप में देखा है।

पीएम मोदी 23 सितंबर को न्यूयॉर्क में संयुक्त राष्ट्र (यूएन) महासभा में समिट ऑफ द फ्यूचर को संबोधित करेंगे। इस सम्मेलन का विषय बेहतर कल के लिए बहुपक्षीय समाधान है। इस सम्मेलन में बड़ी संख्या में विश्व स्तरीय नेताओं के शामिल होने की संभावना है। इस सम्मेलन के अलावा पीएम मोदी कई शीर्ष नेताओं के साथ द्विपक्षीय बैठक में भी भाग लेंगे। न्यूयॉर्क में 22 सितंबर को पीएम मोदी भारतीय समुदाय को संबोधित करेंगे और अमेरिका स्थित प्रमुख कंपनियों के सीईओ से भी मिलेंगे।

लेबनान में ...

लेबनान के स्वास्थ्य मंत्री ने नागरिकों को सलाह दी है कि वे अपने पेजर को त्याग दें और अस्पतालों को भी सतर्क रहने की चेतावनी दी है। विस्फोट मुख्य रूप से बेतरित उपनगर दहियेह और लेबनान के मध्य और दक्षिणी क्षेत्रों में हुए। ईरानी मीडिया के अनुसार, लेबनान में ईरान के राजदूत भी इस हमले में घायल हो गए हैं।

इस घटना पर इज़राइल सेना ने कोई टिप्पणी नहीं की है। इज़राइल और हिज़्बुल्लाह के बीच पिछले कुछ महीनों से आंतरिक संघर्ष चल रहा है, लेकिन इस बार के हमले पर आईडीएफ की ओर से कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है। यह हमला लेबनान में बढ़ती सुरक्षा चिंताओं और संघर्ष की स्थिति को दर्शाता है।

लेबनान के एक वरिष्ठ अधिकारी ने दावा किया कि जब पेजर्स का निर्माण किया जा रहा था, उसी वक्त इज़राइल ने इन पेजर्स में बदलाव कर दिए थे। अधिकारी के अनुसार, मोसाद ने पेजर्स के अंदर एक बोर्ड लगाया था, जिसे पर विस्फोटक पदार्थ लगा था। लेबनान के सुरक्षा अधिकारियों का दावा है कि इज़राइल की खुफिया एजेंसी मोसाद में ताइवान में बने पेजर्स में बेहद कम मात्रा में विस्फोटक का इस्तेमाल किया था।

जिसकी वजह से ही यह सिलसिलेवार धमाके हुए। इन धमाकों में 11 लोगों की मौत हुई है और करीब तीन हजार लोग घायल हुए हैं। घायलों में हिजबुल्ला के कई लड़ाके और ईरान के लेबनान में मौजूद राजदूत भी शामिल हैं। हिजबुल्ला ने इस हमले का आरोप इज़राइल पर लगाया है और इसके जवाब में इज़राइल पर जवाबी हमला करने की बात भी कही है।

श्राद्ध करने से उतरता है पूर्वजों का ऋण

पितरों का कर्ज चुकाना एक जीवन में तो संभव ही नहीं, उनके द्वारा संसार त्याग कर चले जाने के बाद भी श्राद्ध करते रहने से उनका ऋण चुकाने की परंपरा है। इसमें जो षष्ठी तिथि को श्राद्धकर्म संपन्न करता है उसकी पूजा देवता भी करते हैं। पितृ पक्ष के दौरान दिवंगत पूर्वजों की आत्मा की शांति के लिए श्राद्ध किया जाता है। मान्यता है कि अगर पितर नाराज हो जाएं तो व्यक्ति का जीवन भी खुशहाल नहीं रहता और उसे कई तरह की समस्याओं का सामना करना पड़ता है। यही नहीं घर में अशांति फैलती है और व्यापार व गृहस्थी में भी हानि झेलनी पड़ती है। ऐसे में पितरों को तृप्त करना और उनकी आत्मा की शांति के लिए पितृ पक्ष में श्राद्ध करना जरूरी माना जाता है। पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान जयपुर - जोधपुर के निदेशक ज्योतिषाचार्य डा. अनीष व्यास ने बताया कि श्राद्ध के जरिए पितरों की तृप्ति के लिए भोजन पहुंचाया जाता है और पिंड दान व तर्पण कर उनकी आत्मा की शांति की कामना की जाती है। श्राद्ध से जो भी कुछ देने का हम संकल्प लेते हैं, वह सब कुछ उन पूर्वजों को अवश्य प्राप्त होता है। जिस तिथि में जिस पूर्वज का स्वर्गवास हुआ हो उसी तिथि को उनका श्राद्ध किया जाता है जिनकी परलोक गमन की तिथि ज्ञान न हो, उन सबका श्राद्ध अमावस्या को किया जाता है।

ज्योतिषाचार्य ने बताया कि शास्त्रों के अनुसार पितृगणों का श्राद्ध कर्म करने के लिए वर्ष में 96 अवसर मिलते हैं। साल के 12 माह में 12 अमावस्या तिथि को भी श्राद्ध किया जा सकता है। श्राद्ध कर्म करने से तीन पीढ़ियों के पूर्वजों को तर्पण किया जा सकता है। श्राद्ध तीन पीढ़ियों तक होता है। श्राद्ध पुत्र, पोता, भतीजा या भांजा करते हैं। जिनके घर में पुरुष सदस्य नहीं हैं, उनमें महिलाएं भी श्राद्ध कर सकती हैं। पितृ पक्ष में सभी तिथियों का अलग-अलग महत्व है। जिस व्यक्ति की मृत्यु जिस तिथि पर होती है, पितृ पक्ष में उसी तिथि पर श्राद्ध कर्म किए जाते हैं। पूर्णिमा तिथि से पितृ पक्ष आरंभ होता है। प्रतिपदा तिथि पर नाना-नानी के परिवार में किसी की मृत्यु हुई हो और मृत्यु तिथि ज्ञात न हो तो उसका श्राद्ध प्रतिपदा पर किया जाता है। पंचमी तिथि पर अगर किसी अविवाहित व्यक्ति की मृत्यु हुई है तो उसका श्राद्ध इस तिथि पर करना चाहिए। अगर किसी महिला की मृत्यु हो गई है और मृत्यु तिथि ज्ञात नहीं है तो उसका श्राद्ध नवमी तिथि पर किया जाता है। एकादशी पर मृत संन्यासियों का श्राद्ध किया जाता है। जिनकी मृत्यु किसी दुर्घटना में हो गई है, उनका श्राद्ध चतुर्दशी तिथि पर करना चाहिए। सर्वपितृ मोक्ष अमावस्या पर ज्ञात-अज्ञात सभी पितरों के लिए श्राद्ध करना चाहिए। जिनकी अकाल मृत्यु हुई हो, उनका श्राद्ध चतुर्दशी तिथि को किया जाता है।

श्रद्धा से किया गया कर्म श्राद्ध कहलाता है। अपने पितरों के लिए श्रद्धा से किए गए मुक्ति कर्म को श्राद्ध कहते हैं। उन्हें तृप्त करने की क्रिया को तर्पण कहा जाता है। तर्पण करना ही पिंडदान करना है। भाद्रपद की पूर्णिमा से अश्विन कृष्ण की अमावस्या तक कुल 16 दिन तक श्राद्ध रहते हैं। इन 16 दिनों के लिए हमारे पितृ सूक्ष्म रूप में हमारे घर में विराजमान होते हैं। श्राद्ध में श्रीमद्भागवत गीता के सातवें अध्याय का माहात्म्य पढ़कर फिर पूरे अध्याय का पाठ करना चाहिए। इस पाठ का फल आत्मा को समर्पित करना चाहिए। श्राद्धकर्म से पितृगण के साथ देवता भी तृप्त होते हैं। श्राद्ध-तर्पण हमारे पूर्वजों के प्रति हमारा सम्मान है। इसी से पितृ ऋण भी चुकता होता है। श्राद्ध के 16 दिनों में अष्टमुखी रुद्राक्ष धारण करें। इन दिनों में घर में 16 या 21 मोर के पंख अवश्य लाकर रखें। शिवलिंग पर जल मिश्रित दुग्ध अर्पित करें। घर में प्रतिदिन खीर बनाएं। भोजन में से सर्वप्रथम गाय, कुत्ते और कौए के लिए ग्रास अलग से निकालें। माना जाता है कि यह सभी जीव यम के काफी निकट हैं। श्राद्ध पक्ष में व्यसनों से दूर रहें। पवित्र रहकर ही श्राद्ध किया जाता है। श्राद्ध पक्ष में शुभ कार्य भी वर्जित माने गए हैं। श्राद्ध का समय दोपहर में उपयुक्त माना गया है। रात्रि में श्राद्ध नहीं किया जाता। श्राद्ध के भोजन में बेसन का प्रयोग वर्जित है। श्राद्ध कर्म में लोहे या स्टील के पात्रों का प्रयोग नहीं करना चाहिए। पितृदोष जब शांत हो जाता है तो स्वास्थ्य, परिवार और धन से जुड़ी बाधाएं भी दूर हो जाती हैं।

दिन का महत्व

जो पूर्णमासी के दिन श्राद्ध आदि करता है उसकी बुद्धि, पुष्टि, स्मरणशक्ति, धारणाशक्ति, पुत्र-पौत्रादि एवं ऐश्वर्य की वृद्धि होती। वह पर्व का पूर्ण फल भोगता है। प्रतिपदा धन-सम्पत्ति के लिए होती है एवं श्राद्ध करने वाले की प्राप्त वस्तु नष्ट नहीं होती। जो सप्तमी को श्राद्ध आदि करता है उसको महान यज्ञों के पुण्य फल प्राप्त होते हैं। अष्टमी को श्राद्ध करने वाला सम्पूर्ण समृद्धियां प्राप्त करता है। नवमी को श्राद्ध करने से ऐश्वर्य एवं मन के अनुसार अनुकूल चलने वाली स्त्री को प्राप्त करता है। दशमी तिथि का श्रद्धा मनुष्य ब्रह्मत्व की लक्ष्मी प्राप्त कराता है।

श्राद्ध विधि

पौराणिक ग्रंथों के अनुसार श्राद्ध करने की भी विधि होती है। यदि पूरे विधि विधान से श्राद्ध कर्म न किया जाए तो मान्यता है कि वह श्राद्ध कर्म निष्फल होता है और पूर्वजों की आत्मा अतृप्त ही रहती है। शास्त्रसम्मत मान्यता यही है कि किसी सुयोग्य विद्वान ब्राह्मण के जरिए ही श्राद्ध कर्म (पिंड दान, तर्पण) करवाना चाहिए। श्राद्ध कर्म में पूरी श्रद्धा से ब्राह्मणों को तो दान दिया ही जाता है साथ ही यदि किसी गरीब, जरूरतमंद की सहायता भी आप कर सकें तो बहुत पुण्य मिलता है। इसके साथ-साथ गाय, कुत्ते, कौवे आदि पशु-पक्षियों के लिए भी भोजन का एक अंश जरूर डालना चाहिए। श्राद्ध करने के लिए सबसे पहले जिसके लिए श्राद्ध करना है उसकी तिथि का ज्ञान होना जरूरी है। जिस तिथि को मृत्यु हुई हो उसी तिथि को श्राद्ध करना चाहिए। लेकिन कभी-कभी ऐसी स्थिति होती है कि हमें तिथि पता नहीं होती तो ऐसे में आश्विन अमावस्या का दिन श्राद्ध कर्म के लिए श्रेष्ठ होता है क्योंकि इस दिन सर्वपितृ श्राद्ध योग माना जाता है। दूसरी बात यह भी महत्वपूर्ण है कि श्राद्ध करवाया कहां पर जा रहा है। यदि संभव हो तो गंगा नदी के किनारे पर श्राद्ध कर्म करवाना चाहिए। यदि यह संभव न हो तो घर पर भी इसे किया जा सकता है। जिस दिन श्राद्ध हो उस दिन ब्राह्मणों को भोज करवाना चाहिए.भोजन के बाद दान दक्षिणा देकर भी उन्हें संतुष्ट करें।

श्राद्ध पूजा दोपहर के समय शुरू करनी चाहिए. योग्य ब्राह्मण की सहायता से मंत्रोच्चारण करें और पूजा के पश्चात जल से तर्पण करें। इसके बाद जो भोग लगाया जा रहा है उसमें से गाय, कुत्ते, कौवे आदि का हिस्सा अलग कर देना चाहिए। इन्हें भोजन डालते समय अपने पितरों का स्मरण करना चाहिए. मन ही मन उनसे श्राद्ध ग्रहण करने का निवेदन करना चाहिए।

इन पांच जीवों का ही चुनाव क्यों किया गया है

पितृपक्ष शुरू हो चुके है और ऐसा माना जाता है कि इस दौरान हमारे पितर धरती पर आकर हमें आशीर्वाद देते हैं। पितृ पक्ष में पितरों का श्राद्ध करना बहुत महत्वपूर्ण माना जाता है। हमारे पितृ पशु पक्षियों के माध्यम से हमारे निकट आते हैं और गाय, कुत्ता, कौवा और चींटी के माध्यम से पितृ आहार ग्रहण करते हैं।

श्राद्ध के समय पितरों के लिए भी आहार का एक अंश निकाला जाता है, तभी श्राद्ध कर्म पूरा होता है। श्राद्ध करते समय पितरों को अर्पित करने वाले भोजन के पांच अंश निकाले जाते हैं गाय, कुत्ता, चींटी, कौवा और देवताओं के लिए।

कुत्ता जल तत्त्व का प्रतीक है, चींटी अग्नि तत्व का, कौवा वायु तत्व का, गाय पृथ्वी तत्व का और देवता आकाश तत्व का प्रतीक हैं। इस प्रकार इन पांचों को आहार देकर हम पंच तत्वों के प्रति आभार व्यक्त करते हैं।. केवल गाय में ही एक साथ पांच तत्व पाए जाते हैं। इसलिए पितृ पक्ष में गाय की सेवा विशेष फलदाई होती है।

कुछ बातों का ध्यान रखना भी जरूरी

पितरों को खुश रहने के लिए श्राद्ध के दिनों में विशेष कार्य करना चाहिए वही इस दौरान कुछ बातों का ध्यान रखना भी जरूरी है।

1. श्राद्ध करने के लिए ब्रह्मवैवर्त पुराण जैसे शास्त्रों में बताया गया है कि दिवंगत पितरों के परिवार में या तो ज्येष्ठ पुत्र या कनिष्ठ पुत्र और अगर पुत्र न हो तो नाती, भतीजा, भांजा या शिष्य ही तिलांजलि और पिंडदान देने के पात्र होते हैं।

2. पितरों के निमित्त सारी क्रियाएं गले में दाये कंधे मे जनेउ डाल कर और दक्षिण की ओर मुख करके की जाती है।

3. कई ऐसे पितर भी होते है जिनके पुत्र संतान नहीं होती है या फिर जो संतान हीन होते हैं। ऐसे पितरों के प्रति आदर पूर्वक अगर उनके भाई भतीजे, भांजे या अन्य चाचा ताउ के परिवार के पुरूष सदस्य पितृपक्ष में श्रद्धापूर्वक व्रत रखकर पिंडदान, अन्नदान और वस्त्रदान करके ब्राह्मणों से विधिपूर्वक श्राद्ध कराते है तो पितर की आत्मा को मोक्ष मिलता है।

4. श्राद्ध के दिन लहसुन, प्याज रहित सात्विक भोजन ही घर की रसोई में बनना चाहिए। जिसमें उड़द की दाल, बडे, चावल, दूध, घी से बने पकवान, खीर, मौसमी सब्जी जैसे तोरई, लौकी, सीतफल, भिण्डी कच्चे केले की सब्जी ही भोजन में मान्य है। आलू, मूली, बैंगन, अरबी तथा जमीन के नीचे पैदा होने वाली सब्जियां पितरों को नहीं चढ़ती है।

5. श्राद्ध का समय हमेशा जब सूर्य की छाया पैरो पर पड़ने लग जाए यानी दोपहर के बाद ही शास्त्र सम्मत है। सुबह-सुबह अथवा 12 बजे से पहले किया गया श्राद्ध पितरों तक नहीं पहुंचता है।

पितरों के लिए श्रद्धा एवं कृतज्ञता प्रकट करने वाले को कोई निमित्त बनाना पड़ता है। यह निमित्त है श्राद्ध। पितरों के लिए कृतज्ञता के इन भावों को स्थिर रखना हमारी संस्कृति की महानता को प्रकट करता है। देवस्मृति के अनुसार श्राद्ध करने की इच्छा करने वाला व्यक्ति परम सौभाग्य पाता है।

एकादशी का श्राद्ध सर्वश्रेष्ठ दान

श्राद्ध न किया जाए तो पितर गृहस्थ को दारुण शाप देकर पितृलोक लौट जाते है। एकादशी का श्राद्ध सर्वश्रेष्ठ दान है। वह समस्त वेदों का ज्ञान प्राप्त कराता है। उसके सम्पूर्ण पापकर्मों का विनाश हो जाता है तथा उसे निरंतर ऐश्वर्य की प्राप्ति होती है।वहीं, द्वादशी तिथि के श्राद्ध से राष्ट्र का कल्याण तथा प्रचुर अन्न की प्राप्ति कही गई है। त्रयोदशी के श्राद्ध से संतति, बुद्धि, धारणाशक्ति, स्वतंत्रता, उत्तम पुष्टि, दीर्घायु तथा ऐश्वर्य की प्राप्ति होती है।

ऐसे करें श्राद्ध

* श्राद्ध करने के लिए किसी ब्राह्मण को आमंत्रित करें, भोज कराएं और अपनी सामर्थ्य के अनुसार दक्षिणा भी दें।
* श्राद्ध के दिन अपनी सामर्थ्य या इच्छानुसार खाना बनाएं।
* आप जिस व्यक्ति का श्राद्ध कर रहे हैं उसकी पसंद के मुताबिक खाना बनाएं जो उचित रहेगा।
* मान्यता है कि श्राद्ध के दिन स्मरण करने से पितर घर आते हैं और अपनी पसंद का भोजन कर तृप्त हो जाते हैं।
* खाने में लहसुन-प्याज का इस्तेमाल न करें।
* शास्त्रों में पांच तरह की बलि बताई गई हैं: गौ (गाय) बलि, श्वान (कुत्ता) बलि, काक (कौवा) बलि, देवादि बलि, पिपीलिका (चींटी) बलि।

डॉ. अनीष व्यास
भविष्यवक्ता और कुण्डली विश्लेषक
पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान,जयपुर-जोधपुर
मो.9460872809

यूपी का अनोखा मंदिर, यहां राधा के हाथ में है बांसुरी

कृष्ण का होता है श्रृंगार, जानें रहस्य

जहां कृष्ण हैं, वहीं राधा और जहां राधा हैं, वहीं कृष्ण। बृज में एक ऐसा मंदिर हैं। जहां भगवान अर्ध राधे के रूप में विराजमान हैं। यहां भगवान की आधी प्रतिमा का राधा के रूप में और आधा श्रृंगार कृष्ण के रूप में किया जाता है। यहां राधिका हाथों में मुरली धारण किए हुए हैं। कहा जाता है कि यहां दर्शन करने से भक्तों की मनोकामना पूर्ण होती हैं, तो वह यहां बांसुरी का प्रसाद लगते हैं।

वैसे तो भगवान श्री कृष्ण और राधा की प्रतिमाओं को आपने अलग-अलग देखा होगा, लेकिन मथुरा में एक प्रतिमा ऐसी है, जो राधा-कृष्ण की झलक एक ही प्रतिमा में आपको देखने को मिलेगी। यहां राधा-कृष्ण का एक ही प्रतिमा में श्रृंगार किया जाता है। यहां भक्तों का उनके दर्शन के लिए तांता लगा रहता है।

यह मंदिर सैकड़ों साल पुराना है। यहां पर राधा रानी के भक्त आराध्य के दर्शन करने आते हैं। उन्होंने बताया कि अलबेली सरकार नाम से यहां राधा-रानी को जाना जाता है। इतना ही नहीं यहां पर उनके भक्तों की मनोकामना पूर्ण होती है।

अलबेली सरकार नाम इसलिए रखा गया है कि कान्हा की मुरली राधा-रानी के हाथों में है। वह बांसुरी बजती हुई इस प्रतिमा में नजर आ रही है। इसलिए अलबेली सरकार के नाम से इस मंदिर को जाना जाता है। उन्होंने कहा कि जिस भक्त की मनोकामना पूर्ण हो जाती है। वह भक्त यहां आकर बांसुरी चढ़ाकर राधा रानी को प्रसाद अर्पित करता है।

मथुरा के श्रीकृष्ण जन्मभूमि के पास स्थित यह राधा-रानी का मंदिर है। इसे अलबेली सरकार के नाम से जाना जाता है। जहां मंदिर में राधा के हाथों में कृष्ण की बंशी है। यह मंदिर सैकड़ों साल पुराना माना जाता है। वहीं, मंदिर में दर्शन करने वाले श्रद्धालु मांगे पूरी होने पर बांसुरी चढ़ाने पहुंचते हैं। यहां अर्ध कृष्ण के रूप में विराजमान राधा-कृष्ण का एक साथ श्रृंगार किया जाता है।

श्राद्ध संस्कार का महत्व

पूर्वजों की आत्म शांति हेतु एक मनुष्य के लिए पाँच महायज्ञ निर्धारित हैं, जिसमें से एक पितृ यज्ञ है तथा अन्य चार हैं- ब्रह्म-यज्ञ (शास्त्रों का अध्ययन), देव-यज्ञ (अग्नि के माध्यम से देवताओं को प्रसाद की आहुति देना), मनुष्य-यज्ञ (संगी-साथियों को खाना खिलाना) तथा भूत-यज्ञ (सभी जीवों को भोज कराना)

पुराने समय में लोग अपने स्वर्गीय सगे -सम्बन्धियों (पिता, दादा, पड़दादा आदि) की आत्म शांति व् मुक्ति के लिए,विशेष मन्त्र जाप और उनके नाम से दान दक्षिणा करते थे। हमारे पूर्वज, जन्म - मरण चक्र की निरन्तर प्रकृति व एक जन्म से दूसरे जन्म तक, एक आत्मा की यात्रा और उसके अनुभवों से भली-भाँति परिचित थे।

प्राचीन मिस्र वासी अपने मृतकों की अंतिम यात्रा के समय, उनके शवों पर लेप लगाकर पिरामिड में उनके साथ खाद्य एवं आपूर्ति संग्रहित करते थे,जबकि वैदिक भारतीय अपने मृतकों के लिए श्राद्ध का संस्कार करते थे। प्राचीन यूनानी अपनी संस्कृति अनुसार मृतक की जीभ के नीचे सिक्के रखकर उन्हें ऐसी जगह दफनाते थे जहाँ से उन आत्माओं को उस लोक में ले जाया जाता था जहाँ मृत्यु के बाद उनका वास होता है।

जीवन, आत्मा की एक निरंतर यात्रा है जो प्रत्येक जन्म के साथ अपना रूप बदलती है। वह रूप मनुष्य, पशु, देव किसी का भी हो सकता है। कर्मों के आधार पर ही किसी को योनि (अस्तित्व का स्तर) तथा लोक (अस्तित्व के आयाम) प्राप्त होता है। पितृ लोक स्वर्ग और पृथ्वी लोक के बीच का लोक है जहाँ पर हमारे पूर्वजों (पिछली तीन पीढ़ियाँ) की आत्माएँ बिना शरीर के तब तक निवास करती हैं जब तक उनके कर्म दूसरा शरीर धारण करने की अनुमति नहीं देते। यही आत्माएँ अपनी मुक्ति के लिए तथा अपने अधूरे कार्यों की पूर्ती के लिए अपनी संतानों पर निर्भर करती हैं और विभिन्न तरह से उन तक पहुँचने की कोशिश करती हैं।

यह कोई मिथ्या या अन्धविश्वास नहीं है,ध्यान आश्रम में ऐसे बहुत से अनुभव हैं जहाँ पर पूर्वजों ने अपनी मुक्ति के लिए अपने परिजनों से संपर्क किया है। अभी हाल ही का एक उदाहरण है, ध्यान आश्रम के दिव्यद्रष्टाओं ने,जाँचने पर,लम्बे अरसे से उदर की बीमारी से पीड़ित एक युवा बालिका के सूक्ष्म शरीर में मोती के हार के साथ एक महिला और कंकाल की उपस्थिति का पता लगाया। जब बच्चे की माँ के सामने उस महिला के रूप का वर्णन किया तो पता चला कि वह उन्हीं की स्वर्गीय माँ थी।

एक अन्य अवसर पर, किसी के घर में शांति यज्ञ करते समय किसी महिला की छवि बारबार साधक का ध्यान भंग कर रही थी। उसकी पहचान करने के लिए घर की मालकिन से पता चला कि वह उन्हीं का कोई मृतक परिजन था । इसके बाद उस मृतक की आत्म-शांति के लिए हवन किये गए।

श्राद्ध हमारी संस्कृति का एक महत्व-पूर्ण हिस्सा हैं जो आत्मा की यात्रा में कहीं अटके हुए हमारे पूर्वजों की आवश्यकताओं को पूरा करते हैं। भाद्रपद की पूर्णिमा से शुरू होकर अश्विन की अमावस्या तक तारामंडल की स्थिति कुछ इस प्रकार होती है जिससे दूसरे लोकों के प्रवेश द्वार खुल जाते हैं और इन आत्माओं को अपने प्रिय जनों से मिलने की अनुमति मिल जाती है। उनके नाम पर किये गए दान, यज्ञ व विशिष्ठ मन्त्रों के जप द्वारा उन्हें उन अनवांछित योनियों व् लोकों के बंधनों से मुक्ति मिल जाती है।

इस पितृ पक्ष में पितृ दोष निवारण के लिए और अपने स्वस्थ फलदायी जीवन के लिए अपने पूर्वजों का आशीर्वाद प्राप्त करें। ध्यान फाउंडेशन 17 सितंबर से सर्व पितृ अमावस्या 2 अक्टूबर तक विशेष शक्ति कुंड में दैनिक यज्ञ और गौभोज का आयोजन कर रहा है। सभी यज्ञों का मार्गदर्शन गुरु जी करेंगे।

- अश्विनी गुरुजी

जूनियर एनटीआर की देवरा ने यूएसए प्री-सेल्स में की छप्परफाड़ कमाई

रिलीज से पहले बनाया ये रिकॉर्ड

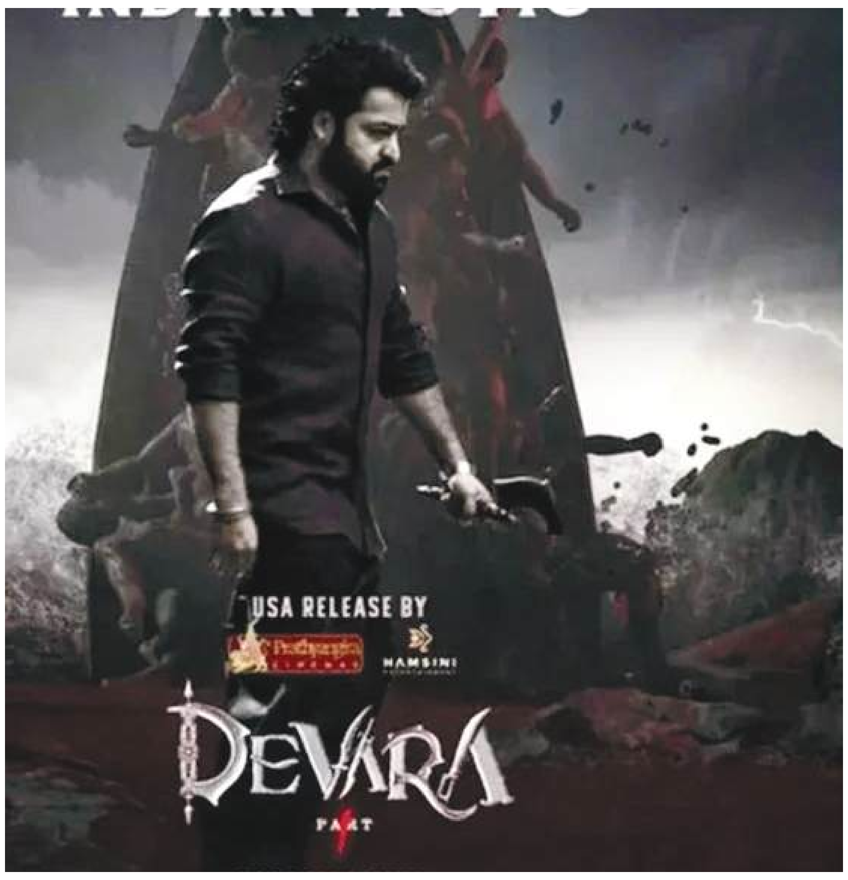

जूनियर एनटीआर और जाह्नवी कपूर की पैन इंडिया फिल्म देवरा को लेकर फैंस बहुत एक्साइटेड हैं फिल्म 27 सितंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है । वहीं देवरा के बॉक्स ऑफिस पर शानदार प्रदर्शन करने की उम्मीद है अभी रिलीज में दस दिन बाकी हैं और देवरा ने अमेरिका में प्री-सेल्स में रिकॉर्ड ब्रेकिंग कमाई की है। आइए जानते हैं देवरा की अमेरिका में प्रीसेल में कितनी टिकट्स बिकीं और इसने रिलीज से पहले कितनी कमाई की।सिनेमाघरों में देवरा के आने में सिर्फ 10 दिन बचे हैं, और मैन ऑफ मास एनटीआर जूनियर स्टारर मोस्ट अवेटे पैन इंडिया फिल्म देवरा पहले से ही ब्लॉकबस्टर के रूप में धूम मचा रही है, और अपने प्रीमियर प्री-सेल्स में रिकॉर्ड तोड़ रही है। देवरा का बुखार भारत के बाहर भी फैल गया है, और इसने वर्ल्डवाइड कई रिकॉर्ड्स भी तोड़ दिए हैं। आपको बता दें कि देवरा ने अपने यूएसए प्रीमियर प्री-सेल्स के सिर्फ 10 दिनों में 45,000 टिकट बेचे हैं, जो भारतीय सिनेमा के लिए एक बड़ा माइलस्टोन है। सिर्फ नॉर्थ अमेरिका में फिल्म ने 1.75 मिलियन डॉलर से ज्यादा की बिक्री की है और यह अभी भी बढ़ती ही जा रही है।फिल्म का ट्रेलर रिलीज होने के बाद से ही काफी चर्चा में है, जिसे यूट्यूब पर 55 मिलियन से ज्यादा बार देखा गया और यह काफी ट्रेंड भी कर रहा है। रिलीज से पहले ही देवरा बड़ी पैन इंडिया फिल्म बन गई है। देवरा: पार्ट 1, 27 सितंबर 2024 को रिलीज होने वाली है। एनटीआर जूनियर के साथ, फिल्म में जाह्नवी कपूर और सैफ अली खान भी अहम रोल में हैं। तेलुगु एक्शन फिल्म देवरा: पार्ट 1 को कोरटाला शिवा निर्देशित कर रहे हैं। हाल ही में फिल्म को चार मॉडरेशन के बाद सीबीएफसी ने यू/ए सर्टिफिकेट दिया है। मेकर्स ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया कि एनटीआर जूनियर की फिल्म देवरा: भाग 1 (तेलुगु) की रिलीज को हरी झंडी दे दी गई है और सेंसर ने इसे यू/ए सर्टिफिकेट दिया है।

व्हाइट बॉडीकॉन ड्रेस पहन मोनालिसा ने दिखाई दिलकश अदाएं

सिजलिंग लुक देख बढ़ी फैंस की धड़कनें

भोजपुरी एक्ट्रेस मोनालिसा हमेशा अपने लेटेस्ट लुक्स की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट कर फैंस को दीवाना बनाए रहती हैं। उनका स्टनिंग अंदाज इंटरनेट पर आते ही तबाही मचाने लगता है। अब हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें इंटरनेट पर साझा की हैं। इन तस्वीरों में उनका बोल्ड अवतार देखकर लोग अपने होश खो बैठे हैं।एक्ट्रेस मोनालिसा भोजपुरी इंडस्ट्री की बेहतरीन एक्ट्रेसेस में से एक हैं। उन्होंने अपने स्टनिंग फैशन सेंस से लोगों को इस कदर दीवाना बनाया हुआ है कि लोग उनकी तारीफ करते नहीं थकते हैं।अब हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर साझा की हैं। इन तस्वीरों में उनका कातिलाना अंदाज देखक फैंस एक बार फिर से अपने होश खो बैठे हैं।फोटोज में आप देख सकते हैं एक्ट्रेस मोनालिसा ने व्हाइट और ऑरेंज प्रिंट में सिंगल डोरी वाला बॉडीकॉन आउटफिट पहना हुआ है। एक्ट्रेस अपने इस लुक में बेहद ही शानदार नजर आ रही हैं।खुले बाल, लाइट मेकअप और रेड शेड लिप्सटिक लगाकर मोनालिसा ने अपने इस लुक को और भी ज्यादा खूबसूरत तरीके से निखारा है।बता दें कि एक्ट्रेस इंडियन हो या फिर वेस्टर्न अपने हर लुक में बवाल लगती हैं। उनका स्टनिंग अंदाज देखकर अक्सर फैंस मदहोश हो जाते हैं।मोनालिसा की इन फोटोज में आप देख सकते हैं एक्ट्रेस कैमरे के सामने एक से बढ़कर एक क्यूट स्माइल और किलर अंदाज में पोज देती हुई सोशल मीडिया का तापमान बढ़ा रही हैं।

आमिर खान के बेटे जुनैद खान की नई फिल्म की रिलीज डेट का ऐलान

खुशी कपूर संग करेंगे रोमांस

आमिर खान के बेटे जुनैद खान और श्रीदेवी की बेटी खुशी कपूर पहली बार रोमांटिक ड्रामा में स्क्रीन शेयर करने के लिए तैयार हैं। इस खबर से फैंस काफी एक्साइटेड हो गए हैं और फिल्म से बाकी के अपडेट का बेसब्री से इंताजर कर रहे हैं। हाल ही में मेकर्स ने एक पोस्टर शेयर करते हुए फिल्म की रिलीज डेट की घोषणा की। यह 7 फिल्म 7 फरवरी, 2025 को स्क्रीन पर आएगी और इसका निर्देशन अद्वैत चंदन ने किया है। फिलहाल फिल्म का टाइटल रिवील नहीं किया गया है।इंस्टाग्राम पर फैंटम ने एक पोस्टर शेयर किया जिसमें हम देख सकते हैं कि एक लड़की और लड़का सेल्फी लेते हुए दिखाई दे रहे हैं। पोस्टर शेयर करते हुए मेकर्स ने लिखा- क्या आप खुशी कपूर और जुनैद खान के साथ डिजिटल युग में प्यार का एक्सपीरियंस करने के लिए तैयार हैं। 7 फरवरी 2025 को दुनिया भर के सिनेमाघरों में! अद्वैत चंदन द्वारा निर्देशित फिलहाल फिल्म का टाइटल रिवील नहीं किया गया है।पोस्टर शेयर होते ही फैंस ने रिएक्शन देने शुरू कर दिए। एक फैन ने लिखा, अनटाइटल्ड, जल्दी इसका टाइटल डिसाइड करो। दूसरे ने लिखा- यह बहुत प्यारा होने वाला है।।इंतजार नहीं कर सकता। वहीं एक ने लिखा- जुनैद को फिर से स्क्रीन पर देखने के लिए एक्साइटेड हूं। रिपोर्ट्स के मुताबिक मुंबई में शूटिंग का पहला शेड्यूल पूरा हो चुका है और अब यह जोड़ी राजधानी में शूटिंग कर रही है। टीम ने तीन-चार दिन पहले यहां शूटिंग शुरू की है और यह शेड्यूल अगले 10फ्2 दिनों तक चलेगा। बताया जा रहा है कि यह फिल्म 2022 की तमिल हिट लव टुडे की रीमेक होगी, जिसमें प्रदीप रंगनाथन ने लीड रोल प्ले किया है और इसे निर्देशित किया था।जुनैद खान ने महाराजा से अपने एक्टिंग करियर की शुरुआत की थी। सिद्धार्थ पी। मल्होत्रा द्वारा निर्देशित थ्रिलर ड्रामा महाराजा की बात करें तो यह 1862 के महाराजा मानहानि मुकदमे पर आधारित है। खुशी कपूर ने द आर्चीज से अपनी शुरुआत की। जिसमें उन्होंने शाहरुख खान की बेटी सुहाना खान और अमिताभ बच्चन के पोते अगस्त्य नंदा के साथ स्क्रीन शेयर की थी।

फिल्म जिगरा का गीत चल कुड़िए रिलीज

आलिया-दिलजीत के गाने में दिखी महिला सशक्तिकरण की झलक

आखिरकार, बीटीएस तस्वीरों के बाद आलिया भट्ट की जिगरा का गाना चल कुड़िए रिलीज हो गया है। मेकर्स ने दिलजीत दोसांझ और एक्ट्रेस के साथ वीडियो सोशल मीडिया पर शेयर किया, फैंस इसे खूब पसंद कर रहे हैं। जिगरा 2024 की मोस्ट अवेटेड फिल्मों में से एक है। हिट ट्रैक इक कुड़ी के आठ साल बाद दिलजीत आलिया की जोड़ी एक साथ आई है।आलिया भट्ट ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर एक वीडियो शेयर किया है, जिसमे दोनों ने इस खूबसूरत ट्रैक के लिए कोलेब किया है। गाना महिला सशक्तिकरण पर आधारित है। जिसे शेयर करते हुए कैप्शन में लिखा है- चल कुड़िए अभी आ गई है, जिगरा सिनेमाघरों में, 11 अक्टूबर को। एक फैन ने लिखा- आलिया सुपरस्टार हैं। एक ने लिखा- शुरुआती डायलॉग ने ही मुझे प्रभावित कर लिया। साथ ही, आलिया की आवाज दिलजीत की एनर्जी से मैच करती है। इस म्यूजिक वीडियो में दिलजीत व्हाईट आउटफिट में नजर आ रहे हैं। जबकि आलिया ने भी टी शर्ट पहन रखी है जिस पर घरळ शब्द मेंशन है। यह गाना अब सारेगामा यूट्यूब चैनल और सभी ऑडियो स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म पर अवेलेबल है। जिगरा की बात करें तो हाल ही में इसका टीजर रिलीज हुआ था और हर कोई उनकी परफॉर्मेंस से हैरान था। वीडियो की शुरुआत आलिया भट्ट से होती है जो होटल में ड्रिंक करती हैं और अपने भाई के बारे में बात करती हैं। वह कहती हैं कि उनके पास बहुत कम समय है और उन्हें बहुत कुछ करना है। जैसे-जैसे वीडियो आगे बढ़ता है, हम देखते हैं कि वेदांग रैना को गिरफ्तार कर लिया जाता है और आलिया उसे छुड़ाने की कोशिश कर रही हैं। उन्हें सभी एक्शन सीन करते देखना वाकई दिलचस्प होगा।वसन बाला द्वारा निर्देशित जिगरा में आलिया भट्ट मुख्य भूमिका में हैं, जबकि वेदांग रैना उनके भाई की भूमिका में हैं। यह फिल्म वायकॉम18 स्टूडियोज, धर्मा प्रोडक्शंस और इटरनल सनशाइन प्रोडक्शंस द्वारा प्रस्तुत की गई है और करण जौहर, अपूर्व मेहता, आलिया भट्ट, शाहीन भट्ट और सोमेन मिश्रा द्वारा निर्मित है।

श्रद्धा कपूर ने तोड़ डाला शाहरुख खान की फिल्म का रिकॉर्ड

जवान से कमाई में आगे निकली स्त्री 2

स्त्री 2 ने बॉक्स ऑफिस पर अब शाहरुख खान की बॉलीवुड की सबसे कमाऊ फिल्म जवान को पछाड़ दिया है। स्त्री 2 ने यह करिश्मा घरेलू बॉक्स ऑफिस पर किया है। स्त्री 2 ने साल 2023 में रिलीज हुई शाहरुख खान की फिल्म जवान की घरेलू ग्रॉस कमाई का रिकॉर्ड तोड़ दिया है। खबरों की मानें तो स्त्री 2 अब इंडियन सिनेमा की सबसे कमाऊ फिल्म बन गई है।श्रद्धा कपूर और राजकुमार राव स्टारर हॉरर कॉमेडी फिल्म स्त्री 2 बीती 15 अगस्त को रिलीज हुई थी। फिल्म ने घरेलू बॉक्स ऑफिस पर 60 करोड़ रुपये से ज्यादा की कमाई से खाता खोला था। स्त्री 2 वर्ल्डवाइड बॉक्स ऑफिस पर 800 करोड़ रुपये का आंकड़ा पार कर चुकी है। सोशल मीडिया पर

बज है कि स्त्री 2 ने अब जवान के लाइफटाइम कलेक्शन 583 करोड़ रुपये को बीट कर 583.30 करोड़ रुपये कमा लिए हैं।

गोट ने किया वर्ल्डवाइड 400 करोड़ का आंकड़ा पार

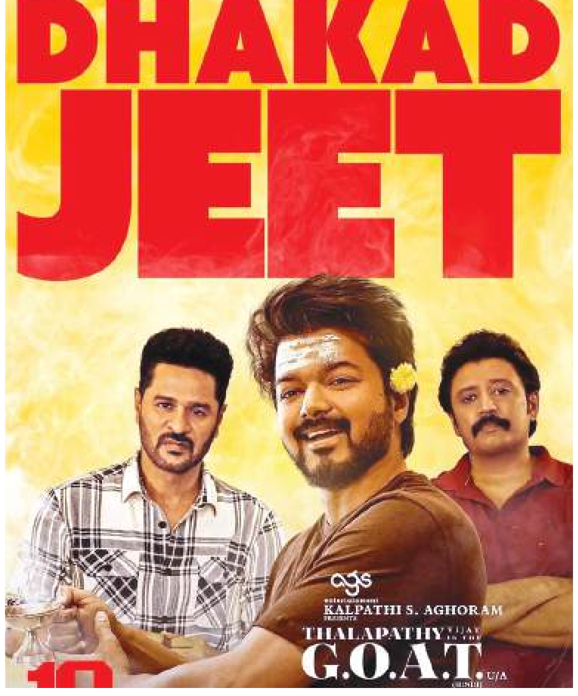

साउथ सुपरस्टार थलापति विजय की एक्शन थ्रिलर फिल्म गोट (ग्रेटेस्ट ऑफ ऑल टाइम) के बॉक्स ऑफिस ने बॉक्स ऑफिस पर अपने 12 दिन पूरे कर लिए हैं। फिल्म गोट ने वर्ल्डवाइड बॉक्स ऑफिस पर 12वें दिन 400 करोड़ रुपये का आंकड़ा पार कर लिया है। 11वें दिन फिल्म ने डॉमेस्टिक बॉक्स ऑफिस पर 200 करोड़ के क्लब में एंट्री कर ली थी। ऐसा कर विजय की फिल्म गोट कॉलीवुड की तीसरी फिल्म बन गई थी। अब फिल्म ने 400 करोड़ रुपये के क्लब में एंट्री कर ली है।सैकनिल्क के अनुसार, वेंकट प्रभु के डायरेक्शन में बनी फिल्म गोट ने 12 दिनों में घरेलू सिनेमाघरों में 219.75 करोड़ रुपये का बिजनेस कर लिया है। वहीं, 12वें दिन फिल्म की कमाई में 50 फीसदी की गिरावट आई है। फिल्म ने 12वें दिन 6.50 करोड़ रुपये कमाए हैं और 11वें दिन 13.75 करोड़ की कमाई की थी।ट्रेड एनालिस्ट श्रीधर पिल्लई ने बताया है कि गोट तमिलनाडू में तेजी से चल रही है। गोट अपने घर में दर्शकों को अभी भी थिएटर में खींच रही है। वहीं, आगामी 20 सितंबर को मल्टीपल फिल्म रिलीज होने जा रही हैं, इसमें हरीश कल्याण की लब्बर पांडू, और हिप हॉप आदि कि कडेसी उलगा पोर शामिल है।इससे पहले विजय की करियर की पिछली फिल्म लियो (215 करोड़) और मणिरत्मन की फिल्म पोन्नियिन सेल्वन पार्ट 1 (213 करोड़ रुपये) का

निमृत कौर अहलूवालिया गुरु रंधावा के साथ पंजाबी फिल्म में डेब्यू करेंगी

अभिनेत्री निमृत कौर आहलूवालिया पंजाबी फिल्म शौंकी सरदार से पंजाबी फिल्मों में डेब्यू करने को तैयार हैं। फिल्म में उनके साथ गुरु रंधावा भी होंगे।अपने डेब्यू के बारे में निमृत ने कहा, पंजाबी फिल्म में डेब्यू करना मेरे लिए बहुत सम्मान की बात है, खासकर गुरु रंधावा के साथ जो इंडस्ट्री में एक आइकन हैं।उन्होंने कहा कि यह फिल्म पंजाब की संस्कृति पर आधारित है।फिल्म शौंकी सरदार एक खूबसूरत कहानी है जो पंजाब की समृद्ध संस्कृति को दर्शाती है और इस सफर को शुरू करने के लिए इससे बेहतर प्रोजेक्ट मेरे लिए नहीं हो सकता था।मुझे यकीन है कि मेरे फैंस मुझे इस नए अवतार में देखने के लिए काफी उत्साहित हैं।इस फिल्म को गुरु रंधावा के बैनर 751 फिल्म्स के तहत बनाई जाएगी। फिल्म का निर्देशन धीरज केदार द्वारा किया जा रहा है। यह फिल्म दर्शकों को भरपूर मनोरंजन देने का वादा करती है।टीवी शो खतरों के खिलाड़ी में स्टंट करने वाली निमृत ने हाल ही में साझा किया कि उन्हें मांसपेशियों में खिंचाव और शारीरिक दर्द से राहत पाने के लिए फिजियोथेरेपी करवानी पड़ी थी। लेकिन दर्द अभी भी महसूस होता है।अपने अनुभव के बारे में निमृत ने कहा, खतरों के खिलाड़ी में भाग लेना मेरे जीवन के सबसे रोमांचक और गहन अनुभवों में से एक रहा है। मैं इन स्टंट को करने में इतनी खो गई थी कि कई बार सीमाओं का पार कर जा रही थी। मुझे एहसास ही नहीं हुआ कि मैं कितनी थक गई थी।निमृत ने कहा कि वह रोहित शेट्टी की आभारी हैं, जिन्होंने शानदार तरीके से शो को होस्ट किया।इस महीने की शुरुआत में, अभिनेत्री ने रोहित शेट्टी के साथ शो के दौरान बने अच्छे बॉन्ड के बारे में बात की।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

आज आपका आत्मविश्वास और ऊर्जा का स्तर ऊंचा रहेगा। आज आपको अपने भाई या बहन की मदद से धन लाभ होने की संभावना है। प्रभावशाली और महत्वपूर्ण लोगों से परिचय बढ़ाने के लिए सामाजिक गतिविधियाँ अच्छा मौक़ा साबित होंगी। यह दिन प्रसन्नता और ज़िन्दादिली के साथ किसी ख़ास संदेश को भी देगा । अपनी बौद्धिक क्षमताओं का इस्तेमाल अपने हित में करें। इसकी मदद से आप पेशेवर योजनाओं और नए विचारों को पूरा कर सकते हैं। आज लोग आपकी वह प्रशंसा करेंगे, जिसे आप हमेशा से सुनना चाहते थे ।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

बच्चे आपकी शाम को ख़ुशी की चमक लाएंगे। थकाऊ और उबाऊ दिन को अलविदा कहने के लिए एक बढ़िया डिनर की योजना बनाएं। उनका साथ आपके शरीर में फिर से ऊर्जा भर देगा। अपने जीवनसाथी के साथ मिलकर आज आप भविष्य के लिए कोई आर्थिक योजना बना सकते हैं और उम्मीद है कि यह योजना सफल भी होगी। दोस्तों और परिवार के साथ मज़ेदार समय बीतेगा।साझीदार से संवाद क़ायम करना बहुत कठिन सिद्ध होगा। शहर से बाहर यात्रा ज़्यादा आरामदेह नहीं रहेगी, लेकिन आवश्यक जान–पहचान बनाने के लिहाज़ से फ़ायदेमंद साबित होगी।

मिथुन – क,कि,कु,घ,ङ,छ,के,को,ह

आपका विनम्र स्वभाव सराहा जाएगा। कई लोग आपकी ख़ासी तारीफ़ कर सकते हैं। आर्थिक तौर पर सुधार तय है। घर के माहौल की वजह से आप उदास हो सकते हैं। विवाह–प्रस्ताव के लिए सही समय है, आज के दिन आप कार्यक्षेत्र में कुछ बढ़िया कर सकते हैं। आज आप अपना खाली समय अपनी माता की सेवा में बिताना चाहेंगे लेकिन ऐन मौके पर किसी काम के आ जाने की वजह से ऐसा नहीं हो पाएगा। इससे आपको परेशानी होगी। वैवाहिक जीवन मे बहुत ख़ूबसूरती रहेगी ।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

आशावादी बनें और उजले पक्ष को देखें। आपका विश्वास और उम्मीद आपकी इच्छाओं व आशाओं के लिए नए दरवाज़े खोलेंगी। आज घर से बाहर बड़ों का आशीर्वाद लेकर निकलें इससे आपको धन लाभ हो सकता है। आज आपका ऊर्जा से भरपूर, ज़िंदादिल और गर्मजोशी से भरा व्यवहार आपके आस–पास के लोगों को ख़ुश कर देगा। दफ़्तर में स्नेह का माहौल बना रहेगा। आपका चुम्बकीय और ज़िन्दादिल व्यक्तित्व आपको सबके आकर्षण का केन्द्र बना देगा। जीवनसाथी के साथ यह एक बढ़िया दिन गुज़रने वाला है।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

आपका गुस्सा राई का पहाड़ बना सकता है, जो आपके परिवार को नाराज़ कर सकता है। वे लोग ख़ुशक़िस्मत हैं जो अपने गुस्से पर क़ाबू रख सकते हैं। इससे पहले कि आपका गुस्सा आपको ख़त्म करे, आप उसे ख़त्म कर दें। रिश्तेदारों के यहाँ छोटी यात्रा आपके भागदौड़ भरे दिन में आराम और सुकून देने वाली साबित होगी। आज आपके पास खाली समय होगा और इस समय का इस्तेमाल आप ध्यान योग करने में कर सकते हैं। आपको आज मानसिक शांति का अहसास होगा। जीवनसाथी का बिगड़ता स्वास्थ्य आपके लिए परेशानी का सबब बन सकता है।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

आशावादी बनें और उजले पक्ष को देखें। आपका विश्वास और उम्मीद आपकी इच्छाओं व आशाओं के लिए नए दरवाज़े खोलेंगी। आपके घर से जुड़ा निवेश फ़ायदेमंद रहेगा। प्रभावशाली और महत्वपूर्ण लोगों से परिचय बढ़ाने के लिए सामाजिक गतिविधियाँ अच्छा मौक़ा साबित होंगी। अपने प्रिय की छोटी–मोटी भूल को अनदेखा करें। बदलते समय के साथ क़दमताल करने के लिए नई तकनीक से तालमेल बैठाना महत्वपूर्ण रहेगा। लम्बे वक़्त से लटकी हुई दिक़्क़तों को जल्द ही हल करने की ज़रूरत है और आप जानते हैं कि आपको कहीं–न–कहीं से शुरुआत करनी होगी– इसलिए सकारात्मक सोचें और आज से ही प्रयास शुरू करें ।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

काम का दबाव और घरेलू मतभेद तनाव की वजह बन सकते हैं। इस राशि के कुछ लोगों को आज जमीन से जुड़े किसी मुद्दे को लेकर धन खर्च करना पड़ सकता है। आपकी स्वच्छन्द जीवनशैली घर में तनाव पैदा कर सकती है, इसलिए देर रात तक बाहर रहने और ज़्यादा ख़र्च करने से बचें। नए ग्राहकों से बात करने के लिए बेहतरीन दिन है। हवन का आयोजन घर मे होगा। आज आपको अपने जीवनसाथी का सहयोगी पक्ष देखने को मिल सकता है।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

खाते–पीते वक़्त सावधान रहें। लापरवाही बीमारी की वजह बन सकती है। आकस्मिक मुनाफ़े या सट्टेबाज़ी के ज़रिए आर्थिक हालात सुदृढ़ होंगे। पड़ोसियों से झगड़ा आपका मूड ख़राब कर सकता है।अगर आप सहयोग न करें, तो कोई आपसे नहीं झगड़ सकता है। सबसे अच्छा रिश्ता बनाए रखने की कोशिश करें। कार्यक्षेत्र में लोगों का नेतृत्व करें, क्योंकि आपकी निष्ठा आगे बढ़ने में मददगार सिद्ध होगी। जिंदगी में चल रही आपाधापी के बीच आज आपको अपने लिए पर्याप्त समय मिलेगा और और आप अपने पसंदीदा कामों को कर पाने में कामयाब हो पाएंगे।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

कुछ दिलचस्प पढ़कर थोड़ी दिमाग़ी कसरत करें। अपने भाई बहनों की सलाह लें। ऐसे दोस्तों के साथ बाहर जाएं, जो सकारात्मक और मददगार स्वभाव के हैं। दफ़्तर में शांत और संतुष्ट सोच आपके मन को उत्साहित रखेगी। भविष्य की योजनाओं के लिए आपको नए संपर्क बनाने की ज़रूरत है। वे करिअर की तरक़्क़ी में बहुत मददगार रहेंगे। अपने ज़बरदस्त आत्मविश्वास का फ़ायदा उठाएं, बाहर निकलें और कुछ नए सम्पर्क व दोस्त बनाएं। आप अपने वैवाहिक जीवन की सारी ख़राब यादें भूल जाएंगे और आज का भरपूर लुत्फ़ लेंगे।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

आपका दानशीलता का व्यवहार आपके लिए छुपे हुए आशीर्वाद की तरह सिद्ध होगा, क्योंकि यह आपको शक, अनास्था, लालच और आसक्ति जैसी ख़राबियों से बचाएगा। शाम को दोस्तों के साथ घूमें–फिरें, क्योंकि यह आपके लिए इस वक़्त बहुत ज़रूरी है। अपना रवैया ईमानदार और स्पष्टवादी रखें। लोग आपकी दृढ़ता और क्षमताओं को सराहेंगे। आपके घर का कोई करीबी शख्स आज आपके साथ वक्त बिताने की बात कहेगा लेकिन आपके पास उनके लिए वक्त नहीं होगा जिसकी वजह से उनको तो बुरा लगेगा ही आपको भी बुरा लगेगा।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

व्यापार को मजबूती देने के लिए आज आप कोई अहम कदम उठा सकते हैं जिसके लिए आपका कोई करीबी आपकी आर्थिक मदद कर सकता है। परिवार के सदस्य आपके नज़रिए का समर्थन करेंगे। साझेदारी में किए गए काम आख़िरकार फ़ायदेमंद साबित होंगे, लेकिन आपको अपने भागीदारों से काफ़ी विरोध का सामना करना पड़ सकता है। आज आप व्यस्त दिनचर्या के बावजूद भी अपने लिए समय निकाल पाने में समर्थ होंगे और इस खाली समय में अपने परिवार वालों के साथ गुफ्तगू कर सकते हैं।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

आपका ऊर्जा–स्तर ऊँचा रहेगा। इस राशि के जो लोग विदेशों से व्यापार करते हैं उन्हें आज अच्छा खासा धन लाभ हो सकता है। आपके बच्चे के पुरस्कार वितरण समारोह का बुलावा आपके लिए ख़ुशनुमा एहसास रहेगा। वह आपकी उम्मीदों पर खरा उतरेगा और आप उसके ज़रिए अपने सपने साकार होते हुए देखेंगे। इस राशि के जो लोग रचनात्मक कार्यों से जुड़े हैं उन्हें आज परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। आज आपको महसूस हो सकता है कि रचनात्मक कार्य करने से बेहतर नौकरी करना था। जीवन साथी के स्वास्थ्य को लेकर आप चिंतित रह सकते हैं।

गुरुवार का पंचांग

दिनांक : 19 सितंबर 2024 , बुधवार
विक्रम संवत : 2081
मास : आश्विन , कृष्ण पक्ष
तिथि : द्वितीया रात्रि 12:42 तक
नक्षत्र : उत्तराभाद्रपदा प्रातः 08:02 तक
योग : वृद्धि रात्रि 07:18 तक
करण : तैतिल दोपहर 02:31 तक
चन्द्र राशि : मीन
सूर्योदय : 06:04 , सूर्यास्त 06:14 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:08 , सूर्यास्त 06:17 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 06:01, सूर्यास्त 06:10 (तिरुपति)
सूर्योदय : 05:56 , सूर्यास्त 06:05 (विजयवाडा

शुभ चौघड़िया
लाभ : 06:00 से 07:30
अमृत : 07:30 से 09:00
शुभ : 10:30 से 12:00
चल : 03:00 से 04:30
लाभ : 04:30 से 06:00
राहुकाल : दोपहर 12:00 से 01:30
दिशाशूल : उत्तर दिशा
उपाय : तिल्ली खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : द्वितीया श्राद्ध , पंचक चालू है , गण्डमूल प्रातः 08:02 से

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

तकनीकी शिक्षा के क्षेत्र में भारत बने विश्वभर में अग्रणी देश : मुर्मू

युवा शक्ति राष्ट्र की बौद्धिक संपदा हैं : बागड़े
राज्य सरकार शीघ्र ही युवा नीति 2024 लाएगी : सीएम

जयपुर, 18 सितंबर (एजेंसियां)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने कहा है कि तकनीकी शिक्षा के क्षेत्र में भारत विश्वभर में अग्रणी देश बने और इसके लिए प्रौद्योगिकी संस्थानों को विश्वस्तरीय बनाने के लिए सभी को मिलकर कार्य करना चाहिए।

श्रीमती मुर्मू बुधवार को यहां मालवीय राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (एमएनआईटी) के 18वें दीक्षांत समारोह को संबोधित कर रही थी। उन्होंने राष्ट्रीय तकनीकी शिक्षण संस्थाओं को शोध अनुसंधान में मौलिक दृष्टि रखते कार्य करने, पर्यावरण अनुकूल तकनीक अपनाने और विकसित भारत की संकल्पना के लिए प्रतिबद्ध होकर कार्य करने का आह्वान किया। उन्होंने इस समारोह में 20 में से 12 स्वर्ण पदक छात्राओं को मिलने पर प्रसन्नता जताते हुए कहा कि बेटियां आगे बढ़ती है तो देश तेजी से विकास पथ पर आगे बढ़ेगा। संस्थान में कुल पदकों में 29 प्रतिशत बेटियों ने प्राप्त किए हैं। उन्होंने कहा कि यह इस बात का प्रमाण है कि महिलाओं को समान अवसर मिलने पर वे अधिक उत्कृष्टता हासिल कर सकती है।

उन्होंने कहा कि इस संस्थान की विद्यार्थी (एक बेटी) को प्लेसमेंट में सबसे अधिक पैकेज मिला है। उन्होंने इन बेटियों को बधाई देते हुए कहा कि अनुसंधान और विकास में उनकी भागीदारी देश में सामाजिक एवं आर्थिक विकास के लिए महत्वपूर्ण हैं वहीं बेटियों के जीवन में गुणवत्तापूर्ण सुधार के लिए भी आवश्यक है। उन्होंने कहा कि यह भी सराहनीय है कि इस संस्थान की फैक्ल्टी में एक तिहाई महिलाएं हैं और आने वाले समय में इसके अनुपात में और भी बढोत्तरी होगी। उन्होंने कहा कि ऐसे संस्थानों की भूमिका प्रतिभाओं को निखरने का अवसर प्रदान करते हैं वहीं देश को मजबूती भी प्रदान होती हैं। उन्होंने कहा कि एमएनआईटी विदेशी संस्थाओं के साथ मिलकर सौर परियोजना पर काम कर रहा है और वर्ष 2023-24 में 35 सौर परियोजनाओं को स्वीकृति दी गई हैं।

उन्होंने कहा कि शोध अनुसंधान में भी छात्राएं आगे रहती है तो इससे देश वैश्विक स्तर पर अग्रणी रहेगा। उन्होंने कहा कि देश के प्रौद्योगिकी संस्थानों को इसीलिए नेशनल इंस्टीटूट के रूप में राष्ट्र महत्व के संस्थान का दर्जा दिया गया है कि इनके जरिए भारत तेजी से विकास पथ पर आगे बढ़े। राष्ट्रपति ने समारोह में 805 स्नातक, 477 स्नातकोत्तर और 79 पीएचडी विद्यार्थियों को डिग्री प्रदान की और 20 स्वर्ण पदक प्रदान किए। उन्होंने छात्रों के लिए निर्मित अरावली छात्रावास का लोकार्पण भी किया।

इस अवसर पर राज्यपाल हरिभाऊ किसनराव बागडे ने कहा कि देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने विकसित भारत 2047 की जो संकल्पना संजोई है, उसका मूल आधार ही यही है कि भारत सभी क्षेत्रों में तेजी से विकास की ओर आगे बढें। इसमें युवाओं की भूमिका ही महत्वपूर्ण है। उन्होंने युवाओं से अर्जित तकनीकी ज्ञान का राष्ट्र के विकास में उपयोग करने पर जोर दिया। श्री बागडे ने एमएनआईटी में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस विभाग की स्थापना की सराहना की तथा कहा कि युवा टेक्नोक्रेट्स के लिए आने वाले समय में इससे महत्वपूर्ण कदम उठाए जा सकेंगे। उन्होंने कहा कि यांत्रिक ज्ञान जरूरी है परन्तु इस ज्ञान के साथ यदि नैतिक और मानवीय मूल्य जुड़े रहेंगे तभी हम सबका साथ, सबका विकास को सही मायने में फलीभूत कर पाएंगे। उन्होंने कहा कि युवा शक्ति राष्ट्र की बौद्धिक संपदा हैं। उन्हें देश के लोकतंत्र और बहुलता के आदर्शों को पूरी तरह से समझते हुए वसुधैव कुटुम्बकम की भारतीय संस्कृति और सर्वे भवन्तु सुखिन के तहत सबके मंगल की कामना को ध्यान में रखते हुए भविष्य के लिए कार्य करना चाहिए। उन्होंने सभी को राष्ट्र आराधना करते हुए देश और समाज की उन्नति के लिए कार्य करने का आह्वान किया।

उन्होंने विद्यार्थियों को व्यसन मुक्त रहते अपने अंदर नैतिक गुणों का अधिक से अधिक विकास किए जाने का आह्वान किया। उन्होंने विद्यार्थियों को प्रकृति के साथ तालमेल रखने, पर्यावरण के प्रति संवेदनशील रहने और जो भी काम मिले, उसे लगन से करने पर जोर दिया। श्री बागडे ने कहा कि प्रयास रहेगा कि राजस्थान के सभी विश्वविद्यालय नैक रैंकिंग प्राप्त करें। पूरे देश में राज्य के विश्वविद्यालय गुणवत्ता की शिक्षा में अग्रणी रहें। उन्होंने संस्थान के आचार्यों का आह्वान किया कि वे विद्यार्थियों की बौद्धिक क्षमता में वृद्धि के लिए कार्य करें। नई शिक्षा नीति की मंशा के अनुरूप विद्यार्थियों को ऐसी शिक्षा प्रदान करे जिससे वे रोजगार पाने के योग्य नहीं बल्कि रोजगार देने वाले बनें।

समारोह में मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा ने कहा कि युवा नए नए विचारों के साथ समाज और राष्ट्र उत्थान के लिए कार्य करें। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार हर वर्ष चार लाख सरकारी नौकरियां प्रदान करने लिए प्रतिबद्ध है। श्री शर्मा ने कहा कि इस वर्ष भी राज्य सरकार एक लाख युवाओं की भर्ती करने जा रही है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार शीघ्र ही युवा नीति 2024 लाने जा रही है।

उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों में दक्षता विकास के लिए राज्य सरकार स्टेट स्किल पॉलिसी भी लाने जा रही है। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार युवाओं को नए स्टार्ट अप प्रारंभ करने और युवा उद्यमिता को बढ़ावा देने के लिए असीमित अवसर प्रदान कर रही है।

एमएनआईटी के निदेशक प्रो. एन पी पाढ़ी ने संस्था का प्रगति प्रतिवेदन प्रस्तुत करते हुए बताया कि संस्थान को शोध और अनुसंधान में 15 पेटेंट मिले हैं। उन्होंने विश्वास दिलाया कि भविष्य में एमएनआईटी विश्वभर में अग्रणी संस्थान बनेगा।

सैलजा के खिलाफ अभद्र टिप्पणी से नाराज दलित संगठनों ने फूंका भूपेंद्र हुड्डा का पुतला

हिसार, 18 सितंबर (एजेंसियां)। हरियाणा में हिसार जिले के उकलाना विधानसभा क्षेत्र में बुधवार को विभिन्न दलित संगठनों ने पुरानी अनाज मंडी में सिरसा से सांसद कुमारी सैलजा पर कांग्रेस कार्यकर्ता द्धारा की गई अभद्र टिप्पणी के विरोध में पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा का पुतला फूंका ।प्रदर्शनकारियों का कहना था कि अभद्र टिप्पणियां बर्दाश्त नहीं की जायेंगी और दलित समाज की अस्मिता का अपमान करने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जानी चाहिये। प्रदर्शन के दौरान नेताओं ने मांग की कि दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई हो और दलित समाज के सम्मान की रक्षा की जाये। विरोध प्रदर्शन करते हुए दलित समाज के लोगों ने कहा कि कुमारी सैलजा के खिलाफ की गयी टिप्पणी से सारा समाज आहत है और कार्रवाई की मांग करता है।प्रदर्शनकारियों ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की और श्री हुड्डा के खिलाफ भी जमकर नारेबाजी की और गुलाबी गैंग का नारा लगाया। दलित समाज के लोगों ने कहा कि ऐसे लोगों को वोट की चोट मारनी है और सबक सिखाना है।गौरतलब है कि पिछले दिनों एक वीडियो वायरल हुआ, जिसमें एक कांग्रेस कार्यकर्ता को अभद्र टिप्पणी करता दिखाया गया था। इसके बाद सोमवार को श्री हुड्डा ने बयान में कहा था कि शैलजा मेरी बहन है और उसके खिलाफ आपत्तिजनक टिप्पणी करने वाले किसी भी शख्स के लिये कांग्रेस पार्टी में कोई जगह नहीं है। उन्होंने कहा कि ऐसा लगता है कि वीडियो से छेड़छाड़ की गयी है। उन्होंने कहा कि जाति, धर्म के नाम पर आधार पर लोगों को लड़वाना भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) का काम है। उन्होंने कहा था कि हर किसी के पास फोन ,कैमरा है और कोई भी ऐसा कर सकता है।

मोदी ने बढाया विश्व में भारत का मान : राठौड़

जयपुर, 18 सितंबर (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के जन्म दिन से शुरू हुए सेवा पखवाड़े के तहत राजस्थान में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पदाधिकारी और कार्यकर्ताओं सेवा के कार्य कर रहे हैं और इसके तहत बुधवार को भाजपा जनता युवा मोर्चा (भाजयुमो) की ओर से यहां रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया।भाजपा प्रदेश कार्यालय में आयोजित रक्तदान शिविर में पार्टी के प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड ने रक्तदाताओं की हौंसला अफजाई की और इस पुनीत कार्य के लिए सभी कार्यकर्ताओं को तैयार रहने का आह्वान किया। इस अवसर पर श्री राठौड ने कहा कि श्री मोदी के नेतृत्व में देश विकास की नई गाथा लिख रहा है। श्री मोदी ने विश्व में देश का मान बढाया है और वह विश्व के सर्वाधिक लोकप्रिय नेता है। उनके जन्मदिन पर सेवा कार्य के लिए कार्यकर्ताओं में उत्साह है और भाजपा का बूथ स्तर का कार्यकर्ता उनके जन्मदिवस पर शुरू की गई सेवा की मुहीम में आहुति देने के लिए आतुर है।

उन्होंने कहा कि भाजपा के नेता और कार्यकर्ता प्रदेश की जनता के लिए अपने रक्त की एक-एक बूंद समर्पित करने के लिए तैयार है। इस अवसर पर युवा मोर्चा प्रदेशाध्यक्ष अंकित गुर्जर चेची ने बताया कि युवा मोर्चा द्वारा संपूर्ण प्रदेश में प्रत्येक जिला स्तर पर 19 सितंबर तक रक्तदान शिविर का आयोजन किया जा रहा है। इसके तहत आज युवा मोर्चा जयपुर शहर की ओर से रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया।

कांग्रेस का घोषणापत्र झूठ का पिटारा : बड़ौली

चंडीगढ़, 18 सितंबर (एजेंसियां)। हरियाणा भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) अध्यक्ष मोहन लाल बड़ौली ने कांग्रेस के घोषणा पत्र को झूठ का पिटारा कहा।उन्होंने यहां जारी बयान में आरोप लगाया कि कांग्रेस हमेशा से ही झूठी गारंटी देती आ रही है और दावा किया कि अब कांग्रेस की इन गारंटियों पर कोई भी भरोसा करने वाला नहीं है। श्री बड़ौली ने कहा कि भाजपा जो कहती है, वह करके दिखाती है, जबकि कांग्रेस के लोग बोलते बहुत कुछ है पर करते कुछ नहीं।भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि अब कांग्रेस की सच्चाई देश और प्रदेश के लोगों के सामने है। फरीदाबाद एनआईटी के कांग्रेस प्रत्याशी नीरज शर्मा ने कांग्रेस के कोटा कल्चर की पोल खोल दी है। श्री बड़ौली ने आरोप लगाया कि कांग्रेस हमेशा सिफारिश और पैसे का लेन-देन करके ही युवाओं को नौकरी देती है।

कांग्रेस मुंगेरीलाल के हसीन सपने देख रही : अनुराग

फतेहाबाद, 18 सितंबर (एजेंसियां)। पूर्व केन्द्रीय मंत्री व भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सांसद अनुराग ठाकुर ने बुधवार को कहा कि कांग्रेस मुंगेरीलाल के हसीन सपने देख रही है।

श्री ठाकुर फतेहाबाद जिला के रतिया विधानसभा क्षेत्र में हिमाचली आबादी वाले बोसवाल गांव में भाजपा प्रत्याशी सुनीता दुग्गल के लिए जनसभा को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि नेहरू सरकार ने जम्मू कश्मीर में 370 धारा लगाई, जिससे हजारों फौजियों को शहीद होना पड़ा, जबकि नरेंद्र मोदी ने इस धारा को हटाया।उन्होंने दावा किया कि 370 हटाए जाने से लाल चौक अब तिरंगे की रौशनी में जगमगाता है जबकि कांग्रेस के समय वहां बम धमाके हुए और गोला बारूद फटते थे, जबकि राहुल गांधी वहां पदयात्रा खत्म कर रहे थे तो बर्फ गोलों से खेल रहे थे।

श्री ठाकुर ने कहा कि कांग्रेस मुंगेरी लाल के हसीन सपने देख रही है। उन्होंने कहा कि 2014 से 2024 तक जनता कांग्रेस को नकार चुकी है और आरोप लगाया कि कांग्रेस देश को बदनाम कर नफरत की दुकान चला रही है तथा राहुल गांधी जाति, धर्म के नाम पर देश को बांटते देखना चाहते हैं।

भाजपा नेता ने आरोप लगाया कि कौरव पार्टी आज हरियाणा के लोगों की जमीन छीनने का मन बना रही है, दलितों पर अत्याचार करना चाहती है।

कांग्रेस के दामाद पहले हरियाणा को प्रॉक्सी से चला रहे थे, आज फिर वही करना चाहते हैं।

हरियाणा विधानसभा चुनाव : 1031 प्रत्याशी मैदान में

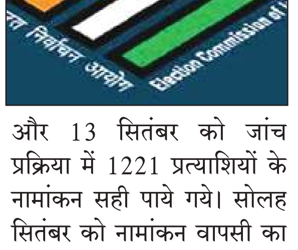

चंडीगढ़, 18 सितंबर (एजेंसियां)। हरियाणा विधानसभा चुनाव में नामांकन वापसी के बाद 90 विधानसभा क्षेत्रों के लिये कुल 1031 प्रत्याशी मैदान में रह गये हैं। मुख्य निर्वाचन अधिकारी पंकज अग्रवाल ने मंगलवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि पांच से 12 सितंबर तक 1559 प्रत्याशियों ने नामांकन भरे थे और 13 सितंबर को जांच प्रक्रिया में 1221 प्रत्याशियों के नामांकन सही पाये गये। सोलह सितंबर को नामांकन वापसी का आखिरी दिन था और कुल 190 प्रत्याशियों ने अपने नामांकन वापस लिये जिसके बाद 1031 प्रत्याशी चुनावी मैदान में रह गये हैं। पिछले तीन चुनावों में यह संख्या सबसे कम है। 2014 में 1351 प्रत्याशियों ने और 2019 में 1169 प्रत्याशियों ने चुनाव लड़ा था। चुनाव के लिये मतदान पांच अक्तूबर को होना है और मतगणना आठ अक्टूबर को होनी है।

आंगनबाड़ी केन्द्रों पर बच्चों को शीघ्र ही मिलेगा सप्ताह में तीन दिन दूध : दिया कुमारी

जयपुर, 18 सितंबर (एजेंसियां)। राजस्थान में आंगनबाड़ी केन्द्रों पर बच्चों को अब शीघ्र सप्ताह में तीन दिन दूध मिलने लगेगा। उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने प्रदेश के 62 हजार आंगनबाड़ी केन्द्रों पर आने वाले लगभग 36 लाख बच्चों को सप्ताह में तीन दिन दूध उपलब्ध कराने के लिए प्रक्रिया को शीघ्र पूरा करने के अधिकारियों को निर्देश दिए हैं।श्रीमती दिया कुमारी ने बुधवार को शासन सचिवालय में आयोजित बैठक में यह निर्देश दिए। उन्होंने बजट घोषणा को जल्द लागू करने के निर्देश दिए। बैठक में महिला एवं बाल विकास शासन सचिव महेन्द्र सोनी, निदेशक समेकित बाल विकास सेवाएं (आईसीडीएस) ओ पी बुनकर आदि अधिकारी मौजूद थे।उल्लेखनीय है कि वित्त वर्ष 2024-25 के परिवर्तित बजट में आंगनबाड़ी केन्द्रों पर बच्चों को उचित पौष्टिक आहार के रूप में सप्ताह में तीन दिन दूध उपलब्ध कराये जाने की घोषणा की थी। इसके लिए क्रय किये जाने वाले मिल्क पॉवडर पर 200 करोड रूपये वार्षिक व्यय किये जायेंगे।

कांग्रेस की गारंटी चीन के खिलौने की तरह : पूनियां

जयपुर, 18 सितंबर (एजेंसियां)। राजस्थान के भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष एवं भाजपा हरियाणा प्रभारी डॉ. सतीश पूनियां ने हरियाणा विधानसभा चुनाव को लेकर जारी हुए कांग्रेस के घोषणापत्र को चुनावी जुमला, खर्ची और पर्ची की वापसी करार देते हुए कहा है कि कांग्रेस की गारंटी चीन के खिलौने की तरह है जो जल्दी ही टूट जाती है।

डा पूनियां ने कांग्रेस के घोषणा पत्र पर अपनी प्रतिक्रिया में यह बात कही। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने हरियाणा की धरती से अपना चुनावी घोषणा पत्र जारी नहीं किया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के घोषणा पत्र पर एक गाना फिट बैठता है, वादा तेरा वादा- वादे पर मारा गया बंदा सीधा-साधा। उन्होंने जनता से किए वादों को तोड़ने में कांग्रेस को महारत हासिल बताते हुए कहा कि देश और हरियाणा की जनता के साथ छलावा करने, धोखा देने और भ्रमित करने में कांग्रेस को महारत हासिल है और कांग्रेस ने अपने घोषणा पत्र में जो वादे किए है, वो महज चुनावी जुमले ही हैं।

डा पूनियां ने कहा कि कांग्रेस 500 रुपए में गैस सिलेंडर देने का वादा कर रही है लेकिन भाजपा पहले ही उसको पूरा कर चुकी है। कांग्रेस 55 साल शासन करने के बाद भी किसानों के लिए कभी भी वह न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) पर अपनी जुबान नहीं खोलेगी लेकिन कांग्रेस के नेता चुनाव से पहले ही बयानबाजी कर रहे है कि कांग्रेस प्रत्याशी शमशेर सिंह बोलते है कि सरकार आते ही पहले अपने रिश्तेदारों और अपने घर भरेंगे। उन्होंने कहा कि हरियाणा के युवाओं को भाजपा सरकार ने ही बिना पर्ची-खर्ची के नौकरियां देने का काम प्रमाणिकता से किया है। कांग्रेस की हालत आज ऐसी है कि हाथी के दांत खाने के और दिखाने के और। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के घोषणा पत्र से उनकी नियत और चेहरा जनता के सामने आ गया है और कांग्रेस के इस झूठे घोषणापत्र और छलावे को हरियाणा की जनता ने पूरी तरह से नकार दिया है।

शुभ लाभ DAILY
खबरें जो सोच बदल दे

गंगा समेत नदियां उफान पर, तेजस्वी के विधानसभा में बाढ़ से लोग परेशान

पटना के 76 स्कूल बंद

पटना (एजेंसियां)।

गंगा, सोन, पुनपुन, दरधा, गंडक, जिरायन और फल्गु समेत कई नदियों का जलस्तर में लगातार वृद्धि हो रही है। बक्सर, पटना, वैशाली जिले के कुछ इलाकों में बाढ़ का खतरा बढ़ गया है। पटना के दीघा, गांधी घाट, बेगूसराय के हाथीदह, भागलपुर के कहलगांव में गंगा का जलस्तर लाल निशान के ऊपर चला गया है। बाढ़ के खतरे को लेकर लोगों में दहशत ह। पटना, बक्सर, भागलपुर समेत कई इलााकों के नदियों के जलस्तर बढ़ने से कटाव भी तेज हो गया है। बक्सर में कई एकड़ में लगे फसल डूब गए। गया और वैशाली के कुछ इलाकों में बाढ़ का पानी घुस गया है। जल

संसाधन विभाग के अनुसार, पहाड़ों पर बारिश के कारण नदियों के जलस्तर में वृद्धि हो रही है।

पटना में गंगा का जलस्तर एक बार फिर खतरे के निशान से ऊपर हो गया है। दियारा इलाके में बाढ़ के खतरे को देखते हुए जिला प्रशासन ने पटना के 76 सरकारी स्कूलों को अगले आदेश तक बंद कर दिया है। पटना के महावीर घाट, कंगनघाट, गायघाट, फतुहा, कोल्हाचक इलाके में जलजमाव के कारण लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। प्रशासन से निचले इलाके में रहने वाले लोगों से अलर्ट रहने की अपील की है।

औरंगाबाद के अंबा स्थित बटाने नदी पर बने पुल को पार करने के दौरान पांच लोग तेज धार में बह गए। इसमें से तीन लोगों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया है। इसमें से दो अन्य की तलाश एनडीआरएफ की टीम कर रही है। बताया जा रहा है कि देव से अंबा जाने के लिए बटाने नदी को पार करने के लिए वैकल्पिक पुल की व्यवस्था की गई थी जिस पुल के उपर से पानी की काफी तेज़ बहाव था। मंगलवार देर रात पांच लोग एक ही बाइक पर सवार होकर पुल को पार कर रहे थे। इस दौरान यह हादसा हुआ।

नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव के विधानसभा क्षेत्र राघोपुर के कई गांव में बाढ़ का पानी फैल चुका है। प्रखंड मुख्यालय से लगभग गांव का रोड से संपर्क भंग हो चुका है। पिछले तीन दिनों से लगातार गंगा के जलस्तर में हो रही वृद्धि के कारण राघोपुर का दियारा इलाका जलमग्न हो चुका है। बाढ़ का पानी फैलने के कारण लोगों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। बाढ़ का पानी से प्रखंड के कई विद्यालय आंगनबाड़ी केंद्र में जल जमाव हो गया है। जिसके कारण लोगों को काफी परेशानी हो रही है।

वैशाली में बाढ़ का तांडव, राघोपुर प्रखंड के दर्जनों गांव जलमग्न

बड़ी दिक्कतों का सामना कर रहे लोग

वैशाली (एजेंसियां)।

वैशाली जिले के राघोपुर प्रखंड में बाढ़ ने स्थिति को काफी गंभीर बना दिया है। गंगा के जलस्तर में लगातार वृद्धि के कारण पिछले तीन दिनों से राघोपुर जलमग्न हो चुका है।

प्रखंड के रुस्तमपुर, बीरपुर, जाफराबाद, जहांगीरपुर, सरायपुर, तेरसिया, हिम्मतपुर, चक सिंगर, वीरपुर, फतेहपुर और बहरामपुर समेत कई गांवों में बाढ़ का पानी फैल चुका है।

इस वजह से लोगों को एक स्थान से दूसरे स्थान पर जाने में अत्यधिक कठिनाई का सामना करना पड़ रहा है।

जानकारी के मुताबिक, बाढ़ के कारण प्रखंड मुख्यालय से लगभग सभी गांवों का संपर्क सड़क मार्ग से भंग हो चुका है। रुस्तमपुर से बीरपुर जाने वाली मुख्य सड़क पर

बाढ़ का पानी चढ़ जाने के कारण आवागमन प्रभावित हो गया है। बाढ़ के पानी के कारण कई विद्यालय और आंगनबाड़ी केंद्र भी जलमग्न हो गए हैं, जिससे बच्चों की पढ़ाई और अन्य सेवाएं प्रभावित हो रही हैं।

इधर, स्थानीय प्रशासन की ओर से पर्याप्त नाव की व्यवस्था न किए जाने के कारण लोगों को अपने दैनिक उपयोग की सामग्री और पशु चारा लाने के लिए पानी में तैरकर यात्रा करनी पड़ रही है। इससे लोगों की जान को खतरा बना हुआ है। जुड़ावनपुर थाना परिसर में भी बाढ़ का पानी प्रवेश कर चुका है, और पहाड़पुर से वीरपुर तक सड़क पर दो से तीन फुट पानी भर चुका है।

प्रखंड के निचले इलाकों में दर्जनों घरों में बाढ़ का पानी प्रवेश कर चुका है, जिससे वहां के निवासी बेहद परेशान हैं। स्थानीय प्रशासन को चाहिए कि वे तुरंत राहत कार्यों को तेज करें और बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में आवश्यक सामग्री और नाव की व्यवस्था करें ताकि लोगों को राहत मिल सके।

सीएम नीतीश की पार्टी के कार्यकारी अध्यक्ष ने केजरीवाल पर साधा निशाना

ऐसा करने से कोई फायदा नहीं

पटना (एजेंसियां)।

दरभंगा में निजी कार्यक्रम में शामिल होने दरभंगा पहुंचे जदयू के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष संजय झा ने कहा कि दिल्ली में आम आदमी पार्टी को बहुमत है। वह जिनको चाहे मुख्यमंत्री बना सकती है। लेकिन, मेरे हिसाब से दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविन्द केजरीवाल को तो पहले ही मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा देना चाहिए था। जब उनपर नई शराब नीति में घोटाले आरोप लगा था और पुलिस ने कई बार समन भी जारी किया था। इसके वावजूद उन्होंने इस्तीफा देना मुनासिब नहीं समझा था। अब दिल्ली में वही राम और भरत जैसी कहानी होगी। जो वह कह रहे सत्ता उसी हिसाब से चलेगी।

मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा अरविंद केजरीवाल को फायदा होने के सवाल पर संजय झा ने कहा कि उन्हें नहीं लगता है। दिल्ली में ऐस कोई परिस्थिति बनेगी। उन्होंने कहा कि अभी तो अदालत से जमानत मिली है। इस मामले में फैसला आना अभी बांकी है। वह कोर्ट ने कई शर्तो के आधार पर उन्हें जमानत दी है।

उन्होंने बिहार के चारा घोटाले का उदाहरण देते हुए कहा कि बिहार में चारा घोटाला के समय भी यही हुआ। उनके आरोपी को पहले जमानत मिली थी। बाद में अदालत ने उन्हें सजा सुनाया और वे बाद दोषी साबित हुआ। ऐसे ही अभी केजरीवाल को कोर्ट से जमानत मिली है। अभी केस थोड़े न फाइनल हुआ है। अभी इस मामले ट्रायल होना बाकी है। आगे क्या फैसला अदालत का आता है? यह देखना होगा। अब तो चार महीने बाद अगले वर्ष 2025 के जनवरी में दिल्ली में चुनाव होने वाले है। चुनाव में आम आदमी पार्टी और अरविंद केजरीवाल को अपना हैसियत पता चल जाएगा।

सहरसा में मामूली विवाद को लेकर दुकानदार की गोली मारकर हत्या, इलाके में तनाव

कोसी (एजेंसियां)।

सहरसा जिले के सलखुआ थानाक्षेत्र के गोरियारी गांव में सोमवार को एक किराना दुकानदार की गोली मारकर हत्या कर दी गई। मृतक की पहचान रंजीत यादव (35) के रूप में हुई है, जो गांव में ही किराना दुकान चलाता था। परिजनों के अनुसार, हत्या का कारण कुछ लड़कों को उधार न देना बताया जा रहा है। घटना के बाद गांव में तनाव का माहौल बना हुआ है। फिलहाल पुलिस द्वारा मामले की जांच तेज कर दी गई है।

जानकारी के मुताबिक, रंजीत यादव की हत्या के पीछे का विवाद मंगलवार को तब शुरू हुआ, जब कुछ लड़के उसकी दुकान पर उधार लेने आए थे।

रंजीत ने उधार देने से मना कर दिया, जिससे विवाद उत्पन्न हो गया। मामले की सूचना डायल 112 पर दी गई, जिसके बाद पुलिस ने एक लड़के को हिरासत में लिया। लेकिन बाद में उसके पिता लखन यादव के हस्तक्षेप से आपसी समझौते के तहत उसे रिहा कर दिया गया।

बताया जा रहा है कि बुधवार को सुबह लगभग साढ़े 11 बजे, रंजीत यादव अपनी दुकान से घास लेकर बाइक पर घर जा रहा था। गोरियारी चौक के पास चार से पांच लड़कों ने उसे घेर लिया और गोली मार दी। घटना के बाद परिजनों और ग्रामीणों ने उसे तुरंत सिमरी बख्तियारपुर अनुमंडलीय अस्पताल पहुंचाया। जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। परिजनों का आरोप है कि अस्पताल में न तो चिकित्सक समय पर पहुंचे और न ही उसे ऑक्सीजन लगाई गई, जिससे उसकी मौत हो गई।

घटना की सूचना मिलते ही सलखुआ थानाध्यक्ष विशाल कुमार दल-बल के साथ मौके पर पहुंचे और मामले की जांच शुरू की। घटनास्थल से पुलिस ने कुछ लाठी और चप्पल बरामद किए हैं, जिन्हें जांच के लिए भेजा गया है। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए सहरसा सदर अस्पताल भेज दिया है।

घटना के बाद सिमरी बख्तियारपुर एसडीपीओ मुकेश कुमार ठाकुर, अंचल पुलिस निरीक्षक मो. सुजाउद्दीन, और विभिन्न थानों की पुलिस घटनास्थल पर पहुंचकर जांच में जुट गई है। एफएसएल की टीम भी मौके पर पहुंची और साक्ष्य जुटाए जा रहे हैं। एसपी के निर्देश पर अपराधियों की गिरफ्तारी के लिए एसआईटी का गठन किया गया है, और तीनों थानों की पुलिस संभावित ठिकानों पर छापेमारी कर रही है।

रंजीत यादव की हत्या के बाद गांव में तनाव का माहौल है, और लोग डर और सदमे में हैं। पुलिस ने गांव में सुरक्षा के कड़े इंतजाम कर दिए हैं, और किसी भी अप्रिय घटना से बचने के लिए अतिरिक्त बल तैनात किया गया है। वहीं, मृतक के परिजनों द्वारा अभी तक आवेदन नहीं दिया गया है और पुलिस उनके बयान का इंतजार कर रही है।

जन संवाद कार्यक्रम में बोले तेजस्वी यादव

जाति आधारित गणना के विरोधी हैं पीएम मोदी, सीएम नीतीश पर भी किया हमला

मुजफ्फरपुर (एजेंसियां)।

नेता विरोधी दल तेजस्वी यादव ने मुजफ्फरपुर में आयोजित एक जन संवाद कार्यक्रम के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पर तीखे हमले किए। तेजस्वी यादव ने प्रधानमंत्री मोदी पर जाति आधारित गणना के विरोधी होने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार जाति आधारित गणना को लागू नहीं होने देना चाहती, जिससे आरक्षण का लाभ जरूरतमंद लोगों तक नहीं पहुंच सके।

राजद नेता तेजस्वी यादव ने आरोप लगाया कि देश भर में जाति आधारित गणना की मांग उठ रही है और बिहार ने इस मुद्दे

पर एक मिसाल कायम की है। उन्होंने कहा कि कई राज्य अब जाति आधारित गणना की मांग कर रहे हैं, लेकिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इस मामले में गंभीरता नहीं दिखा रहे हैं। यह साफ संकेत है कि वे नहीं चाहते कि जाति आधारित गणना पूरे देश में हो। अगर गणना नहीं होगी तो आरक्षण का लाभ भी जरूरतमंद लोगों तक नहीं पहुंच सकेगा। पीएम मोदी और बीजेपी हर मोर्चे पर आरक्षण विरोधी मानसिकता वाले लोग हैं।

तेजस्वी यादव ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पर भी टिप्पणी की, जिन्होंने पीएम मोदी की तुलना में शिक्षा के क्षेत्र में अपनी उपलब्धियों को लेकर बयान दिया। उन्होंने कहा कि पीएम मोदी चौथी कक्षा पास हैं, जबकि नीतीश कुमार बीटेक (इंजीनियर) हैं।

यह सवाल उठता है कि क्यों सीएम नीतीश कुमार पीएम मोदी के पैर छूते हैं। पीएम मोदी खुद चौथी कक्षा पास हैं और उनके लोग चरवाहा विद्यालय की बात करते हैं, जबकि नीतीश कुमार एक इंजीनियर हैं। यह एक असमानता है जो मोदी और बीजेपी के दृष्टिकोण को स्पष्ट करती है।

तेजस्वी यादव ने जन संवाद कार्यक्रम के दूसरे दिन की शुरुआत के दौरान कहा कि उन्हें लोगों से सीएम नीतीश कुमार की सरकार के खिलाफ कई शिकायतें मिली हैं। उन्होंने कहा कि लोगों का बहुत सहयोग मिल रहा है और बिहार की स्थिति से आम आदमी परेशान है। हमारी टीम जगह-जगह जाकर लोगों की समस्याओं को सुन रही है। सीएम नीतीश कुमार की सत्ता में बने रहने की ताकत अब समाप्त हो चुकी है। इसलिए हम लगातार फीडबैक ले रहे हैं और इस पर विचार कर रहे हैं। तेजस्वी यादव ने यह भी स्पष्ट किया कि उनका लक्ष्य जनता की समस्याओं को उठाना और उनके समाधान के लिए उचित कदम उठाना है। उन्होंने कहा कि उनकी पार्टी आगामी चुनावों में लोगों के मुद्दों को प्रमुखता से उठाएगी और सीएम नीतीश कुमार की नीतियों की आलोचना करती रहेगी।

बेगूसराय सांसद ने मुसलमानों को वक्फ बोर्ड पर दी नसीहत

अरविंद केजरीवाल और राहुल गांधी पर किया तीखा हमला

बेगूसराय (एजेंसियां)।

बेगूसराय के सांसद और केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने हाल ही में एक विवादित बयान दिया, जिसमें उन्होंने मुसलमानों को वक्फ बोर्ड के मुद्दे पर नसीहत दी। गिरिराज सिंह ने कहा कि मुसलमानों को वक्फ बोर्ड के चक्कर में नहीं पड़ना चाहिए, क्योंकि इसमें उनकी भलाई नहीं है। दरअसल, वक्फ बोर्ड संशोधन बिल के आने के बाद, मुसलमानों द्वारा समर्थन जुटाने के लिए एक मुहिम चलाई जा रही है, जिसमें मेल के माध्यम से समर्थन हासिल किया जा रहा है। इसके चलते भाजपा सांसदों से भी इस बिल के समर्थन में प्रचार-प्रसार करने का आह्वान किया गया था। इसी संदर्भ में भाजपा नेता गिरिराज सिंह ने मुसलमानों को स्पष्ट सलाह दी कि वक्फ बोर्ड से जुड़े मुद्दों में उलझने की बजाय उन्हें अपनी भलाई पर ध्यान देना चाहिए। वहीं, दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के इस्तीफे के संदर्भ में गिरिराज सिंह ने उनकी आलोचना की। उन्होंने कहा कि भरत ने राम के खड़ाऊ अपने सिंहासन पर रखकर राज किया था, उस वक्त भगवान राम अपने पिता के आदेश से वनवास को गए थे। लेकिन केजरीवाल भ्रष्टाचार के आरोप में जेल गए हैं तो उन्हें खुद सोचना चाहिए। यह सारे के सारे लोग परिवारवाद से जुड़े हुए हैं और लोगों को भरमाने की कोशिश कर रहे हैं। साथ ही हरियाणा और दिल्ली में एक साथ राज करने की कोशिश में लगे हुए हैं।

इसके साथ ही गिरिराज सिंह ने एक बार फिर कांग्रेस के वरिष्ठ नेता राहुल गांधी पर जुबानी हमला किया। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी जैसे लोग सामाजिक विद्वेष पैदा कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि आज देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी हैं, इसी वजह से विकास हो रहा है। अगर नरेंद्र मोदी प्रधानमंत्री नहीं होते, राहुल सत्ता में होते तो कश्मीर से 370 धारा नहीं हटती। बल्कि कश्मीर को राहुल गांधी पाकिस्तान में मिलाकर दम लेते और डोकलाम की जमीन चीन को दे देते। यह लोग सिर्फ वोट बैंक की राजनीति करते हैं और लोगों को भरमाने का काम करते हैं।

जीएसटी वसूल करने में देश के टॉप पांच राज्यों में अब बिहार भी शामिल

पटना (एजेंसियां)।

बिहार में एक साल एक अप्रैल से 31 अगस्त तक 15, 463 करोड़ रुपये का जीएसटी संग्रह किया गया है। यह पिछले साल की तुलना में 8.4 प्रतिशत अधिक है।। सूचना एवं जनसंपर्क विभाग में पत्रकारों से बातचीत के दौरान बिहार वाणिज्य कर विभाग के सचिव संजय कुमार सिंह ने कहा कि विभाग ने 42,500 करोड़ रुपये जीएसटी संग्रह का लक्ष्य रखा है। वस्तु एवं सेवा

कराधान (जीएसटी) व्यवस्था की शुरुआत से पहले, वर्ष 2017-2018 में बिहार में कुल कर 17,236 करोड़ रुपये एकत्र हुए थे। 2023-2024 में राज्य ने 38,198 करोड़ रुपये का संग्रह किया। चालू वित्तीय वर्ष (अप्रैल से अगस्त तक) में, राज्य ने अब तक 15,463 करोड़ रुपये का संग्रह किया है, जो पिछले वर्ष की समान अवधि की तुलना में 8.4 प्रतिशत अधिक है।

उन्होंने कहा कि वाणिज्यिक कर विभाग ने 2022-23 की तुलना में वित्तीय वर्ष 2023-24 में जीएसटी संग्रह में 18 प्रतिशत की वृद्धि देखी है। बिहार अब जीएसटी संग्रह में शीर्ष पांच राज्यों की सूची में है। यह वृद्धि उल्लेखनीय है राज्य सरकार की स्पष्ट रूप से प्रभावी आर्थिक नीति है। कर संग्रह में वृद्धि मुख्य रूप से जीएसटी शासन के तहत अधिक से अधिक छोटे व्यापारियों के पंजीकरण के कारण है। बताया गया कि नीतीश कुमार सरकार ने राज्य में ऑनलाइन गेमिंग पर अतिरिक्त टैक्स लगाना भी शुरू कर दिया है। सचिव ने कहा कि राज्य में ऑनलाइन गेमिंग पर 28 प्रतिशत जीएसटी लगाने से विभाग ने पर्याप्त राजस्व एकत्र किया है। पिछले साल सितंबर में इस संबंध में केंद्र की अधिसूचना के बाद, राज्य में ऑनलाइन गेमिंग, रेस कोर्स और कैसीनो पर अतिरिक्त कर 1 अक्टूबर, 2023 से लागू है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्टीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com